जबलपुर गुरुवार 15 अक्टूबर 2026 > अश्विन शुक्ल पक्ष, पंचमीं
वर्ष 32 अंक 108 मूल्य₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 32.0°C
न्यूनतम तापमान 19.5 °C
सूर्योदय - 6.07 | सूर्यास्त - 5.45

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

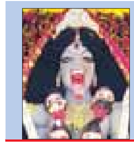
मां महाकाली की प्रतिमा स्थापना के साथ गूंज... ⏩ 5

माधुरी दीक्षित ने रचा इतिहास, ... ⏩ 7

प्रशासन ने दशहरा पर्व को लेकर तय की ... ⏩ 9

नवरात्र का पांचवां दिन

माँ स्कंदमाता

रेलवे कर्मचारियों को दीवाली का बोनस

मोदी कैबिनेट का फैसला- दिव्यांगों की पेंशन में भी बड़ा बदलाव

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को तीन बड़े फैसलों का एलान किया। इन फैसलों में रेलवे कर्मचारियों को सरकार ने त्योहारों से पहले बड़ी सौगात दी है। कैबिनेट ने लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन-आधारित बोनस को मंजूरी दी है। यह बोनस 78 दिनों के वेतन के बराबर होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दिवाली का तोहफा बताया। इस बोनस के लिए 2009 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा ने बताया कि कैबिनेट ने तीन बहुत महत्वपूर्ण फैसले लिए। पहला फैसला लगभग 11,40,770 रेलवे

कर्मचारियों के लिए 78 दिन के परफॉर्मेंस-लिंक्ड बोनस को मंजूरी देना था। यह बोनस उन मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दीवाली का तोहफा है जो दिन-रात बिना थके काम करते हैं। जब हम अपने परिवारों के साथ त्योहार मनाते हैं, तब ये कर्मचारी फील्ड में, रेलवे ट्रैक पर, लोकोमोटिव के अंदर और वर्कशॉप में चौबीसों घंटे अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए काम करते रहते हैं। यह बोनस रेलवे कर्मचारियों के अथक परिश्रम का सम्मान है। ये कर्मचारी दिन-रात काम करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। वे त्योहारों के दौरान भी चौबीसों घंटे ड्यूटी पर रहते हैं। वे खेतों, रेलवे ट्रैक, इंजनों और कार्यशालाओं में लगातार कार्यरत रहते हैं। बोनस की कुल राशि लगभग 2,009 करोड़ रुपये है।

कैबिनेट के 3 बड़े फैसले

- केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कहा कि आज पहला फैसला रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिन के बोनस को मंजूरी देने का लिया गया, जिससे लगभग 11.4 लाख कर्मचारियों को फायदा होगा।
- दुनिया के सबसे व्यापक सोशल सिक्योरिटी नेट में से एक का विस्तार किया गया है और इसे 2031 तक बढ़ा दिया गया है। इस विस्तारित सोशल सिक्योरिटी नेट के लिए कुल 53,428 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।
- दिव्यांग लोगों के लिए, दिव्यांगता पेंशन पाने की पिछली पात्रता सीमा 80 प्रतिशत दिव्यांगता थी। अब इस सीमा को घटाकर आधा यानी 40 प्रतिशत कर दिया गया है। अब दिव्यांगजन जन्म से ही 40 प्रतिशत तक की दिव्यांगता पर पेंशन के हकदार होंगे।

5 नदियों का जल लेकर अयोध्या जाएंगे दिग्विजय सिंह

उज्जैन। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा 20 अक्टूबर (विजयादशमी) पर उज्जैन के महाकाल मंदिर से रवाना होगी। सिंह पांच पवित्र नदियों का जल लेकर अयोध्या जा रहे हैं। यात्रा में कांग्रेस का झंडा और राजनीतिक बातें नहीं होंगे। करीब 950 किलोमीटर लंबी यह पदयात्रा ओरछा के रामराजा सरकार मंदिर से होते हुए अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक पहुंचेगी।

कॉकरोच जनता पार्टी कल दिल्ली में प्रदर्शन करेगी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने 16 अक्टूबर को प्रदर्शन का ऐलान किया। दीपके ने बुधवार को वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि, सभी लोग 16 अक्टूबर को शाम 5 बजे तिरंगा लेकर कनॉट प्लेस पहुंचे। ये लोग मुझे भी जेल में डाल सकते हैं लेकिन मुझे परवाह नहीं। दीपके बुधवार दोपहर दिल्ली पहुंचे थे। एयरपोर्ट से बाहर निकलते समय भीड़ उन पर चिल्लाने लगी। एक पैसेंजर ने कहा- क्यों देश को खराब कर रहा भाई। इस पर दीपके ने बस थम्स अप का इशारा किया और चुपचाप चले गए।

रिलायंस पावर की 2000 करोड़ से अधिक संपत्ति जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को बताया कि उसने अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड की भारत में स्थित 2000 करोड़ रुपये से अधिक की परिसंपत्तियां जब्त की हैं। यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत एक जांच का हिस्सा है। जब्त परिसंपत्तियों में आरपीएल के बैंक शेष और सासन पावर लिमिटेड में उसकी शेयरधारिता शामिल है। जब्ती आदेश 12 अक्टूबर को फेमा की धारा 37ए के तहत 2,032.81 करोड़ रुपये का जारी हुआ। कंपनी ने मंगलवार को एक नियामक फाइलिंग में ईडी के आरोपों को विवादित बताया। कंपनी ने कहा कि वह अपने और सभी शेयरधारकों के हितों की सुरक्षा के लिए कानूनी सलाह के अनुसार उचित कदम उठाएगी।

सभी किसानों को 5000 रुपए देगी महाराष्ट्र सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार ने एलान किया है कि राज्य के सभी किसानों को 5000 रुपए की अंतरिम मदद दी जाएगी। इस राशि का भुगतान किसानों के खातों में दीवाली से पहले कर दिया जाएगा, ताकि वे त्योहारी सीजन में अपनी जरूरतें पूरी कर सकें। सीएम फडणवीस के अनुसार हाल ही में राज्य के कई हिस्सों में सूखे जैसे हालात और फसलों को हुए नुकसान को देखते हुए सरकार ने पूरे इलाके को सूखाग्रस्त घोषित किया है। किसानों की इस आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए यह फौरी मदद दी जा रही है।

स्कॉर्पियो से मिले 1.29 करोड़ कैश

मंदसौर। शामगढ़, सुवासरा और भानपुरा थानों की संयुक्त टीम ने बिना नंबर की स्कॉर्पियो से एक करोड़ 29 लाख कैश पकड़ा है। रकम कार में अलग-अलग बॉक्स बनाकर छिपाई गई थी। मामले में भवानी शंकर मीणा, मोहम्मद इस्लाम और सूर्य प्रकाश गंगवार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूछताछ कर रही है कि रकम किसकी है, कहां से आई और कहां ले जाई जा रही थी? इसके नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े होने की आशंका है। दरअसल, शामगढ़ थाना पुलिस को टिप मिली थी कि बरखेड़ा उदा गांव के सरपंच भवानी शंकर मीणा के घर दो संदिग्ध लोग पहुंचे हैं। उनकी स्कॉर्पियो में अवैध कैश है।

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर राहुल गांधी बोले

यह भारत की आवाज है इसके खिलाफ खड़े न हों

नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर के विरोध प्रदर्शनों के बीच लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से पुलिस की कार्रवाई का वीडियो रिकॉर्ड करने और सबूत कांग्रेस तक पहुंचाने की अपील की। राहुल गांधी ने कहा कि इस पूरे मामले के खत्म होने के बाद सबूतों के आधार पर जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और प्रदर्शनकारियों पर हाथ उठाने वाले पुलिसकर्मियों का नाम लेते हुए कार्रवाई की बात कही। इस दौरान

राहुल गांधी ने कहा, जैसा कि मैंने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह भारत है। अमित शाह जी, इसे अच्छी तरह देखिए। यहां कोई हिंदू नहीं, कोई मुसलमान नहीं, किसी खास जाति का कोई नहीं, कोई महिला नहीं, कोई पुरुष नहीं। एक ही आवाज है, एक ही विरोध है। यह भारत की आवाज है और आप इस आवाज के खिलाफ खड़े हैं। प्रधानमंत्री इस आवाज के खिलाफ खड़े हैं। मैं आपको सुझाव देता हूं कि इस आवाज के खिलाफ मत खड़े होइए। कोई भी इस आवाज के खिलाफ नहीं खड़ा हो सकता। राहुल गांधी ने पुलिसकर्मियों को लेकर कहा, मैंने सभी छात्रों से कहा है कि वीडियो रिकॉर्ड रखें और वह सबूत हमें भेजें। जब यह पूरा मामला खत्म होगा, तो हम उन सभी सबूतों का उपयोग करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि जिसे सजा मिलनी चाहिए उसे सजा मिले। प्रधानमंत्री से लेकर ज्ञानेश कुमार, अमित शाह और यहां तक कि वह सिपाही भी जो हमारे बच्चों पर हाथ उठा रहे हैं उन्हें सजा मिलेगी। बस आप सारे सबूत रखिए अपने पास। उन्होंने सरकार से प्रदर्शन कर रहे छात्रों और युवाओं के खिलाफ खड़े न होने की अपील करते हुए कहा कि कोई भी इस आवाज को दबा नहीं सकता। राहुल गांधी ने कहा, मैं अपने अधिकारों के लिए लड़ने वाले हर प्रदर्शनकारी के साथ खड़ा रहूंगा।

डंडे का जवाब डंडे से

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस बल प्रयोग के जवाब में बांसुरी का सहारा लिया। उन्होंने समर नाम के एक बांसुरी वादक को पेश किया, जिसने बांसुरी पर भजन वैष्णव जन तो तेने कहिए की धुन बजाई। राहुल गांधी ने इसे प्रतीकात्मक अंदाज में पेश करते हुए कहा, 'डंडे का जवाब डंडे से।' समर ने आरोप लगाया कि 11 अक्टूबर को उन्हें हिरासत में लिया गया था। उनका दावा है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों को कथित तौर पर बजरंग दल और आरएसएस से जुड़े लोगों ने धमकाया था और इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। समर ने आरोप लगाया कि उनके फोन छीनकर फॉर्मेट कर दिए गए। उन्होंने यह भी दावा किया कि इससे पहले 20 जुलाई को रैपिड एक्शन फोर्स के एक जवान ने उन पर डंडे से हमला किया था।

राहुल ने छात्रा को बताया 'शेरनी'

राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई से जुड़ी एक महिला कार्यकर्ता (छात्रा) को भी पेश किया। उन्होंने उसे 'शेरनी' बताते हुए कहा कि कथित मारपीट के बावजूद उसका हौसला नहीं टूटा है। महिला कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए जाने के बाद उसके साथ बस और पुलिस स्टेशन में मारपीट की गई। उसने महिला कांस्टेबल चंचल यादव पर गला पकड़कर खींचने, पीछे धकेलने और चेहरे पर नाखून मारने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी के मुताबिक, विरोध करने पर महिला कांस्टेबल ने उसे थप्पड़ भी मारा और बाल पकड़कर खींचा। उसने दावा किया कि मारपीट के दौरान उसके कान में पहनी बाली चोट लगने के कारण धंस गई थी। बाद में अस्पताल में डॉक्टरों को बाली निकालनी पड़ी।

केरल की छात्रा के कान में चोट

राहुल गांधी ने दावा किया कि केरल की दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा अथिरा को मंगलवार को हिरासत में लिए जाने के दौरान उसके कान पर बार-बार चोट पहुंचाई गई, जिससे एक कान से सुनने की क्षमता प्रभावित हुई है। छात्रा ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों को ले जा रही बस में कोई महिला पुलिसकर्मी मौजूद नहीं थी। उसने इस पर सवाल उठाए तो कथित तौर पर पुलिसकर्मियों ने उसके गाल पर कई बार मारा। छात्रा के मुताबिक, इस घटना में उसकी आंख और कान पर चोट आई। राहुल गांधी ने एक अन्य युवा प्रदर्शनकारी की आंखों की रोशनी जाने का भी जिक्र किया। समर्थ नाम के एक अन्य छात्र ने कहा, हमें 5 अक्टूबर को हिरासत में लिया गया। फिर पार्लियामेंट पुलिस स्टेशन ले जाकर वहाब सिंह तोमर नाम के पुलिसकर्मी के साथ 20 पुलिसवालों ने बुरी तरह से मारा।

बहाने न चलेंगे, काउंटिंग की वीडियो रिकॉर्डिंग दें

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने ईसीआई को लगाई फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कर्नाटक की श्रींगेरी विधानसभा सीट पर 2023 में हुई वोटों की गिनती की वीडियो रिकॉर्डिंग नहीं मिलने पर चुनाव आयोग को फटकार लगाई। जस्टिस संजय कुमार और संजीव सचदेवा की बेंच ने ईसीआई से कहा, चुनाव आयोग यह कैसे कह सकता है कि उसका रिकॉर्ड खो गया? आपका काम चुनाव कराना है और आपके पास दस्तावेज होना चाहिए। यह कहने का सवाल ही नहीं है कि आप उसे ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं। इस तरह के बहाने नहीं चलेंगे। यह मामला कांग्रेस नेता टीडी राजेगौड़ा की याचिका से जुड़ा है। 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में श्रींगेरी सीट पर राजेगौड़ा ने बीजेपी उम्मीदवार डीएन जीवराज को सिर्फ 201 वोटों से हराया था। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टीडी राजेगौड़ा ने भाजपा के डीएन जीवराज को 201 वोटों से हराया था। जीवराज ने इस नतीजे को कर्नाटक हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 6 अप्रैल 2026 को कर्नाटक हाईकोर्ट ने पोस्टल बैलेट की दोबारा जांच का आदेश दिया। इसमें पहले खारिज किए गए 279 पोस्टल बैलेट की फिर से जांच भी शामिल थी। 3 मई 2026 को संशोधित नतीजा घोषित हुआ। इसमें राजेगौड़ा के वोट 255 कम हो गए और जीवराज को विजेता घोषित कर दिया गया। राजेगौड़ा ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हाईकोर्ट ने केवल 279 खारिज पोस्टल बैलेट की दोबारा जांच का आदेश दिया था। लेकिन उनके मुताबिक, रिटर्निंग ऑफिसर ने उनके पक्ष में पड़े 562 वैध पोस्टल बैलेट पर भी दोबारा विचार किया। उन्होंने इस कार्रवाई को चुनौती दी है। यह उनका पक्ष है, इस पर अंतिम फैसला होना बाकी है। राजेगौड़ा ने मूल मतगणना और दोबारा गिनती के वीडियो के साथ चुनाव पर्यवेक्षक की रिपोर्ट मांगी है। इन रिकॉर्ड से यह जांचने में मदद मिल सकती है कि मतगणना के दौरान क्या हुआ और प्रक्रिया का पालन किया गया या नहीं। लेकिन चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 2023 की काउंटिंग का वीडियो उसे नहीं मिल रहा है।

13 करोड़ का मालिक बना पुलिसकर्मी

इंदौर/देवास। लोकायुक्त पुलिस ने इंदौर के पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल (ड्राइवर) फिरोज खान के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई की। लोकायुक्त इंदौर और उज्जैन की संयुक्त टीम ने सुबह 6 बजे से देवास स्थित उसके निवास समेत इंदौर और देवास के 15 ठिकानों पर सर्चिंग शुरू की। शुरुआती जांच में आरोपी के पास करीब 13 करोड़ करोड़ रुपए की अनुपातहीन संपत्ति मिली है। लोकायुक्त के अनुसार, यह उसकी आंकी गई आय से करीब 568 फीसदी ज्यादा है। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि फिरोज खान पुलिस विभाग में होने का प्रभाव दिखाकर देवास क्षेत्र में विवादित जमीनों और प्लॉटों के मामलों में हस्तक्षेप करता है। उस पर अन्य लोगों के माध्यम से जमीनों का लेन-देन करने, संपत्ति में निवेश करने, परिवार के सदस्यों और एक परिचित महिला के नाम पर संपत्तियां खरीदने, कई वाहन रखने और लकड़ी का कारोबार करने के आरोप भी हैं। एसपी राजेश सहाय के मुताबिक, फिरोज खान को वेतन से करीब 75 लाख रुपए की आय होना अनुमानित किया गया है। अन्य स्त्रोतों से होने वाली आय जोड़कर उसकी कुल आय 1.93 करोड़ रुपए आंकी गई है। शुरुआती जांच में सामने आया कि आरोपी की मां और पत्नी के नाम पर साहिल ट्रेडिंग कंपनी नाम की फर्म है। इस फर्म के खाते में करोड़ों रुपए का लेन-देन हुआ है। वहीं, आरोपी की परिचित रोशनी वर्मा द्वारा रोशनी सेल्स एंड सर्विस नाम से फर्म संचालित किए जाने की जानकारी भी मिली है। जमीनों की खरीद में उनकी भूमिका सामने आने के बाद लोकायुक्त ने उन्हें भी आरोपी बनाया है। बुधवार सुबह करीब 6 बजे लोकायुक्त एवं लोकल पुलिस की आठ टीमों ने एक साथ 15 स्थानों पर छापेमारी शुरू की। लोकायुक्त की टीम देवास में 11 और इंदौर में 4 ठिकानों पर मकान, फ्लैट, कृषि भूमि, प्लॉट और व्यावसायिक संपत्तियां शामिल हैं।

वेतन से 568 फीसदी ज्यादा प्रॉपर्टी, लोकायुक्त की रेड

नीला ड्रम हत्याकांड

मुस्कान और साहिल को मृत्युदंड

मेरठ। मेरठ के बहुचर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड यानी नीला ड्रम केस में अदालत ने दोनों दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। मुकदमे के ट्रायल के बाद 30 सितंबर को जिला जज अरविंद कुमार मिश्र की अदालत ने साहिल और मुस्कान को हत्या के मामले में दोषी करार दिया था। अदालत का फैसला सुनते ही मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला भावुक हो गए। जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत में बुधवार को सजा पर सुनवाई की। वहीं मुस्कान ने कहा कि उसकी दो बेटियां है उनका ख्याल रखा जाए। सजा पर फैसला सुनाए जाने से पहले मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला को जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिला जज के सामने अलग-अलग पेश किया गया। अदालत ने दोनों से उनकी बात रखने का अवसर दिया। दोनों ने कहा कि उन्हें कुछ नहीं कहना है।

मप्र में शराब घोटाले पर कांग्रेस का हमला

2.75 करोड़ की एफडीआर पर तकरार

भोपाल

प्रदेश में शराब घोटाले को लेकर कांग्रेस ने भाजपा और राज्य सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि वे भ्रष्टाचार को संरक्षण नहीं दे रहे हैं तो जांच के आदेश दें। इस आरोप पर भाजपा या प्रदेश सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की सोशल मीडिया पोस्ट साझा करते हुए प्रधानमंत्री से सात सवालों के जवाब मांगे। रमेश ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में जमीन घोटाले के बाद अब शराब घोटाला सामने आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी चाहिए। बता दें कि पटवारी ने एक मीडिया रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया था, जिसके मुताबिक भोपाल में दो शराब दुकानों के ठेकों और उनके हस्तांतरण से जुड़े मामलों में सात गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। इनमें 2 करोड़ 75 लाख 53 हजार 535 रुपये की ई-एफडीआर का मामला भी शामिल है, जिसे कथित तौर पर एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने जारी करने से इंकार कर दिया था। जीतू पटवारी ने सवाल किया कि जब बैंक ने एफडीआर जारी ही नहीं की तो 2.75 करोड़ रुपये की एफडीआर स्वीकार कैसे कर ली गई?

नियमों के विपरीत 22 दिन की देरी से जमा की गई सिक्योरिटी को मंजूरी क्यों दी गई? उन्होंने यह भी पूछा कि बैंक गारंटी के बिना 76 लाख रुपये की सिक्योरिटी किसके कहने पर स्वीकार की गई।

इसके पीछे किसका संरक्षण

पटवारी ने शराब ठेके हासिल करने के लिए कथित तौर पर एक करोड़ रुपये की रिश्वत के खेल का आरोप लगाते हुए पूछा कि इसके पीछे किसका संरक्षण था। उन्होंने फर्जीवाड़े के बावजूद सिक्योरिटी स्वीकार करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और भ्रष्टाचार में कथित रूप से शामिल वल्लभ भवन के अन्य अधिकारियों पर कार्रवाई में देरी को लेकर भी सवाल उठाए। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय से मामले में जवाब और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग की है।

सच्चा वादा पूरा काम, प्रेम से बोलो जय श्री राम : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

लाड़ली बहना योजना की 41वीं किश्त 1 करोड़ 25 लाख बहनों के खातों में 1834 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नवरात्रि के पावन पर्व पर बुधवार 14 अक्टूबर को प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख लाड़ली बहनों को लाड़ली बहना योजना की 41वीं किश्त की सौगात मिली है। राज्य सरकार बहनों के बैंक खातों में हर माह 1500 रुपए की राशि ट्रांसफर कर रही है। योजना की शुरुआत से लेकर अब तक 65 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि भेजी जा चुकी है। हमारी सरकार सच्चा वादा-पक्का काम के भाव से प्रदेश की जनता से किए गए जनकल्याण के सभी वादे पूरा करते हुए आगे बढ़ रही है। प्रदेश की आधी आबादी के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेश के एक चौथाई जिलों में हमारी बहनें कलेक्टर की जिम्मेदारी निभा रही हैं। शहडोल संभागायुक्त और उमरिया जिले की कलेक्टर भी हमारी बहनें हैं। उमरिया जिले के बांधवगढ़ को प्रभु श्रीराम, माता सीता और भगवान श्रीकृष्ण का विशेष आशीर्वाद मिला है। उमरिया में विरासनी देवी का आशीर्वाद लेना सौभाग्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उमरिया जिले के मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत गुरुवाही ग्राम में आयोजित लाड़ली बहना योजना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 41वीं किश्त की राशि बहनों के खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को 1834 करोड़ से अधिक राशि अंतरित की, साथ ही प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और लाड़ली बहनों को गैस सिलेंडर रीफिल के लिए 115 करोड़ ट्रांसफर किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 144 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया।

सरकार गरीब से गरीब के जीवन में खुशियां लाने के लिए काम कर रही है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने माताओं-बहनों की सुविधा के लिए पक्के मकान और शौचालय बनवाएं। राज्य सरकार ने स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित 50 लाख से अधिक संपत्तियों की निरूशुल्क रजिस्ट्री कराने का संकल्प लिया है। पटवारियों को जो भ्रांतियां थी, वह दूर कर दी गई हैं। हमारी सरकार गरीब से गरीब के जीवन में खुशियां लाने के लिए काम कर रही है। प्रदेश में 21 वर्ष बाद फिर से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की बस चलने लगी हैं। बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए सांदीपनि विद्यालय की सौगात मिल रही है, जहां उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और स्कूटी देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। बच्चों को स्कूल आने-जाने के लिए बस सुविधा, साइकिलें और निशुल्क किताबें व ड्रेस दी जा रही है।

किसानों की आय में वृद्धि के लिए गोपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत किसानों को अनेक सौगात दी जा रही हैं किसानों की आय में वृद्धि के लिए गोपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके साथ ही जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे को भी राज्य सरकार प्रोत्साहित कर रही है। जियो और जीने दो के सिद्धांत के अनुरूप प्रदेश के वनांचल में वन्यजीवों की विविधता को प्रोत्साहित करते हुए उनकी संख्या में वृद्धि की जा रही है। वन्यजीवों से होने वाली दुर्घटना पर मुआवजा राशि में भी वृद्धि की गई है। प्रदेश में हवाई सेवाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उमरिया जिले के समग्र विकास के लिए कुल 144 करोड़ रुपये की लागत के 136 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन हुए हैं। इनमें 87 करोड़ रुपये की लागत के 68 कार्यों का लोकार्पण और 57 करोड़ रुपये की लागत के 68 कार्यों का भूमि-पूजन शामिल है। इन विकास कार्यों में बांधवगढ़ और मानपुर विधानसभा क्षेत्रों के कार्य भी शामिल हैं। हमारी सरकार लगातार विकास के लिए आगे रहते हुए कार्य कर रही है। उमरिया सहित आसपास के जिलों को स्लीमनाबाद टनल का भी लाभ मिलेगा, इससे सिंचाई के पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर उमरिया में सांदीपनि विद्यालय बनाने की घोषणा की। उमरिया के मानपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नया भवन बनाया जाएगा। मानपुर एवं पाली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल हॉस्पिटल का दर्जा मिलेगा। उमरिया में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे। सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं को एक चौथाई मूल्य पर भूमि आवंटित किए जाएंगे।कार्यक्रम में मानपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुश्री मीना सिंह तथा बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक शिवनारायण सिंह ने उमरिया जिले में किए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने जिले के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों और जनहित की आवश्यकताओं से भी अवगत कराया। दोनों विधायकों ने जिले में विकास कार्यों के लिए किए जा रहे प्रयासों के प्रति मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। विधायक एवं पूर्व मंत्री सुश्री मीना सिंह ने कहा कि नवरात्रि के उत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की लाड़ली बहनों को बड़ी सौगात दी है। आज मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत 41वीं किस्त जारी की गई है। सभी पात्र लाड़ली बहनों को प्रतिमाह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाना, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में निरंतर सुधार करना तथा परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका को सशक्त करना है। हर महीने मिल रही राशि से बहनें अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने साथ ही परिवार की आर्थिक गतिविधियों में भी साझेदार बन रही हैं। वहीं, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बांधवगढ़ विधायक श्री शिवनाराण सिंह ने क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न मांगें मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उमरिया जिले के ग्राम गुरवाही में आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन में जिले के विकास को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने 87 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुए 68 निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा 57 करोड़ रुपये की लागत वाले 68 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, धार्मिक पर्यटन तथा प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार से संबंधित महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने मानपुर एवं पाली के सामुदायिक स्वास्थ्य भवनों का सिविल अस्पताल के रूप में उन्नयन करने, मानपुर विधानसभा क्षेत्र में सांदीपनि विद्यालय स्वीकृत करने तथा चिल्हारी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने चिल्हारी को नगर परिषद का दर्जा देने के संबंध में परीक्षण के पश्चात आवश्यक निर्णय लेने की बात कही।

मुख्यमंत्री के आगमन पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मिथलेश राय घर में नजरबंद, कांग्रेस पदाधिकारी भी डिटेन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बुधवार 14 अक्टूबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उमरिया जिले में आगमन के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उमरिया के अध्यक्ष मिथलेश राय को पुलिस द्वारा उनके घर पर ही नजरबंद किए जाने का मामला सामने आया है। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कांग्रेस अध्यक्ष सहित सैकड़ों कांग्रेस पदाधिकारियों को डिटेन किए जाने की बात भी सामने आई है। इस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस की ओर से सवाल उठाए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, मिथलेश राय ने मुख्यमंत्री के दौरे से एक दिन पहले जिला कलेक्टर से मुलाकात कर मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा था। उनका उद्देश्य जिले की प्रमुख जनसमस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराकर उनके निराकरण की मांग करना था। लेकिन मुख्यमंत्री के आगमन के दिन उन्हें घर पर ही नजरबंद किए जाने से जनसमस्याओं को लेकर मुलाकात की उनकी कोशिश पूरी नहीं हो सकी।

इन प्रमुख समस्याओं को उठाना चाहते थे कांग्रेस अध्यक्ष

मिथलेश राय द्वारा दिए गए आवेदन में सिंगल टोला रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण, जिला अस्पताल की अव्यवस्थाओं को दूर करने, आमजन के लिए पेयजल की समस्या का समाधान तथा किसानों के धान खरीदी पंजीयन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने जैसी प्रमुख मांगें शामिल थीं। इन मुद्दों का सीधा संबंध आम नागरिकों, मरीजों और किसानों की रोजमर्रा की जरूरतों से है। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है कि इन समस्याओं का निराकरण क्षेत्र की जनता के हित में जरूरी है। ऐसे में मुख्यमंत्री से मुलाकात के लिए समय मांगने के बाद उन्हें घर पर रोके जाने की कार्रवाई कई सवाल खड़े करती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जनप्रतिनिधि जनता की समस्याएं सरकार के सामने रखना चाहते हैं, तो उन्हें ऐसा करने का अवसर क्यों नहीं दिया जा रहा है?

जनसमस्याओं को लेकर उठे सवाल

मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के तहत कांग्रेस पदाधिकारियों को डिटेन किए जाने की कार्रवाई को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। अब सवाल यह है कि सिंगल टोला रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज, जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार, पेयजल संकट और किसानों के धान खरीदी पंजीयन जैसी समस्याओं पर शासन कब ठोस कदम उठाएगा। साथ ही, कांग्रेस नेताओं को मुख्यमंत्री से मिलने से रोके जाने के मामले में प्रशासन की ओर से क्या पक्ष सामने आता है, इस पर भी लोगों की नजरें टिकी हैं।

साइबर अपराधों के प्रति नागरिक रहें सतर्क एवं जागरूक : कमिश्नर

शहडोल (स्वतंत्रमत)। कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने संभाग के नागरिकों से

धोखाधड़ी, डिजीटल अररेस्ट जैसे अन्य साइबर अपराधो के प्रति सर्तक एवं जागरूक रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में डिजीटल अररेस्ट, धोखाधड़ी जैसे अन्य साइबर अपराधो की शिकायतें प्राप्त होती है जिनमें आम नागरिकों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। कमिश्नर ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व के लोगों को नौकरी दिलाने, ऋण स्वीकृत कराने, आर्थिक लाभ दिलाने अथवा अन्य प्रकार के प्रलोभन देकर ठगी का शिकार बनाते हैं। ऐसे में नागरिक किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा दी जा रही जानकारी या आश्वासन पर बिना सत्यापन के विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त प्रतीत होता है या डिजीटल अरेस्ट जैसे अन्य साइबर अपराध की घटना घटित होती है तो उसे तुरंत नजदीकी थाना में सूचित करें अथवा टोल फ्री नम्बर 1930 पर तत्काल शिकायते दर्ज करें। कमिश्नर ने कहा कि आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी, बैंक खाते की जानकारी, ओटीपी अथवा अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तिगत दस्तावेज किसी भी अनजान व्यक्ति को उपलब्ध न कराएं। थोड़ी सी असावधानी आर्थिक एवं सामाजिक नुकसान का कारण बन सकती है।

संवाद योजना अंतर्गत जिला स्तरीय बैठक संपन्न

शहडोल (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, मध्यप्रदेश शासन के तत्वावधान में परिषद की संवाद योजना (वित्तीय वर्ष 2026-27) के अंतर्गत ई-दक्ष केंद्र में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक भीम सिंह डामोर ने की। बैठक में जिला समन्वयक विवेक पांडेय ने परिषद द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की। इस दौरान विकासखंड समन्वयकों एवं नवांकुर संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी माह में आयोजित होने वाले अभियानों एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में परिषद से संबद्ध नवांकुर संस्थाओं की भूमिका, ग्राम विकास की गतिविधियों, जनभागीदारी बढ़ाने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही परिषद द्वारा संचालित मोबाइल एप एवं एमआईएस पोर्टल के माध्यम से कार्यक्रमों की जानकारी, गतिविधियों के छायाचित्र, जियोटैग लोकेशन तथा प्रगति प्रतिवेदन समय पर अपलोड करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

नवरात्रि में बिजली संकट से पूजा-पाठ प्रभावित, अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीणों में आक्रोश, सुप्रिटेंडेंट इंजीनियर (एसई) को सौंपा ज्ञापन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले के अन्तर्गत ग्राम लालपुर सबस्टेशन से की जा रही अघोषित बिजली कटौती को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। नवरात्रि जैसे धार्मिक पर्व के दौरान बार-बार बिजली गुल होने से ग्रामीणों को पूजा-पाठ, धार्मिक आयोजनों और दैनिक कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत कटौती से नाराज ग्रामीणों ने सुप्रिटेंडेंट इंजीनियर (एसई), मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को आवेदन सौंपकर समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो ग्रामीण जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों का आरोप है कि लालपुर सबस्टेशन से लोड रिलीफ के नाम पर लगातार

अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। बिजली कब बंद होगी और कब बहाल होगी, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने से लोगों को अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। नवरात्रि के दौरान मंदिरों, पूजा पंडालों और घरों में धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं, लेकिन बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण श्रद्धालुओं को असुविधा हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि त्योहार के समय निर्बाध विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता होती है, लेकिन इसी दौरान बार-बार बिजली कटने से पर्व की तैयारियों और धार्मिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक बिजली कटौती की जा रही है। उनका कहना है कि यदि विद्युत व्यवस्था बनाए रखने के लिए कटौती आवश्यक है, तो उसका बोझ किसी एक क्षेत्र के उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाना चाहिए। सभी क्षेत्रों में समान व्यवस्था लागू कर रोटेशन के आधार पर बिजली कटौती की जाए, ताकि ग्रामीण उपभोक्ताओं को लगातार परेशानी का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि यदि लोड रिलीफ के कारण बिजली कटौती करना अनिवार्य है, तो इसके लिए रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक का समय निर्धारित किया जाए। इससे दिन और शाम के समय होने वाले जरूरी कार्यों के साथ-साथ नवरात्रि के दौरान पूजा-पाठ और धार्मिक आयोजनों में बाधा नहीं आएगी। ग्रामीणों ने कहा कि बिजली कटौती का समय निर्धारित होने से उपभोक्ताओं को पहले से जानकारी रहेगी और वे अपने आवश्यक कार्यों की योजना बना सकेंगे।

पड़मनिया खुर्द में रही कविताओं की धूम, श्रोता उठे झूम

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले के अन्तर्गत ग्राम पडमनिया खुर्द के ठाकुर बाबा प्रांगण में श्री ठाकुर बाबा नवदुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। उक्त आशय की जानकारी देते हुए अनिल साहू ने बताया कि स्थानीय प्रतिष्ठित कवियों द्वारा माता रानी के दरबार में ओज ,करुणा, भक्ति ,हास्य,व्यंग्य एवं प्रेरणा युक्त व नशा मुक्ति के संदेश से ओतप्रोत कविताएं प्रस्तुत की गई स रचनाकारों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति ने श्रोताओं को आनंद विभोर कर दिया। ठाकुर बाबा धाम के आध्यात्मिक वातावरण में प्रवाहित काव्य गंगा ने सोने में सुगंध जैसा प्रभाव उत्पन्न कर दिया। मंचस्थ रचनाकारों का मंच संचालक मृगेंद्र कुमार श्रीवास्तव द्वारा काव्यात्मक परिचय कराया गया। इसके साथ ही आयोजक समिति द्वारा समस्त साहित्यकारों का तिलक वंदन ,अंग वस्त्र एवं श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया गया। माँ शारदे की वंदना उपरांत रामाधार श्रीवास्तव, मृगेंद्र कुमार श्रीवास्तव, सी.एल. मिश्रा साहिल, अंजू सिंह बघेल,पदम प्रकाश नापित बेसुरा, अनिल प्रभात शुक्ला मधुर, राजेंद्र सिंह राज ने अपनी प्रतिनिधि कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवियों की रचनाओं ने जहां सैकड़ो की संख्या में उपस्थित श्रोताओं को हंसाया वहीं गंभीर विषयों पर चिंतन के लिए विवश भी किया। कवि सम्मेलन का सम्मोहक संचालन मृगेंद्र श्रीवास्तव द्वारा एवं कार्यक्रम का शेष संचालन उपसरपंच अनिल साहू द्वारा किया गया स ज्ञातव्य है पडमनिया में पहली बार कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया,जिसकी आसपास के क्षेत्र में काफी चर्चा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से सरपंच कमलेशिया बैगा, थाना प्रभारी एस.पी. चतुर्वेदी, उप निरीक्षक सुब्रत चतुर्वेदी, बाल्मीक साहू, मुरली प्रसाद साहू, गिरधारीलाल नापित, डॉ अमित साहू (अध्यक्ष), संजय चौरसिया, अमित गुप्ता, राजन साहू, धनीराम चौरसिया, संतोष गुप्ता, संजय नापित सहित सैकड़ो की संख्या में श्रोता महिला, पुरुष एवं समिति के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिले में केंद्रीय दल ने परखी 'वीबी जी राम जी' योजना के कार्यों की गुणवत्ता, हितग्राहियों की सहभागिता को सराहा

घानाघाट से चांड़ा तक विभिन्न ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों का निरीक्षण, ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन का लिया जायजा

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिले में ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित 'वीबी जी राम जी' योजना के तहत किए जा रहे विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों की गुणवत्ता और क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लेने भारत सरकार के केंद्रीय दल ने 12 से 14 अक्टूबर तक डिंडौरी जिले का भ्रमण किया। तीन दिवसीय निरीक्षण के दौरान दल ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों का अवलोकन किया और हितग्राहियों तथा श्रमिकों से चर्चा कर योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, स्थानीय सहभागिता और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया गया। केंद्रीय दल में सहायक आयुक्त सुश्री दीक्षा सुप्याल बिष्ट एवं परियोजना अधिकारी सुश्री रेखा पी.एस. शामिल रहीं। दल के साथ प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधि के रूप में वीबी जी राम जी विकास आयुक्त कार्यालय, भोपाल के कार्यपालन यंत्री श्री अनुग्रह सिंह तथा सहायक लेखाधिकारी श्री यशवंत मिस्त्री भी उपस्थित रहे। भ्रमण के पहले दिन कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने योजनांतर्गत जिले में संचालित

विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक के बाद केंद्रीय दल ने विकासखंड डिंडौरी की ग्राम पंचायत घानाघाट पहुंचकर कंटूर ट्रेंच, गली प्लग, गैवियन, खेत तालाब, वसुधा वंदन तथा कोदो-कुटकी प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण किया। दल ने इन कार्यों का अवलोकन कर उनके क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद ग्राम पंचायत औरई के ग्राम धौरई में 'एक बगिया मां के नाम' योजना के तहत किए गए कार्यों का निरीक्षण किया गया। यहां हितग्राही श्रीमती पंचवती धूमकेती से पौधों की गुणवत्ता, देखरेख और संरक्षण के संबंध में चर्चा की गई। हितग्राही ने बताया कि उन्होंने अपनी रुचि से पौधों एवं पोल फेंसिंग की व्यवस्था की है। जनपद स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मार्गदर्शन में पौधों की नियमित देखरेख और संरक्षण किया जा रहा है। केंद्रीय दल ने कार्य की गुणवत्ता और हितग्राही की सक्रिय सहभागिता की सराहना की। निरीक्षण के दूसरे दिन, 13 अक्टूबर को केंद्रीय दल ने विकासखंड डिंडौरी की ग्राम पंचायत हिनौता माल में विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। यहां कंटूर ट्रेंच, बोल्डर चेक, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), नंदन फलोद्यान तथा कपिलधारा कूप के प्रगतिरत कार्यों की स्थिति देखी गई। इस दौरान दल ने श्रमिकों से चर्चा कर योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद विकासखंड बजाग की ग्राम पंचायत बरगांव में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा कंटूर ट्रेंच के कार्यों का निरीक्षण किया गया। दल ने मौके पर चल रहे कार्यों का अवलोकन कर उनके क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान विकासखंड करंजिया की ग्राम पंचायत पाटनगढ़ में केंद्रीय दल ने गोंडी पेंटिंग का अवलोकन किया। दल ने स्थानीय कलाकारों की पारंपरिक कला और उनकी रचनात्मकता की सराहना की। इस दौरान क्षेत्र की स्थानीय कला एवं सांस्कृतिक विशेषताओं को भी करीब से देखने का अवसर मिला। निरीक्षण के तीसरे दिन, 14 अक्टूबर को केंद्रीय दल विकासखंड बजाग की ग्राम पंचायत चांड़ा पहुंचा। यहां प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों तथा बोल्डर चेक के प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण किया गया। दल ने मौके पर किए जा रहे कार्यों की स्थिति का जायजा लेते हुए निर्माण की गुणवत्ता और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का अवलोकन किया।

जटिल नहीं, जादुई है केमिस्ट्री, इसे कैसे बनाएँ रोचक और सरल

अक्सर स्कूली विद्यार्थियों के बीच यह धारणा देखने को मिलती है कि रसायन विज्ञान एक कठिन और उबाऊ विषय है। आवर्त सारणी को याद करना, रासायनिक समीकरणों को संतुलित करना और जटिल सूत्रों को याद रखना कई बच्चों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन वास्तव में रसायन विज्ञान नीरस नहीं, बल्कि हमारे आसपास होने वाली अनेक रोचक घटनाओं का विज्ञान है। आवश्यकता इस बात की है कि इसे पुस्तकों से बाहर निकालकर विद्यार्थियों के दैनिक जीवन से जोड़ा जाए।

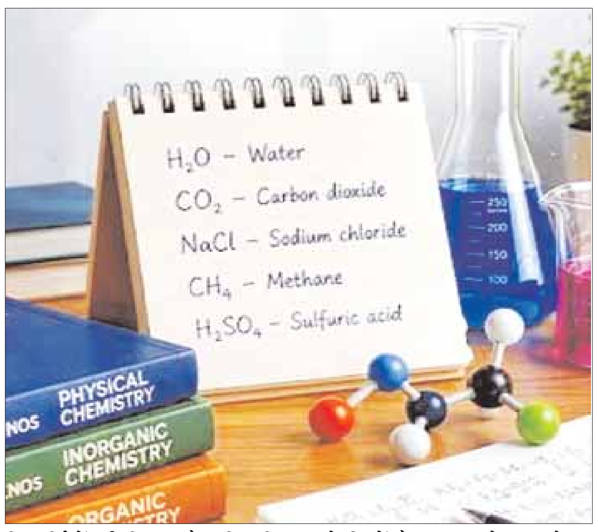

प्रयोगशाला को बनाएँ जादुई कक्ष

रसायन विज्ञान केवल ब्लैकबोर्ड पर पढ़ने का विषय नहीं है। जब विद्यार्थी अपनी आँखों के सामने रासायनिक अभिक्रियाओं से होने वाले बदलाव देखते हैं, तो उनकी जिज्ञासा बढ़ती है। उदाहरण के लिए, सिरका और खाने का सोडा मिलाने पर कार्बन डाइऑक्साइड गैस बनती है, जिससे गुब्बारा फुलाया जा सकता है। ऐसे सरल और सुरक्षित प्रयोग विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाते हैं।

दृश्य माध्यमों और डिजिटल साधनों का उपयोग

आज के डिजिटल युग में त्रिविमीय चित्रों, चलचित्रों और आभासी प्रयोगों की सहायता से परमाणुओं, अणुओं तथा रासायनिक बंधों को आसानी से समझाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, पानी के अणु की संरचना को चित्रों के माध्यम से समझने पर विद्यार्थियों को उसे केवल रटने की आवश्यकता नहीं रहती। इससे कठिन अवधारणाएँ भी सरल बन जाती हैं।

रोचक तरीकों से याद करें आवर्त सारणी

आवर्त सारणी के तत्वों को याद करने के लिए केवल रटने पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। शिक्षक कविताओं, खेलों, पहेलियों और स्मरण-सूत्रों का उपयोग कर सकते हैं। समूह गतिविधियों और प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विद्यार्थी तत्वों के नाम, प्रतीक तथा गुण आसानी से याद कर सकते हैं। इससे पढ़ाई बोझ के बजाय आनंददायक अनुभव बनती है।

रसोईघर है घर की प्रयोगशाला

हमारे घर में प्रतिदिन अनेक रासायनिक और जैव-रासायनिक प्रक्रियाएँ होती हैं। दूध से दही बनना किण्वन का उदाहरण है, लोहे पर जंग लगना ऑक्सीकरण से संबंधित है और हल्दी के रंग में क्षारीय पदार्थ के संपर्क से बदलाव आना प्राकृतिक सूचक का उदाहरण है। इन घटनाओं को समझाकर विद्यार्थी रसायन विज्ञान को अपने जीवन से जोड़ सकते हैं।

शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका

शिक्षकों और अभिभावकों को बच्चों को रसायन विज्ञान रटाने के बजाय उसके पीछे छिपे कारणों को समझने के लिए प्रेरित करना चाहिए। प्रयोगों के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन भी आवश्यक है। विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने, स्वयं निष्कर्ष निकालने और अपनी जिज्ञासा व्यक्त करने के अवसर मिलने चाहिए।

अंत में हम कह सकते हैं कि रसायन विज्ञान को कठिन से सरल बनाने की कुंजी है, करके सीखना। यदि शिक्षण में प्रयोग, तकनीक, खेल और दैनिक जीवन के उदाहरण शामिल किए जाएँ, तो यही विषय विद्यार्थियों का पसंदीदा बन सकता है। जरूरत केवल दृष्टिकोण बदलने की है।

अर्चना गुप्ता
प्रिंसिपल,
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,
गोविंदगंज, जबलपुर।

पादप और जंतु कोशिका, समानता भी, अंतर भी

सभी जीवों का शरीर कोशिकाओं से बना होता है। कोशिका जीवन की सबसे छोटी संरचनात्मक एवं क्रियात्मक इकाई है। पौधों और जंतुओं की कोशिकाओं में कई समानताएँ होती हैं, लेकिन उनकी संरचना में कुछ महत्त्वपूर्ण अंतर भी पाए जाते हैं। इन अंतरों को समझना जीव विज्ञान के अध्ययन और परीक्षा की दृष्टि से उपयोगी है।

पादप कोशिका की विशेषताएँ- पादप कोशिका पौधों में पाई जाती है। इसमें कोशिका झिल्ली के बाहर एक कठोर कोशिका भित्ति होती है, जो इसे निश्चित आकार और मजबूती प्रदान करती है। इसमें हरितलवक पाया जाता है, जिसमें उपस्थित क्लोरोफिल सूर्य के प्रकाश की सहायता से भोजन बनाने में मदद करता है। पादप कोशिका में सामान्यत: एक बड़ी केंद्रीय रिक्तिका होती है, जो जल और अन्य पदार्थों का संग्रह करती है।

उदाहरण - पत्तियों, तनों और जड़ों की कोशिकाएँ।

जंतु कोशिका की विशेषताएँ- जंतु कोशिका मनुष्य तथा अन्य जंतुओं के शरीर में पाई जाती है। इसमें कोशिका भित्ति और हरितलवक नहीं होते। इसकी बाहरी सीमा कोशिका झिल्ली बनाती है। इसका आकार प्राय: अनियमित या गोलाकार हो सकता है। इसमें छोटी-छोटी रिक्तिकाएँ हो सकती हैं। सामान्यत: जंतु कोशिका में सेंट्रोसोम पाया जाता है, जो कोशिका विभाजन में सहायता करता है।

उदाहरण - त्वचा, मांसपेशियों और रक्त की कोशिकाएँ।

पादप कोशिका और जंतु कोशिका में प्रमुख अंतर

1 **कोशिका भित्ति** - पादप कोशिका में उपस्थित होती है, जबकि जंतु कोशिका में अनुपस्थित होती है।

2 **हरितलवक** - पादप कोशिका के प्रकाश संश्लेषण करने वाले भागों में पाया जाता है, जबकि जंतु कोशिका में नहीं होता।

3 **रिक्तिका** - पादप कोशिका में सामान्यत: बड़ी केंद्रीय रिक्तिका होती है, जबकि जंतु कोशिका में छोटी रिक्तिकाएँ हो सकती हैं।

4 **आकार** - पादप कोशिका का आकार प्राय: निश्चित होता है, जबकि जंतु कोशिका का आकार अधिक परिवर्तनशील हो सकता है।

5 **भोजन निर्माण** - हरे पौधों की कोशिकाएँ प्रकाश संश्लेषण द्वारा भोजन बनाती हैं, जबकि जंतु भोजन के लिए अन्य जीवों पर निर्भर रहते हैं।

परीक्षा उपयोगी टिप्स

- अंतर वाले प्रश्न में कम-से-कम चार से पाँच बिंदु तालिका बनाकर लिखें।
- चित्र अभ्यास, दोनों कोशिकाओं के साफ-सुथरे, नामांकित चित्र बनाना सीखें।
- याद रखने की युक्ति, पादप कोशिका में भित्ति, हरितलवक और बड़ी रिक्तिका प्रमुख विशेषताएँ हैं।
- उत्तर में कोशिका भित्ति और कोशिका झिल्ली को एक न समझें। दोनों अलग-अलग संरचनाएँ हैं।

पदार्थों की तीन अवस्थाएँ ठोस, द्रव और गैस

हमारे आसपास की दुनिया अनेक पदार्थों से बनी है। पानी, हवा, पत्थर, दूध और लकड़ी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा हैं। पदार्थ मुख्य रूप से ठोस, द्रव और गैस तीन अवस्थाओं में पाए जाते हैं। इनके आकार, आयतन और कणों की व्यवस्था में अंतर होता है। इन अवस्थाओं को समझना विज्ञान की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है।

1 ठोस - निश्चित आकार वाले पदार्थ

ठोस पदार्थों का आकार और आयतन निश्चित होता है। इनके कण एक-दूसरे के बहुत पास होते हैं और उनके बीच आकर्षण बल अधिक होता है। कण अपने निश्चित स्थान पर रहकर कंपन करते हैं। इसी कारण ठोस पदार्थ आसानी से अपना आकार नहीं बदलते।

उदाहरण

पत्थर, लकड़ी, किताब, बर्फ और लोहा। हम पुस्तक को कहीं भी रखें, उसका आकार नहीं बदलता।

2 द्रव - बहने वाले पदार्थ

द्रव पदार्थों का आयतन निश्चित होता है, लेकिन उनका आकार निश्चित नहीं होता। वे जिस बर्तन में रखे जाते हैं, उसी का आकार ग्रहण कर लेते हैं। इनके कण ठोस की तुलना में अधिक स्वतंत्रता से गति करते हैं। इसलिए द्रव आसानी से बह सकते हैं।

उदाहरण

पानी, दूध, तेल और पेट्रोल। गिलास में रखा पानी गिलास का आकार ले लेता है।

3 गैस - फैलने वाले पदार्थ

गैसों का न तो निश्चित आकार होता है और न ही निश्चित आयतन। इनके कण एक-दूसरे से काफी दूर होते हैं और स्वतंत्र रूप से सभी दिशाओं में गति करते हैं। इसलिए गैस उपलब्ध स्थान में फैलकर पूरे पात्र को भर देती है। गैसों को आसानी से संपीड़ित भी किया जा सकता है।

उदाहरण

वायु, ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड। गुब्बारे में भरी हवा उसके अंदर की जगह में फैल जाती है।

कक्षा 9 से 12 की परीक्षा में बदलाव

मा.शि.मं. भोपाल द्वारा इस वर्ष की परीक्षा पद्धति में अनेक बदलाव किए गए हैं, जिसमें लॉजिकल प्रश्नों का समावेश किया गया है एवं लघुत्तरीय प्रश्नों में अब से अथवा के प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे।

लॉजिकल प्रश्न सी.बी.एस.ई. (CBSE) के आधार पर तैयार किए गए हैं, जिन्हें समझना विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। लॉजिकल प्रश्न की नवीन पद्धति एवं उत्तर को सही प्रकार से एक मात्र (जी)(पी)(एच) एवं प्रश्न बैंक ने ही समझाकर छापा है।

मा.शि.मं. द्वारा किए गए नवीनतम परिवर्तनों के आधार पर ही अनुभवी विषय-विशेषज्ञों द्वारा केवल (जी)(पी)(एच) की एवं प्रश्न बैंक में ही यह पद्धति दी गई है। यदि सभी विद्यार्थी सफलता हेतु केवल (जी)(पी)(एच) एक प्रश्न बैंक से ही तैयारी करें तो परीक्षा में अच्छे अंको से उत्तीर्ण होने की पूर्ण संभावना है।

(जी)(पी)(एच) प्रश्न बैंक न्यूनतम मूल्य पर अब आपके नज़दीकी बाजार में उपलब्ध हो गई है।

सेमीकंडक्टर और भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता

आज का युग विज्ञान और तकनीक का युग है। मोबाइल फोन, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रिक वाहन, चिकित्सा उपकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकों में सेमीकंडक्टर की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भर बनना भारत के तकनीकी विकास, आर्थिक प्रगति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है।

सेमीकंडक्टर क्या हैं?

सेमीकंडक्टर ऐसे पदार्थ होते हैं जिनकी विद्युत चालकता चालक और कुचालक के बीच होती है। इनका उपयोग इलेक्ट्रॉनिक चिप बनाने में किया जाता है। स्मार्टफोन, कंप्यूटर, कार, अंतरिक्ष यान और आधुनिक संचार प्रणालियाँ इनके बिना काम नहीं कर सकतीं। इस कारण सेमीकंडक्टर उद्योग किसी भी देश की तकनीकी क्षमता का महत्त्वपूर्ण आधार है।

भारत के लिए आत्मनिर्भरता क्यों जरूरी?

भारत लंबे समय से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और सेमीकंडक्टर चिप के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहा है। वैश्विक स्तर पर चिप की कमी या आपूर्ति शृंखला में बाधा आने से अनेक उद्योग प्रभावित हो सकते हैं। घरेलू स्तर पर चिप निर्माण और डिजाइन की क्षमता बढ़ने से विदेशी निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

सरकारी प्रयास और संभावनाएँ

भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर तथा इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य देश में चिप निर्माण, डिजाइन और संबंधित उद्योगों के विकास के लिए मजबूत आधार तैयार करना है। इन प्रयासों से निवेश और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिल सकता है।

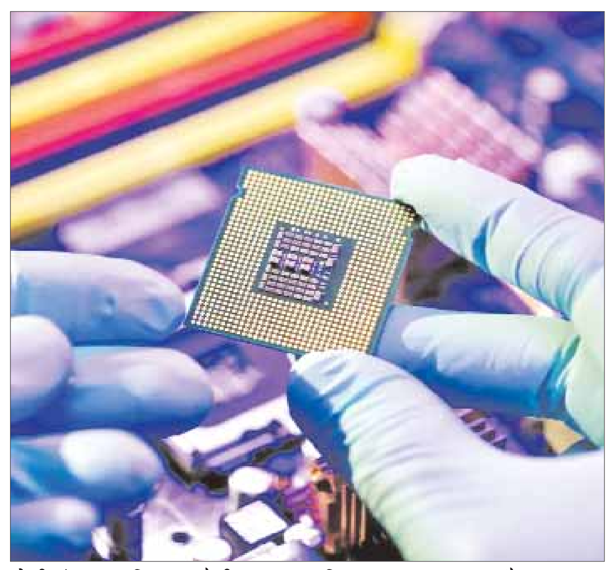

रोजगार और राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान

सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास से इंजीनियरिंग, अनुसंधान, चिप डिजाइन और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त रक्षा उपकरणों, संचार प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक में उपयोग होने वाली चिप के घरेलू उत्पादन से राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूती मिल सकती है।

चुनौतियाँ और युवाओं की भूमिका

सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए अत्याधुनिक तकनीक, भारी निवेश, कुशल मानव संसाधन, विश्वसनीय बिजली और पर्याप्त पानी की आवश्यकता होती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास पर ध्यान देना जरूरी है। विज्ञान और इंजीनियरिंग के विद्यार्थी चिप डिजाइन तथा नई तकनीकों के विकास में योगदान दे सकते हैं।

स्नेहा जैन
टीचर, आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन अकादमी, गोविंदगंज, जबलपुर।

जैव, सौर और हाइड्रोजन से ऊर्जा की बदलती तस्वीर

मानव सभ्यता की प्रगति ऊर्जा से गहराई से जुड़ी है। उद्योगों, परिवहन और घरेलू जीवन में ऊर्जा की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। लेकिन कोयला, पेट्रोलियम-प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से प्रदूषण-जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ बढ़ी हैं। जैव, सौर और हाइड्रोजन ऊर्जा स्वच्छ एवं टिकाऊ भविष्य की नई संभावनाएँ प्रस्तुत करती हैं।

सौर ऊर्जा, सूर्य से बिजली- सूर्य ऊर्जा का विशाल प्राकृतिक स्रोत है। सौर पैनलों की सहायता से सूर्य के प्रकाश को विद्युत ऊर्जा में बदला जा सकता है। भारत में पर्याप्त धूप उपलब्ध होने के कारण सौर ऊर्जा की व्यापक संभावनाएँ हैं। घरों की छतों पर सौर पैनल, सौर ऊर्जा संयंत्र और सौर पंप बिजली की जरूरतें पूरी करने में मदद कर सकते हैं। हालाँकि, इसके लिए ऊर्जा भंडारण और बेहतर विद्युत व्यवस्था विकसित करना भी आवश्यक है।

जैव ऊर्जा, कचरे से ऊर्जा- जैव ऊर्जा पौधों, कृषि अवशेषों, गोबर और अन्य जैविक पदार्थों से प्राप्त की जाती है। गोबर तथा जैविक कचरे से बायोगैस बनाई जा सकती है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में खाना पकाने और ऊर्जा की स्थानीय जरूरतें पूरी करने में सहायता मिलती है। कृषि अवशेषों का उचित उपयोग करने से खुले में पराली और कचरा जलाने की समस्या भी कम की जा सकती है।

हाइड्रोजन ऊर्जा, भविष्य का स्वच्छ विकल्प- हरित हाइड्रोजन का उत्पादन नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त बिजली द्वारा पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करके किया जा सकता है। इसके उपयोग के दौरान ईंधन सेल में बिजली बनाते समय मुख्य उत्पाद पानी होता है। हालाँकि, इसका पर्यावरणीय लाभ उत्पादन की विधि और उपयोग की पूरी प्रक्रिया पर निर्भर करता है। भारी परिवहन तथा कुछ औद्योगिक क्षेत्रों में यह उपयोगी विकल्प बन सकता है।

चुनौतियाँ और समाधान- तीनों ऊर्जा स्रोतों की अपनी सीमाएँ हैं। सौर ऊर्जा मौसम और धूप पर निर्भर करती है, जैव ऊर्जा के लिए पर्याप्त जैविक सामग्री चाहिए और हाइड्रोजन के उत्पादन तथा भंडारण में अधिक लागत आ सकती है। इसलिए अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और आधारभूत सुविधाओं का विकास जरूरी है।

आफरीन खान
टीचर, हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,
देवताल, गढ़ा, जबलपुर।

शब्द पहेली - 9005

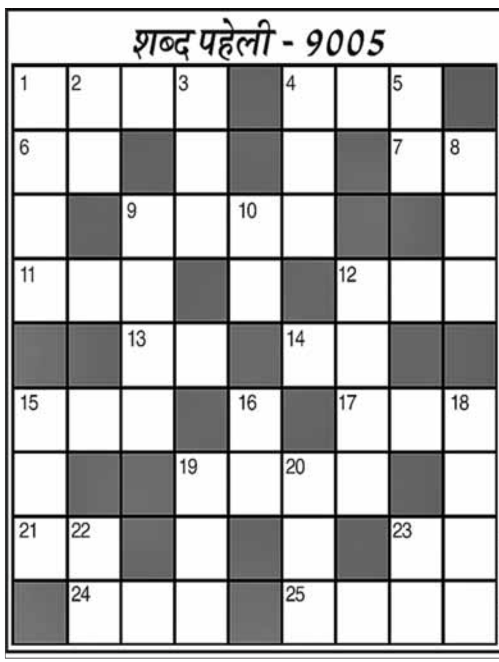

बाएँ से दाएँ

1. रुद्र, शिव, भैरव-4
4. आर्युवेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला(अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य, अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता, बड़प्पन-4
21. गाथा, कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा, उत्साह-3
25. राजा, सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक, अलमस्त-4
2. मात, पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अचंभित-3
5. आर्ट, हुनर-2
8. गुनाह, अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरुर, खुमार, नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता, कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट, राजा-4
19. व्यंग, परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात, बड़ी थाली-2
23. हलवा, एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -9004 का हल

■	स	ला	म	त	■	ल	ल	क
दा	दा	■	न	म	न	■	■	ल
म	चा	न	■	स	र	फ	रो	श
■	र	का	बी	■	क	■	■	या
आ	■	रा	ज	■	म	न	■	त्रा
ल	■	■	डा	■	य	म	ज	■
म	नो	मि	ल	न	■	न	ल	का
गी	■	■	ना	र	द	■	च	र
र	वा	ना	■	क	र	ता	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

नवांकुर सखी शक्ति से सृजन कार्यक्रम के तहत वृक्ष पूजन, पौधारोपण एवं सांस्कृतिक संध्या आयोजित

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नरसिंहपुर के अंतर्गत भैंसा सेक्टर के ग्राम पाला (रामनगर) में नवांकुर सखी शक्ति से सृजन कार्यक्रम के तहत प्रकृति एवं संस्कृति संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वृक्ष पूजन, पौधारोपण एवं सांस्कृतिक संध्या के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित वातावरण के निर्माण और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देना तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं के महत्व के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा। वृक्ष पूजन के माध्यम से वृक्षों के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय महत्व को रेखांकित किया गया। वहीं, पौधारोपण के

माध्यम से पर्यावरण को हरा-भरा बनाए रखने तथा रोपित पौधों की देखभाल और संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक संध्या में भारतीय लोक संस्कृति, परंपराओं एवं सांस्कृतिक मूल्यों की झलक प्रस्तुत की गई। इस पहल के माध्यम से प्रकृति और संस्कृति के गहरे संबंध को रेखांकित करते हुए समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं सामूहिक सहभागिता बढ़ाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में सतपुड़ा जनकल्याण समिति कोदरासकला के अध्यक्ष श्री गंगाराम डेहरिया एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पाला के अध्यक्ष श्री नंदलाल कुशवाहा तथा समिति सदस्यों ने सहभागिता की। शक्ति से सृजन कार्यक्रम के माध्यम से प्रकृति एवं संस्कृति के संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करते हुए पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया।

मंदिरों के चढ़ावे और रसोई के कचरे से बनाई जा रही जैविक खाद

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। नगर पालिका परिषद गाडरवारा द्वारा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अभिनव पहल की जा रही है। नवरात्रि पर्व के दौरान मंदिरों एवं दुर्गा जी के पंडालों से निकलने वाले फूल-मालाओं तथा सब्जियों के अवशेषों के संग्रहण के लिए प्रतिदिन अलग से वाहन की व्यवस्था की गई है। इस पहल के तहत मंदिरों से प्राप्त चढ़ावे के फूल-मालाओं, बची हुई सब्जियों तथा रसोई के जैविक कचरे का उपयोग कर जैविक खाद (ऑर्गेनिक कम्पोस्ट) तैयार की जा रही है। इससे जैविक कचरे का उचित प्रबंधन होने के साथ ही उपयोगी खाद का उत्पादन भी किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद गाडरवारा के द्वारा इसी पहल को आगे बढ़ाते हुए आगामी दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए हर्बल रंग के रंगोली तैयार करने की भी तैयारी की जा रही है। इस प्रयास का उद्देश्य अपशिष्ट सामग्री का उपयोग कर पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना तथा स्वच्छता के प्रति नागरिकों को जागरूक करना है।

भारत को जानो क्विज प्रतियोगिता में चावरा विद्यापीठ और उत्कृष्ट विद्यालय विजेता

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, गौरवशाली इतिहास, महापुरुषों के जीवन एवं राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद नरसिंहपुर शाखा द्वारा भारत को जानो क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की टीमों ने दूसरे चरण की मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कनिष्ठ एवं वरिष्ठ, दो वर्गों में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देकर अपने ज्ञान और प्रतिभा का परिचय दिया।प्रतियोगिता के परिणामों में कनिष्ठ वर्ग में चावरा विद्यापीठ तथा वरिष्ठ वर्ग में उत्कृष्ट विद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजय हासिल की। इस प्रतियोगिता के लिए पूर्व में सभी विद्यालयों में लिखित परीक्षा द्वारा जूनियर और सीनियर वर्ग में सर्वाधिक अंक पाने वाले दो दो विद्यार्थियों की टीमें बनाई गई। इसमें नेहरू ,महारानी लक्ष्मी बाई, उत्कृष्ट, लॉरेल, सेंट मेरीज, चावरा, सरस्वती, चाणक्य स्कूल की टीमों ने भारत विकास परिषद शाखा नरसिंहपुर द्वारा चाणक्य विद्यापीठ में आयोजित भारत को जानो की क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया। दोनों विजेता टीमें आगामी 31 अक्टूबर को सागर में आयोजित होने वाली प्रांत स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता में नरसिंहपुर शाखा का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रतियोगिता का सफल संचालन इंजी. सुनील कोठारी एवं आशुतोष वर्मा ने किया। समापन अवसर पर भारत विकास परिषद नरसिंहपुर शाखा के अध्यक्ष उमेश दुबे ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भारती कौरव,अर्चना सोनी, शिरीष पुरोहित, तुलसीराम जाट, विकास नेमा, आशीष नेमा, सोमराज कोरी, अंकुर राजपूत सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खनिज परिवहन करने वाले वाहनों पर आरएफ टैग लगाना अनिवार्य

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। प्रदेश में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से रा'य शासन के खनिज साधन विभाग द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मानव रहित ई-चेकगेट व्यवस्था लागू की गई है। इस व्यवस्था के अंतर्गत खनिज परिवहन में संलग्न वाहनों की निगरानी के लिए वाहनों पर आरएफ टैग स्थापित करना अनिवार्य किया गया है। मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत संबंधित वाहन स्वामियों एवं परिवहनकर्ताओं को अपने वाहनों पर अनिवार्य रूप से आरएफ टैग लगवाने के निर्देश दिए गए हैं। आरएफ टैग क्रय करने के लिए निर्धारित शुल्क का भुगतान संबंधित वाहन स्वामी को स्वयं करना होगा। आरएफ टैग प्राप्त करने के लिए वाहन स्वामी ई-चेकगेट पोर्टल पर जाकर 'ह्लह्स्रद्गह्व ञ्जड्डद्द' विकल्प पर क्लिक करें। इसके बाद विकल्प के माध्यम से वाहन का विवरण दर्ज करें। बिलिंग संबंधी जानकारी भरने के बाद आरएफ टैग प्राप्त करने के लिए उपयुक्त ' का चयन करें। दर्ज किए गए विवरण की पुष्टि करने के पश्चात विकल्प पर जाकर निर्धारित शुल्क का भुगतान करें तथा ऑर्डर की अंतिम पुष्टि करें। प्रभारी अधिकारी खनिज नरसिंहपुर ने सभी संबंधित वाहन स्वामियों एवं परिवहनकर्ताओं को निर्देशित किया है कि वे खनिज परिवहन प्रारंभ होने की तिथि से एक माह के भीतर अपने वाहनों पर आरएफ टैग स्थापित कराना सुनिश्चित करें। स्थापित आरएफ टैग का उचित रखरखाव वाहन स्वामी की जिम्मेदारी होगी। आरएफ टैग क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में संबंधित वाहन से खनिज परिवहन प्रतिबंधित किए जाने तथा ई-चेकगेट पोर्टल पर वाहन का पंजीयन निरस्त किए जाने का प्रावधान है। खनिज विभाग ने परिवहनकर्ताओं से अपील की है कि वे शासन के निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित समय-सीमा में अपने वाहनों पर आरएफ टैग स्थापित कराएं, ताकि खनिज परिवहन की निगरानी व्यवस्था प्रभावी रूप से संचालित हो सके।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बाल अधिकार, माहवारी स्वच्छता पर परिचर्चा

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत संचालनालय महिला एवं बाल विकास भोपाल के दिशा-निर्देशानुसार तथा कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के मार्गदर्शन में चाणक्य हायर सेकेंडरी विद्यालय नरसिंहपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को बाल अधिकारों, लैंगिक अपराधों से संरक्षण, साइबर सुरक्षा, माहवारी स्व'छता एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री शिवकुमार रैकवार ने बाल हित में संचालित योजनाओं तथा बाल कल्याण समिति की भूमिका एवं कार्यप्रणाली से विद्यार्थियों को अवगत कराया। बाल कल्याण समिति के सदस्य श्री महेश नेमा ने चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 सहित अन्य आवश्यक हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री राजीव खरे ने शासन द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना जैसी योजनाओं के बारे में अवगत कराया। बाल संरक्षण अधिकारी श्री सौनिध्य सराठे ने बाल अधिकारों एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट), 2012 की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को गुड टच-बैड टच की पहचान, साइबर सुरक्षा तथा विद्यार्थी जीवन में स्वयं को सुरक्षित रखने के उपायों के बारे में बताया। स्वास्थ्य विभाग की विषय विशेषज्ञ एवं काउंसलर श्रीमती मृदुला सोनी ने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने माहवारी के दौरान व्यक्तिगत

स्व'छता बनाए रखने, पौष्टिक आहार लेने, आयरन से भरपूर हरी सब्जियों एवं फलों का सेवन करने तथा सेनेटरी पैड के सुरक्षित उपयोग और उचित निपटान के संबंध में समझाइश दी। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के सदस्य श्री राजेन्द्र राजपूत, श्रीमती दिस्या नेमा एवं श्रीमती प्रिया चौहान, श्री अमृताष दुबे सहित विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर मेहंदी, रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में संचालनालय महिला एवं बाल विकास के निर्देशानुसार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत शासकीय महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर में महिला सशक्त वाहिनी अभियान के तहत मेहंदी, रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की थीम पर आकर्षक मेहंदी, रंगोली एवं चित्रों के माध्यम से बालिका शिक्षा, संरक्षण और सशक्तिकरण का संदेश दिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री राजीव खरे ने छात्राओं को नि:शुल्क स्टेशनरी उपलब्ध कराई। उन्होंने मेहंदी प्रतियोगिता में सुश्री अंजली दीक्षित, रंगोली प्रतियोगिता में सुश्री रचना लोधी तथा चित्रकला प्रतियोगिता में सुश्री रितिका ठाकुर को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया। इसके साथ ही तीनों प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री खरे ने पुलिस आरक्षक भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्राओं को नियमित रूप से पाठ्यक्रम के अनुसार अध्ययन करने, समाचार पत्र पढ़ने, नोट्स तैयार करने तथा शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए नियमित अभ्यास करने की सलाह दी। बाल संरक्षण अधिकारी श्री सौनिध्य सराठे ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बाल विवाह की रोकथाम के प्रति जागरूक किया।

वहीं श्री अमृताष दुबे ने प्रतियोगी परीक्षाओं में समय प्रबंधन के महत्व को समझाया। महिला सशक्त वाहिनी अभियान के अंतर्गत कक्षा 12वीं उत्तीर्ण बालिकाओं को पुलिस भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की लिखित एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी नि:शुल्क कराई जा रही है। शासकीय महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर में संचालित इस प्रशिक्षण के दौरान सामान्य गणित, सामान्य विज्ञान, सामान्य बुद्धि एवं तर्कशक्ति तथा सामान्य अंग्रेजी विषयों की तैयारी कराई जाती है।

चित्रकूट में अंतरराष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव का राघव प्रयाग घाट पर शुभारंभ

श्रीराम जन्म और बाल लीला की प्रस्तुति ने मोहा मन, थाईलैंड के कलाकारों से शुभारंभ

सतना (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग, श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास द्वारा मंगलवार की संध्या पर चित्रकूट के राघव प्रयाग घाट पर सतना सांसद श्री गणेश सिंह, चित्रकूट विधायक श्री सुरेंद्र सिंह गहरवार, संतोषी अखाड़ा के श्री महंत रामजी दास जी महाराज, श्री कामदगिरी प्रमुख द्वार के महंत श्री मदन दास जी महाराज, दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन, नगर पंचायत चित्रकूट की अध्यक्ष सुश्री साधना पटेल, तुलसी शोध संस्थान की निदेशक श्रीमती मंजूषा जौहरी द्वारा दीप प्रज्वलित कर अंतरराष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया। राघव प्रयाग घाट पर 19 अक्टूबर तक चलने वाले सात दिवसीय आयोजन में भारत सहित

विदेशों की रामलीला और पारंपरिक कला शैलियों के जरिए प्रभु श्रीराम के जीवन-चरित्र, आदर्शों और रामकथा की विविध सांस्कृतिक परंपराओं का मंचन किया जाएगा। पहले दिन थाईलैंड का 'श्री रामाकेन दल' यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में शामिल खोन नृत्य शैली के माध्यम से श्रीराम जन्म और बाल लीला की प्रस्तुति हुई। जिसमें श्रीराम जन्म, विश्वामित्र आगमन, ताड़का वध और अहिल्या उद्धार के प्रसंगों का मंचन किया गया। थाईलैंड की पारंपरिक खोन नृत्य शैली इस प्रस्तुति का प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही। थाईलैंड की रामायण 'रामाकियन' और भारतीय रामकथा के प्रसंग अंतरराष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव के मंच पर एक साथ नजर आए। थाईलैंड के कलाकारों ने पारंपरिक खोन नृत्य-नाटिका के माध्यम से स्वर्ण मृग प्रसंग, सीता हरण और भगवान श्रीराम-रावण युद्ध का मंचन किया। संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश की पहल पर आयोजित इस उत्सव में विदेशी रामायण परंपराओं को शामिल करने का उद्देश्य दर्शकों को रामकथा के वैश्विक स्वरूप से परिचित कराना है। उतने ही आतुर दिखे दर्शक जिन्हें यह जानने की विशेष जिज्ञासा रही कि आखिर प्रभु श्री राम को थाईलैंड में किस रूप में जाना जाता है।

रामायण के प्रमुख प्रसंगों को जीवंत करेंगे

उत्सव में रूस के मास्को से आए 'दिशा रामलीला' दल के साथ आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कलाकार भी अपनी पारंपरिक मंचन शैलियों में रामायण के प्रमुख प्रसंगों को जीवंत करेंगे। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग, श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास और वीर भारत न्यास के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में प्रतिदिन शाम 6.30 बजे से प्रस्तुतियां होंगी। आयोजन विशाला सांस्कृतिक एवं लोकहित समिति, उज्जैन की देखरेख में किया जा रहा है।

भारत को जानो प्रतियोगिता का प्रथम चरण आयोजित भारत विकास परिषद द्वारा हुआ आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। भारत विकास परिषद जो पूरे भारत में अपनी शाखाओं के माध्यम से संस्कारित सेवा गतिविधियों के लिये विशिष्ट लोकप्रिय पहचान रखता है। परिषद की गाडरवारा शाखा द्वारा बीते बुधवार को शासकीय माध्यमिक शाला सांगई, बगदरा, चिरहकला, खकरिया एवं अशासकीय चित्रगुप्त विद्यापीठ आदि स्कूलों में छात्र छात्राओं के बीच अखिल भारतीय भारत को जानो प्रतियोगिता में प्रथम चरण अंतर्गत कनिष्ठ वर्ग की लिखित परीक्षा आयोजित की गई। ?भारत विकास परिषद के गाडरवारा शाखा अध्यक्ष मधुसूदन पटैल ने बताया कि इस परीक्षा में सांगई से 37, बगदरा से 30, चिरहकला से 10, खकरिया से 16 एवं चित्रगुप्त स्कूल से 22 सहित कुल 115 छात्र-छात्राएं इसमें सम्मिलित हुए। इस प्रतियोगिता में भारत विकास परिषद द्वारा प्रकाशित पुस्तक भारत को जानो से भारत के धर्म, संस्कृति, महापुरुष, इतिहास, भूगोल, विज्ञान आदि से संबंधित सामान्य ज्ञान के 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर छात्र छात्राओं ने लिखे। शाला स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र छात्राओं को भारत विकास परिषद द्वारा सम्मानित किया जायेगा। जल्द द्वितीय चरण की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। परीक्षा के आयोजन में प्रधानपाठक धनराज सिंह धानक, दशरथ जाटव, मदन गोपाल चौधरी सहित सचिव राजेंद्र गुप्ता, पोषराज मेहरा, सचिन लहरिया, मनीषा खरे श्रद्धा राजपूत, सबीना कीर, चंद्रभूषण नामदेव, संगीता कौरव आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा ।

लगेंगे दो दिवसीय विशेष शिविर

दमोह (स्वतंत्र मत)। सागर संभाग में शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतनए पेंशन प्रकरण एवं पे फिक्सेशन के लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के लिए कमिश्नर सागर संभाग दिलीप कुमार के निर्देश पर संभाग के प्रत्येक जिले में दो दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। इन विशेष शिविरों में स्वयं कमिश्नर श्री कुमार भी उपस्थित रहेंगेए ताकि मैदानी स्तर पर प्रकरणों की मॉनिटरिंग कर उनका तत्काल निपटारा किया जा सके। शिविर में संभाग के शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरणों का निराकरण, वेतन निर्धारण, पे फिक्सेशन सहित उनके समस्त लंबित वित्तीय मामलों को प्रमुखता से सुलझाया जाएगा।

संयुक्त आयुक्त विकास पीसी शर्मा ने बताया कि उक्त शिविरों के आयोजन हेतु 15 दिवस पूर्व विस्तृत कैलेंडर जारी किया जाएगा जिससे सभी संबंधित कर्मचारी और विभाग समय पर अपनी तैयारी पूरी कर सकें।

राज्यमंत्री ने सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यार्थियों को वितरित की अध्ययन सामग्री एवं पुस्तकें

सतना (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने रैगांव विधानसभा क्षेत्र स्थित शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री एवं पुस्तकें वितरित कीं। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने विद्यार्थियों से संवाद किया तथा उनकी शिक्षा, सपनों, आकांक्षाओं और भविष्य की योजनाओं के संबंध में चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति समर्पित रहने और अपनी प्रतिभा एवं क्षमताओं को निखारने के लिए प्रेरित किया। राज्यमंत्री ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और शिक्षा उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है। प्रत्येक बच्चे को शिक्षा के पर्याप्त अवसर, आवश्यक संसाधन और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलना चाहिए, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। राज्यमंत्री ने सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने, शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उनमें रचनात्मक गतिविधियों के प्रति रुचि विकसित करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बडी संख्या में छात्र-छात्रायें और विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

मदीने वाले से मेरा सलाम कहना कि सदाओं के साथ उमरा यात्रियों का हुआ इस्तकबाल

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

विगत दिवस नगर के मज्जू पहलवान और उक्कीन बाबा के बेटे रेहानउद्दीन, सुफियान उद्दीन उमरा करने जे लिए मक्का मदीने की यात्रा करने के लिए गरीबरथ ट्रेन से रवाना हुए । उमराह यात्रा पर जाने वालों का मुस्लिम समुदाय सहित सभी वर्ग के लोगो ने स्वागत किया । निरंजन वार्ड में आयोजित स्वागत समारोह में पूर्व विधायक महिला आयोग सदस्य साधना स्थापक, किसान नेता शशिकांत पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता विकास जैन, नेता सत्तार खान, अब्दुल फिरोज खान, जामा मस्जिद के पेश इमाम

जुबेर आलम साहब, पत्रकार मकसूद खान, महबूब अत्तारी, शेख आरिफ, अरबाब अली मम्मू ,सादिक खान सहित अनेको लोगो ने आत्मीयता के साथ उमराह पर जाने वालों का स्वागत किया । रेलवे स्टेशन पर पहुचकर लोगो ने खुशनुमा अंदाज में उन्हें रुखसत करते कहा कि मदीने वाले से सलाम कहना ओर वतन की तरक्की खुशहाली के लिए दुआ करना ।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने सतना में एक माह का विशेष अभियान

सतना (स्वतंत्र मत)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सतना जिले में मतदाता सूची को अद्यतन, त्रुटिरहित एवं समावेशी बनाने के उद्देश्य से एक माह का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सतीश कुमार एस ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को निर्देश दिए हैं कि पात्र मतदाताओं से फार्म-6 के साथ अलग से किसी भी प्रकार का घोषणा पत्र न मांगा जाए। निर्वाचन आयोग ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाते हुए फार्म-6 के साथ अलग घोषणा पत्र लगाने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 7, 8 एवं 9 अक्टूबर 2026 को जिले के प्रत्येक मतदान केंद्र पर विशेष शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में कुल 7602 फार्म-6 प्राप्त हुए, जिनमें 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के युवा मतदाताओं के 3620 आवेदन शामिल हैं। अभियान के अंतर्गत ऐसे युवा जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं अथवा 1 जनवरी 2027 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। युवा मतदान केंद्र, बीएलओ, विद्यालय एवं महाविद्यालयों में निर्धारित प्रारूप में आवेदन जमा कर सकते हैं। पात्र नागरिक भारत निर्वाचन आयोग के अधिकृत मतदाता सेवा पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन फार्म-6 भर सकते हैं।

शारदीय नवरात्र की धूम

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)। नगर में शारदीय नवरात्र के अवसर पर जगह-जगह मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। नगर के विभिन्न मोहल्लों और प्रमुख चौक-चौराहों पर सजे पूजा पंडालों में श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। प्रतिमाओं की स्थापना से नगर में धार्मिक उत्साह और भक्तिमय माहौल बना हुआ है नगर के बस स्टैंड प्रांगण, गांधी चौक, आस्तिक शारदा मंदिर, सिविल लाइन, सोनी मोहल्ला, चौरसिया मोहल्ला, मालवा चौक, टिकरी टोला, पुराना बस स्टैंड, काली चौक, लखेरा मोहल्ला और शीतला मंदिर सहित अन्य स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं।

6 वर्षों से अधूरा पड़ा शौचालय

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। एक अजब गजब तस्वीर सामने आई है जो अंधेर नगरी चौपट राजा की कहावत को चरितार्थ करती है और जिम्मेदारों की खोटी नियत को प्रमाणित करती है। बता दें कि ग्राम पंचायत मोहगांव माल के द्वारा जनपद कार्यालय के बाजू में शौचालय निर्माण का कार्य शुरू किया गया था जो 6 वर्ष बीत जाने के बाद भी अधूरा पड़ा है। और आरोप है कि राशि पूरी निकल गई है जिसकी शिकायत अनेक बार की गई लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। और जनपद सदस्य बोध सिंह मरकाम द्वारा बताया गया कि यह निर्माण कार्य दूसरे की ग्राम पंचायत की जमीन पर कराया गया है। जो सवालों के घेरे में है।

नाम जोड़ने भरवाए फार्म

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल के निर्देशानुसार 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शैक्षणिक संस्थानों में इएलसी इलेक्शन लिट्रेसी क्लब गठित किए जाकर इसके लिए जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल नामदेव धोटे के मार्गदर्शन में डाइट सभागार में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सेलफोन रिपेयरिंग प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्र मत)। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान एवं जिला आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 30 दिवसीय सेलफोन रिपेयरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण में 24 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन कर सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

उद्योगपतियों के साथ बैठक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले के तहसील बिछिया अंतर्गत ग्राम पड़रिया में 10.58 हेक्टेयर भूमि पर अधोसंरचना विकास एवं औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थानीय उद्योगपतियों एवं व्यापारी संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद द्वारा विभागीय योजनाओं एवं उद्योग स्थापना के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान ग्राम पड़रिया में औद्योगिक विकास की संभावनाओं निवेश को आकर्षित करने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

आर्थिक सहयोग से राहत

मण्डला(स्वतंत्र मत)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है।

सहायक आयुक्त कार्यालय में वसूली के नए-नए पैंतरे

अब छात्रावास अधीक्षकों को हटाने की बनीं रणनीति, नियुक्ति को लेकर लेन-देन की चर्चा

मण्डला(स्वतंत्रमत)

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग में नए-नए कारनामे रोजाना सुनने को मिलते हैं ऐसा लगता है कि इस विभाग पर किसी का नियंत्रण नही है वहीं मनमर्जी से नियम विरूद्ध तरीके से काम किए जाने की चर्चा एक बार फिर सुनाई देने लगा है निर्माण घोटाले में माहिर इस कार्यालय के तकनीकि शाखा का अमला और ठेकेदार सहायक आयुक्त की सह पर मलाई तो छान ही रहे हैं तो वही दूसरी ओर अब छात्रावास अधीक्षकों को परेशान किए जाने की जानकारी भी सामने आई है अनेक छात्रावास अधीक्षकों ने बताया कि उनका स्थानांतरण किया जा रहा है भोपाल कार्यालय के एक पुराने आदेश को मोहरा बनाते कार्यवाही किए जाने की बात कही जा रही है इस आदेश का वर्षो बीतने के बाद अचानक पालन कराना कहां से उचित है।

इस आदेश के बाद और कितने आदेश कब निकले इसकी भी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। इसमें से अधिकांश अधीक्षक ऐसे भी हैं जो अच्छा काम कर रहे हैं और उनकी कोई शिकायत भी नही है। वही दूसरी ओर प्राथमिक शाला के शिक्षकों को प्रभार देने की चर्चा भी चल पड़ी है जो कि नियमों के विपरीत है छात्रावासों में स्कूल के शिक्षकों को प्रभार देने का नियम है लेकिन इस पर भी नियम शर्ते लागू हैं। लेकिन सूत्रों का कहना है कि यहां पर बड़ा महंगा लेन देन किए जाने की चर्चा चल रही है जिसके चलते अनेक छात्रावासो के अधीक्षकों को बदलने की तैयारी की जा चुकी है। मध्यप्रदेश के आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के अंतर्गत वर्षों से कार्यरत संविदा छात्रावास अधीक्षकों के सामने इन दिनों सेवा शर्तों और कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर असमंजस की स्थिति निर्मित हो रही है। लगभग 18 वर्षों से छात्रावासों और आश्रमों के प्रबंधन विद्यार्थियों की सुरक्षा तथा आवासीय व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी निभा रहे इन कर्मचारियों का आरोप है कि अब उन पर शिक्षक संवर्ग के स्थानांतरण नियम लागू करने और शिक्षण कार्य करने का दबाव बनाया जा रहा है। इससे कर्मचारियों में नाराजगी के साथ भविष्य को लेकर अनिश्चितता और मानसिक तनाव भी बढ़ रहा है प्रभावित कर्मचारियों का कहना है कि जिस पद के लिए उनकी नियुक्ति की गई थी उस पद की मूल कार्यप्रकृति को ध्यान में रखते हुए उन्होंने वर्षों तक अपनी सेवाएं दी हैं। ऐसे में अचानक कार्य की प्रकृति बदलने और शिक्षक संवर्ग से जुड़े नियम लागू करने से पहले प्रशिक्षण सेवा शर्तों और नियुक्ति संबंधी प्रावधानों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए संविदा छात्रावास अधीक्षकों के अनुसार वर्ष 2008 के राजपत्रित नियमों के तहत उनकी नियुक्ति छात्रावास एवं आश्रम संविदा अधीक्षक के पद पर की गई थी। उनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में छात्रावास का संचालन विद्यार्थियों की सुरक्षा भोजन एवं अन्य सुविधाओं की व्यवस्था अनुशासन बनाए रखना और आवासीय संस्थाओं का प्रबंधन शामिल रहा है। पिछले कई वर्षों में उन्हें छात्रावास संचालन प्रबंधन तथा बच्चों की सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण दिए गए जबकि नियमित शिक्षक के रूप में पढ़ाने के लिए आवश्यक शैक्षणिक प्रशिक्षण से उन्हें नहीं जोड़ा गया कर्मचारियों का कहना है कि अगस्त 2014 में शासन द्वारा संविलियन की प्रक्रिया के तहत उन्हें संविदा शाला शिक्षक वर्ग-2 के संवर्ग में शामिल किया गया था। हालांकि इसके बाद भी उनसे छात्रावास अधीक्षकों के रूप में ही काम लिया जाता रहा। अब इसी संविलियन आदेश को आधार बनाकर शिक्षकों से संबंधित स्थानांतरण नियमों और शिक्षण कार्य की अपेक्षाएं लागू किए जाने पर सवाल खड़े हो रहे हैं कर्मचारियों के मुताबिक केवल पदनाम या संवर्ग में बदलाव होने से किसी कर्मचारी की कार्यक्षमता प्रशिक्षण और वर्षों के अनुभव की प्रकृति स्वतः नहीं बदल जाती। इसलिए शासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि संविलियन के बाद उनकी वास्तविक सेवा शर्तें क्या हैं और उनसे किन कार्यों की अपेक्षा की जा सकती है प्रभावित अधीक्षकों का कहना है कि छात्रावास का प्रबंधन करना और कक्षा में विद्यार्थियों को पढ़ाना दोनों अलग-अलग प्रकृति के कार्य हैं। शिक्षण के लिए विषयगत ज्ञान के साथ-साथ शिक्षण पद्धति बाल मनोविज्ञान बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को समझने का प्रशिक्षण आवश्यक होता है। उनका तर्क है कि विभाग ने उन्हें मुख्य रूप से आवासीय संस्थाओं के संचालन और विद्यार्थियों की देखरेख से संबंधित प्रशिक्षण दिया है। ऐसे में यदि उनसे नियमित शिक्षण कार्य लेने की योजना है तो पहले उनकी शैक्षणिक योग्यता, लागू भर्ती नियमों और आवश्यक प्रशिक्षण की स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए अधीक्षकों ने यह भी सवाल उठाया है।

मां महाकाली की प्रतिमा स्थापना के साथ गूंज रहे जयकारे

प्रतिदिन महाआरती में उमड़ रहे श्रद्धालु

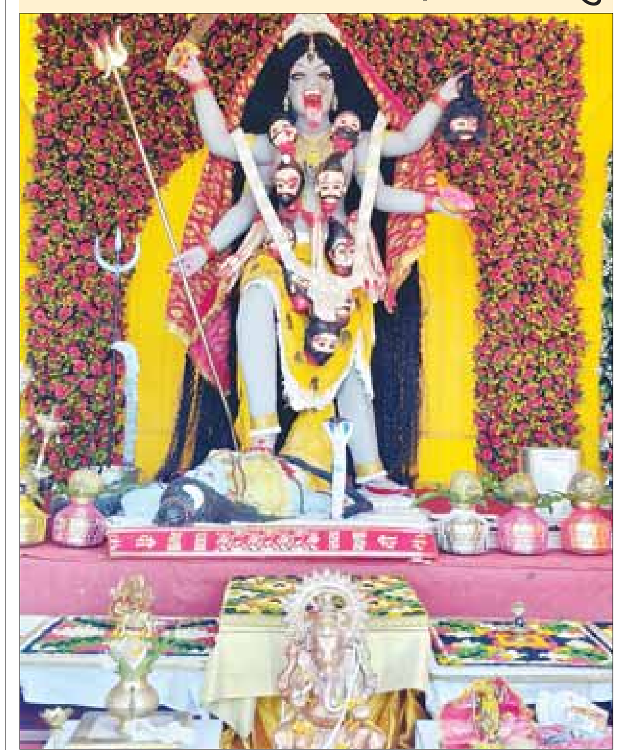

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। नगर में शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर जय माता दी चोक में मां महाकाली की भव्य प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। प्रतिदिन आयोजित महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। मां महाकाली के दरबार में प्रतिदिन शाम को ढोल-नगाड़ों और शंखनाद के साथ महाआरती की जा रही है। माता रानी के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो रहा है। आकर्षक साज-सज्जा एवं विद्युत रोशनी से पूजा पंडाल की सुंदरता देखते ही बन रही है। महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे बड़ी श्रद्धा के साथ मां महाकाली के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। आयोजन समिति द्वारा प्रतिदिन पूजा-अर्चना एवं महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालुओं में नवरात्र पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

लगातार बिजली कटौती से ग्रामीणों में आक्रोश

विद्युत कार्यालय में की नारेबाजी

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्र मत)। नवरात्रि पर्व के दौरान लगातार हो रही बिजली कटौती को लेकर नारायणगंज क्षेत्र के ग्रामीणों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। मुख्यालय नारायणगंज सहित आसपास के छोटे-छोटे गांवों और कस्बों में दुर्गा पंडाल सजाए गए हैं जहां श्रद्धालु पूजा-अर्चना आरती और धार्मिक आयोजनों में शामिल हो रहे हैं। ऐसे में बार-बार बिजली गुल होने से आयोजनों में परेशानी हो रही है। इससे नाराज ग्रामीण बिजली विभाग से निर्बाध विद्युत आपूर्ति की मांग कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार 12 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे ग्राम शंकरगंज की दुर्गा पंडाल समिति के सदस्य बिजली कटौती से परेशान होकर टिकरिया स्थित बिजली विभाग के कार्यालय पहुंच गए। यहां समिति के सदस्यों ने लगातार हो रही बिजली कटौती को लेकर नाराजगी जताई और बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। उनका कहना था कि नवरात्रि जैसे प्रमुख धार्मिक पर्व के दौरान बार-बार बिजली बंद होने से श्रद्धालुओं और आयोजन समितियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं नारायणगंज क्षेत्र के ग्राम भावल में भी बिजली कटौती को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। ग्रामीण अपनी समस्या को लेकर सामूहिक रूप से आवाज उठाने के लिए एकत्रित होने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच बिजली विभाग और पुलिस प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी गांव पहुंचे और वरिष्ठ नागरिकों सहित ग्रामीणों को समझाइश देने में जुट गए। इसके अलावा कछारी फीडर क्षेत्र के ग्रामीणों ने भी बिजली कटौती से परेशान होकर आवेदन के माध्यम से विभाग से विद्युत आपूर्ति सुचारु करने का आग्रह किया है।

परिवीक्षा अवधि के शिक्षक को बनाया जन शिक्षक

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्र मत)

जनपद पंचायत घुघरी अंतर्गत ग्राम पंचायत किसली की शासकीय प्राथमिक उच्चतर माध्यमिक शाला में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। यहां बच्चों के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ किया जा रहा है लेकिन जवाबदार अधिकारी मौन साधे हुए हैं। शाला में मात्र दो ही शिक्षक पदस्थ हैं जिनके भरोसे सैकड़ों बच्चों की पढ़ाई चल रही है। एक शिक्षक की कमी से ही पूरी व्यवस्था लड़खड़ा गई है। यही नही परिवीक्षा अवधि में ही जन शिक्षक बना दिया गया है। नियमों की अनदेखी शाला में पदस्थ शिक्षक अमित आरेले को उनकी परिवीक्षा अवधि में ही जन शिक्षक बना दिया गया जबकि जानकारी के अनुसार परिवीक्षा अवधि में जन शिक्षक

बनाने का कोई नियम ही नहीं है। नियमानुसार जन शिक्षक केवल पुराने अनुभवी और स्थाई शिक्षक को ही बनाया जा सकता है। फिर भी अमित आरेले को परिवीक्षा अवधि से ही जन शिक्षक बनाकर रखा गया है और वे तब से इसी पद पर जमे हुए हैं। परिवीक्षा अवधि में जन शिक्षक बनना या बना दिया जाना अपने आप में बड़ा सवालिया निशान है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार संबंधित अधिकारी से इनकी नजदीकी कुछ ज्यादा ही है जिसके चलते नियम विरुद्ध नियुक्ति के बाद भी इन्हें लगातार बनाए रखा गया है। जानकारी में आया है कि अमित आरेले जन शिक्षक की आड़ में अपने गृहग्राम चले जाते हैं और वहीं रहते हैं। कई-कई हफ्ते तक शाला से नदारद रहते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इनकी अटेंडेंस के संबंध में पूछने वाला कोई नहीं है। न संकुल प्राचार्य न बीआरसी न बीईओ। खुली छूट के चलते वे मनमानी कर रहे हैं। एक शिक्षक के भरोसे शाला चलने से बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप है। बच्चे स्कूल आते हैं और वापस चले जाते हैं। पालकों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों एवं पालकों ने कलेक्टर मंडला जिला शिक्षा अधिकारी मंडला से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए जन शिक्षक की नियुक्ति आदेश अटेंडेंस रजिस्टर और फील्ड विजिट डायरी की जांच हो दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई हो और शाला में तुरंत शिक्षकों की पदस्थापना की जाए।

मानदेय के लिए भटक रहे अतिथि

मण्डला(स्वतंत्र मत)। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त द्वारा प्रतिमाह 5 तारीख तक मानदेय भुगतान के आदेश के बाद भी अतिथि शिक्षकों को समय पर मानदेय नहीं मिल पा रहा है। अक्टूबर माह आधा बीतने के बाद भी अगस्त और सितंबर माह का मानदेय लंबित है। उल्लेखनीय है कि इस संबंध में सहायक आयुक्त कार्यालय द्वारा पिछले माह पत्र जारी कर समस्याओं के निराकरण और समय पर भुगतान के निर्देश दिए गए थे लेकिन उसका पालन नहीं हो रहा है। सारे शिक्षा विभाग के अमले की दीपावली की छुट्टी निरस्त करके धनतेरस से भाई दूज तक दिन-रात सहायक आयुक्त कार्यालय में बैठकर बिल का काम दुरुस्त कराकर जिले भर के अतिथि शिक्षकों का महीनों लंबित मानदेय का भुगतान कराया गया था।कुछ समय तक पालन के बाद ढाक के तीन पात जैसी फिर से पुरानी व्यवस्था लागू हो गई। संघ ने मांग की है ,कि एक सप्ताह के भीतर लंबित मानदेय का भुगतान किया जाए। भुगतान न होने पर कलेक्ट्रेट के सामने भूख हड़ताल की चेतावनी दी गई है जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

जेसोबा क्विज कांटेस्ट में मारी बाजी

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्र मत)। जेसोबा क्विज कांटेस्ट के अंतर्गत अरविंद कुमार शुक्ल अध्यक्ष जेसोबा की अध्यक्षता विजय अग्रवाल मुकेश सोनी, योगेश श्रीवास्तव एवं अनंत उपाध्याय के विशिष्ठ आतिथ्य में 2 प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। प्रथम प्रतियोगिता सर्वोदय शास उच्च माध्य विद्यालय ककैया में रेवाराम मरावी प्राचार्य के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई जिसमें शास उच्च माध्य विद्यालय मांगा से मयंक नामदेव, जय झारिया तथा संस्कार झारिया, सर्वोदय शास उच्च माध्य विद्यालय ककैया से दीपिका भांवरे, सृष्टि झारिया तथा तारेन्द्र भांवरे, शास उच्च माध्य विद्यालय लफरा से सागर पटैल, गौरव हरदहा तथा सुजल नंदा एवं शास हाई स्कूल बोकर से रिया नंदा, नैतिक पटेल तथा ललित कुमार भांवरे ने सहभागिता की। इस प्रतियोगिता में शास उच्च माध्य विद्यालय लफरा ने विजय श्री प्राप्त की। द्वितीय प्रतियोगिता सरस्वती उच्च माध्य विद्यालय बिछिया में रामबहोरी पटेल प्रबंधक एवं पूर्व

प्राचार्य के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई जिसमें शास कन्या शिक्षा परिसर बिछिया से आभना मरावी, भूमिका तिलगाम तथा अंकिता मरकाम, बापा हाई स्कूल बिछिया से अभिषेक कुम्हरे, सुनील मरावी तथा शिवांसु तिलगाम, सरस्वती उच्च माध्य विद्यालय बिछिया से शिवांश पटेल, रुद्राक्ष पटेल तथा कुश राय एवं सांदीपनि शास उच्च माध्य विद्यालय बिछिया से केशराज सिंह राजपूत, श्रेया यादव तथा काव्य नामदेव ने सहभागिता की।

एथलेटिक्स में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। शिवपुरी में 7 से 11 अक्टूबर तक आयोजित राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स स्पर्धाओं में जिले के तीन खिलाड़ियों ने जबलपुर संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में याचना चौरसिया ने 3000 मीटर रेस वॉक में कांस्य पदक हासिल किया जबकि ब्रजेश धुर्वे ने 4100 मीटर रिले स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। वहीं देवांश परस्ते ने 110 मीटर हर्डल्स और 400 मीटर दौड़ के फाइनल में चौथा स्थान प्राप्त किया। स्वर्ण पदक जीतने वाले ब्रजेश धुर्वे अब आगामी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे। मंडला की एथलीट याचना चौरसिया ने 3000 मीटर रेस वॉक में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक अपने नाम किया। यह उनकी पहली प्रतियोगिता थी। पहली ही स्पर्धा में पदक जीतने पर याचना ने प्रसन्नता व्यक्त की। ब्रजेश धुर्वे ने 4100 मीटर रिले स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर जिले को गौरवान्वित किया। इस उपलब्धि के साथ उनका चयन आगामी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है। वहीं मंडला के खिलाड़ी देवांश परस्ते ने 110 मीटर हर्डल्स और 400 मीटर दौड़ में फाइनल तक पहुंचकर दोनों स्पर्धाओं में चौथा स्थान हासिल किया।

कॉलेज की छात्राओं को मिला ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश उच्चा शिक्षा विभाग के द्वारा एवं स्वामी विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से तीस दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का समापन समारोह प्राचार्य एवं कार्यक्रम संरक्षक डॉ जीसी मेश्राम के द्वारा किया गया कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. ज्योति सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्राओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रशिक्षण से जब तक नौकरी नहीं मिलती इसे आय का साधन बना सकते है प्रकोष्ठ प्रभारी एवं प्रोफ़ेसर देवप्रकाश उइके ने प्रशिक्षण का उद्देश्य बताते हुए जानकारी देते हुए कहा कि शासन पढाई के साथ साथ स्व रोजगार के लिए यह प्रशिक्षण करवाता है जिससे विद्यार्थियों में कौशल विकसित हो सके। प्रशिक्षण संस्था सेंटर ऑफ़ डिस्कवरी फॉर विलेज डेवलपमेंट के डायरेक्टर निशार कुरैशी ने अपने उद्बोधन में कहा की सजना संवारना आदि काल से लेकर भविष्य में

भी लगातार अपनाने वाली प्रक्रिया है, संस्था जो छात्रा ब्युटीपार्लर को प्रारम्भ करेंगी। प्रशिक्षित छात्राओं में रौशनी ठाकुर, जान्हवी अहिरवार, जिया मंसूरी एवं सुषमा परते ने प्रशिक्षण का फीडबेक बताया और संस्था के द्वारा दिए गए प्रशिक्षण की सराहना की महाविद्यालय के डॉ. जयसिंह उर्वेती ने ब्युटीपार्लर को आय का बेहतरीन संसाधन बताया एवं महविद्यालय के व्याख्याता में सर्व प्रोफेसर के. बघेल, डॉ. राजेश मस्तकार, डॉ. कुलभूषण रजक, प्रोफ़ेसर रविन चौहान, प्रो. आकांशा मरावी, प्रो. सचिन मरावी, डॉ. संजीव सिंह, गिरवर राजपूत, अमित सेन, डॉ. रवि यादव, मानसिंह, श्रीमती विमला वालके, देवेन्द्र गोठिया, श्रीमती कुम्हरे मेंम एवं सीडीवीडी. संस्था की अध्यक्ष श्रीमती भूमिका पटेल विशेष रूप से उपस्थित हुई। मुख्य मास्टर ट्रेनर संजना ठाकुर एवं सहयोगी मास्टर ट्रेनर्स के रूप में तसनीम कौसर एवं अल्फिया ने कुशलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत नपा ने किया आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का सम्मान

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद नैनपुर द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज सेवा, महिला एवं बाल विकास तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं एंव सेक्टर प्रभारी श्रीमति ठाकुर का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में आंगनवाड़ी अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी ने कार्यकर्ताओं की सेवाओं की

सराहना करते हुए कहा गया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, बच्चों के पोषण, टीकाकरण तथा महिलाओं को जागरूक करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारने की मजबूत कड़ी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद घर-घर पहुंचकर महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित सम्मान कार्यक्रम के माध्यम से उनके समर्पण, सेवाभाव एवं सामाजिक योगदान की सराहना की गई। इसदोरान अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, उपाध्यक्ष संजू लता वैष्णव, पार्षद राजाराम शर्मा, शुनील विश्वकर्मा सहित अन्य पार्षदों की उपस्थिति रही।

संपादकीय

आस्था को डराती झांकियां

भारत में दुर्गा पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह उल्लास, सृजन, सामूहिक सहभागिता और कला का महाकुंभ है। लेकिन बीते कुछ वर्षों से इन पंडालों की भव्यता और सजावट के बीच एक चिंताजनक प्रवृत्ति तेजी से उभरी है, वह है- 'अंधविश्वास, भय और खौफ' का प्रसार करने वाली झांकियां। आजकल कई दुर्गा पंडालों में नरसंहार, भूत-पिशाच, खौफनाक दृश्यों या वर्तमान समय की डरावनी घटनाओं को इस अति-यथार्थवादी और ग्राफिक अंदाज में दिखाया जाने लगा है कि वह उत्सव के उल्लास की जगह आगंतुकों, विशेषकर बच्चों और महिलाओं के मन में सिहरन और डर पैदा करती हैं। सवाल यह उठता है कि क्या आस्था को डराने वाले दृश्यों की बैसाखी की जरूरत है? दुर्गा पूजा के पंडालों में थीम आधारित झांकियां बनाने की परंपरा बहुत पुरानी है और यह सराहनीय भी है, क्योंकि इसके जरिए समसामयिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाई जाती है। किंतु जब जागरूकता के नाम पर वीभत्स दृश्यों- जैसे खून-खराबे या डरावने भूतों और राक्षसों के सजीव चित्रण को प्रमुखता दी जाने लगती है, तो उत्सव की मूल भावना कहीं पीछे छूट जाती है। देवी दुर्गा शक्ति, करुणा और मातृभाव का प्रतीक हैं। वे बुराइयों का संहार करती हैं, ताकि समाज में शांति और धर्म की स्थापना हो सके। लेकिन जब पंडालों में केवल असुरों के संहार का खौफनाक और रक्तस्रावी रूप ही परोसा जाने लगे, तो वह आस्था का कम, किसी हॉरर शो के सेट का अहसास अधिक कराता है। इस प्रवृत्ति का सबसे नकारात्मक प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। दुर्गा पूजा ऐसा समय होता है जब पूरा परिवार, विशेषकर छोटे बच्चे, नए उत्साह के साथ पंडालों के दर्शन करने निकलते हैं। बाल मनोविज्ञान के जानकारों का मानना है कि अत्यधिक हिंसक या डरावने दृश्यों को देखकर कोमल मन वाले बच्चों के दिल-दिमाग पर गहरा असर पड़ता है। कई बार उन्हें रात में डर लगने या अनिद्रा जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बच्चों के मन में देवी-देवताओं के प्रति श्रद्धा और स्नेह का भाव होना चाहिए, न कि उनके रौद्र और खौफनाक रूपों का खौफ। जब आस्था डर का पर्याय बनने लगे, तो बच्चे मंदिरों और उत्सवों से कतराने लगते हैं। कुछ आयोजकों का तर्क होता है कि ऐसी डरावनी या वीभत्स झांकियां समाज की क्रूर सच्चाइयों के प्रति लोगों को सचेत करने के लिए बनाई जाती हैं। यह तर्क अपने आप में आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन इसका माध्यम क्या होना चाहिए? कला का उद्देश्य चेतना को जगाना है, उसे सुन्न करना नहीं। अगर किसी सामाजिक बुराई पर प्रहार करना है, तो उसे अपनी रचनात्मकता, सकारात्मक संदेश और प्रेरणादायी कला के माध्यम से भी दर्शाया जा सकता है। सनसनी फैलाने के लिए, वीभत्सता का सहारा लेना कला नहीं, बल्कि रचनात्मक दिवालियापन का परिचायक है। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुर्गा पंडाल कला और संस्कृति के अद्भुत केंद्र हैं। यहां देश के बेहतरीन मूर्तिकार और शिल्पकार अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि इस ऊर्जा को सही दिशा दी जाए। आयोजकों और समितियों को ऐसी थीम चुननी चाहिए जो समाज में उम्मीद, भाईचारा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें। शक्ति का अर्थ क्रूरता नहीं, बल्कि न्याय और रक्षा है। झांकियों में देवी के ममतामयी और न्यायप्रिय स्वरूप को अधिक स्थान मिलना चाहिए। दुर्गा पूजा हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का प्राण है। यह अंधकार पर प्रकाश की, और असत्य पर सत्य की जीत का उत्सव है। इसे अंधविश्वास, भय और आतंक का मंच बनने से रोकना सामूहिक जिम्मेदारी है। आइए, इस उत्सव को डरावने प्रयोगों से मुक्त करें और इसे आस्था, उल्लास, प्रेम और सकारात्मकता का पावन पर्व बनाएं, ताकि हर आने वाला व्यक्ति पंडाल से डरकर नहीं, बल्कि दिल में एक नई ऊर्जा और श्रद्धा लेकर लौटे।

विश्व छात्र दिवस- 15 अक्टूबर, 2026

छात्रः सपनों की उड़ान से सृजन की पहचान तक

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

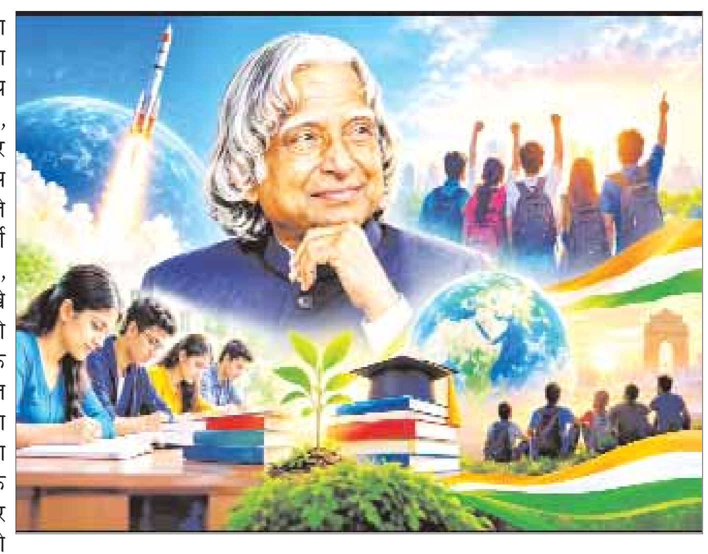

किसी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों में पारित कानूनों से कम और उसके शिक्षण संस्थानों में गढ़े जा रहे विद्यार्थियों के चरित्र से अधिक निर्धारित होता है। छात्र केवल किसी देश की युवा आबादी नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं, विचारों, मूल्यों और विकास की जीवंत पूंजी होते हैं। उनकी आंखों में पलते सपने राष्ट्र की तकदीर लिखते हैं और उनके हाथों में संवरता भविष्य सभ्यता की दिशा तय करता है। किंतु जब यही हाथ सृजन के औजारों के बजाय विध्वंस के हथियार उठाने लगें, जब ज्ञान की जिज्ञासा हिंसा की उत्तेजना में बदलने लगे और जब शिक्षा के मंदिरों में अनुशासन की जगह अराजकता पनपने लगे, तब यह केवल छात्र जीवन का संकट नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की चेतना के लिए खतरे की घंटी है। विश्व छात्र दिवस इसी संदर्भ में आत्ममंथन का अवसर है। प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व छात्र दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती को समर्पित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस को आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किए जाने का दावा नहीं करना चाहिए, फिर भी भारत में यह दिन व्यापक रूप से कलाम के विद्यार्थी-केंद्रित विचारों, शिक्षा के प्रति समर्पण और युवाओं के स्वप्नशील व्यक्तित्व के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। डॉ. कलाम के लिए विद्यार्थी केवल परीक्षाओं में अंक प्राप्त करने वाले छात्र नहीं थे, बल्कि वे ऐसे स्वप्नदृष्टा थे, जिनके भीतर देश की तस्वीर बदलने की क्षमता थी। वे बच्चों के बीच जाते, उनसे संवाद करते, उनके प्रश्नों को प्रोत्साहित करते और उन्हें बड़े सपने देखने की प्रेरणा देते थे। उनका विश्वास था कि सपने वे नहीं होते जो नींद में आते हैं, बल्कि वे होते हैं जो व्यक्ति को सोने नहीं देते। उनका जीवन इस बात का प्रमाण था कि साधारण परिस्थितियों में जन्मा व्यक्ति भी असाधारण संकल्प, ज्ञान और परिश्रम से इतिहास रच सकता है।

डॉ. कलाम का मिशन केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं था। उनका व्यापक स्वप्न भारत को विकसित, आत्मनिर्भर, ज्ञान-संपन्न और नैतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनाना था। उन्होंने युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, आत्मविश्वास और राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने का प्रयास किया। उनकी दृष्टि में शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका कमाने की योग्यता पैदा करना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर विवेक, संवेदना, चरित्र और उत्तरदायित्व का विकास करना भी था। वे चाहते थे कि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा पहचाने, असफलताओं से सीखे और अपनी ऊर्जा को समाज की समस्याओं के समाधान में लगाए। आज प्रश्न यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था और छात्र राजनीति उनके इस स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं? समकालीन परिदृश्य का एक चिंताजनक पक्ष यह है कि अनेक शिक्षण संस्थानों में हिंसक टकराव, तोड़फोड़, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, अनुशासनहीनता और शक्ति प्रदर्शन जैसी घटनाएं चिंता उत्पन्न कर रही हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि समूचा छात्र समुदाय इस प्रवृत्ति का शिकार है, क्योंकि इसी पीढ़ी के विद्यार्थी विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण संरक्षण, उद्यमिता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य भी कर रहे हैं। फिर भी जहां छात्र जीवन की रचनात्मक ऊर्जा नकारात्मक गतिविधियों में खपती है, वहां समाज को उसके कारणों की पड़ताल करनी चाहिए। आखिर जिस उम्र में प्रयोगशालाओं में नए आविष्कार होने चाहिए, उस उम्र में यदि परिसर संघर्ष के अखाड़े बन जाएं, तो यह हमारी सामूहिक विफलता का संकेत है।

छात्र आंदोलनों का इतिहास बताता है कि युवाओं की आवाज ने अनेक बार सामाजिक परिवर्तन, लोकतांत्रिक अधिकारों और जनहित के प्रश्नों को नई धार दी है। अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना, व्यवस्था से जवाबदेही मांगना और शिक्षा संबंधी समस्याओं पर संगठित होना छात्र जीवन का सकारात्मक पक्ष है। लेकिन आंदोलन और अराजकता के बीच एक महीन, किंतु निर्णायक रेखा होती है। जब तर्क की जगह ताव, संवाद की जगह टकराव और विरोध की जगह हिंसा ले लेती है, तब उद्देश्य पीछे छूट जाता है और अहंकार आगे आ जाता है। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार अनिवार्य है, लेकिन असहमति के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, शिक्षकों का अपमान करना अथवा दूसरे विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित करना किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता। आग लगाकर उजाला नहीं किया जा सकता और शाख काटकर वृक्ष को मजबूत नहीं बनाया जा सकता। इस स्थिति के लिए केवल विद्यार्थियों को दोष देना भी समस्या का सरलीकरण होगा। परिवारों में संवाद का अभाव, शिक्षा का बढ़ता व्यावसायीकरण, रोजगार को लेकर अनिश्चितता, मानसिक दबाव, सोशल मीडिया पर आक्रामकता का महिमामंडन, नशे की आसान उपलब्धता और छात्र राजनीति में बाहरी स्वार्थों का हस्तक्षेप भी इस संकट को गहरा सकते हैं। जब युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा नहीं मिलती, तब वह कभी निराशा, कभी आक्रोश और कभी अनुकरण की प्रवृत्ति में बहने लगती है। खाली दिमाग शैतान का घर होता है, यह लोकोक्ति हर परिस्थिति में सत्य नहीं, लेकिन इतना अवश्य है कि उद्देश्यहीन ऊर्जा भटकाव का कारण बन सकती है। इसलिए विद्यार्थियों को केवल उपदेश नहीं, अवसर, मार्गदर्शन, विश्वास और सार्थक भागीदारी भी चाहिए।

यहां जैन दर्शन की अहिंसा, अनेकांत और आत्मानुशासन की शिक्षाएं विशेष प्रासंगिक हो जाती हैं। जैन परंपरा में अहिंसा का अर्थ केवल शारीरिक हिंसा से बचना नहीं, बल्कि विचार, वाणी और व्यवहार में भी संयम रखना है। अनेकांतवाद सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दूसरे पक्ष को सुनना और अपने विचारों की सीमाओं को स्वीकार करना आवश्यक है। यदि इन मूल्यों को छात्र जीवन में व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, तो मतभेद शत्रुता में नहीं बदलेंगे और विरोध संवाद का माध्यम बनेगा। विद्यार्थी यह समझ सकेंगे कि साहस का अर्थ किसी को पराजित करना नहीं, बल्कि अपने क्रोध, आवेग और अहंकार पर विजय पाना है। विश्व छात्र दिवस पर डॉ. कलाम को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम शिक्षा को परीक्षा-केंद्रित संकीर्णता से निकालकर जीवन निर्माण का माध्यम बनाएंगे। विद्यालयों और महाविद्यालयों में पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं, खेलों, कला, साहित्य, सामाजिक सेवा और नवाचार को प्रोत्साहित करना होगा। नशे के विरुद्ध जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य पर खुला संवाद, शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों में विश्वास और छात्र राजनीति में लोकतांत्रिक मर्यादाओं का विकास भी आवश्यक है। विद्यार्थियों को स्थानीय समस्याओं के समाधान, पर्यावरण संरक्षण, वंचित बच्चों की शिक्षा और सामुदायिक सेवा से जोड़कर उनकी ऊर्जा को सकारात्मक कर्मभूमि दी जा सकती है। साथ ही शिक्षण संस्थानों को भयमुक्त, न्यायपूर्ण और उत्तरदायी वातावरण उपलब्ध कराना होगा, क्योंकि अनुशासन का अर्थ दमन नहीं और स्वतंत्रता का अर्थ स्वच्छंदता नहीं है।

डॉ. कलाम का विद्यार्थी-दर्शन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण किसी एक नेता, सरकार या वैज्ञानिक का अकेला अभियान नहीं, बल्कि करोड़ों जाग्रत मस्तिष्कों की सामूहिक साधना है। आज के विद्यार्थी के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल प्रतियोगिता में आगे निकलना नहीं, बल्कि अपनी सफलता को सार्थक बनाना है। उसे यह तय करना होगा कि उसकी प्रतिभा समाज को जोड़ने में लगेगी या तोड़ने में, उसकी बुद्धि समाधान खोजेगी या संकट बढ़ाएगी और उसका साहस निर्माण का इतिहास लिखेगा या विनाश की कहानी। विश्व छात्र दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि युवा शक्ति को केवल नियंत्रित करने की नहीं, सही दिशा देने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों के सपनों को पंख मिलें, उनकी जिज्ञासा को अवसर मिले और उनके चरित्र को नैतिक आधार मिले, तभी शिक्षा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बनेगी। क्योंकि देश का भविष्य केवल इस बात से तय नहीं होता कि उसके विद्यार्थी कितना जानते हैं, बल्कि इससे भी तय होता है कि वे अपने ज्ञान का उपयोग किसके लिए और किस उद्देश्य से करते हैं। डॉ. कलाम का भारत तभी साकार होगा, जब कक्षाओं से चरित्र, प्रयोगशालाओं से नवाचार, आंदोलनों से उत्तरदायित्व और युवाओं के संकल्पों से सृजन की नई संस्कृति जन्म लेगी। यही विश्व छात्र दिवस की सार्थकता है और यही विकसित भारत की वास्तविक आधारशिला।

ब्रह्मांड को समझने का नया फलकः प्रकाश से आगे, दुनिया को जानने की नई राह

वीर सिंह

अंततोगत्वा मानवता ने ब्रह्मांड के उच्च ऊर्जा वाले रहस्यमयी कणों को दक्षिण ध्रुव की बर्फ में ढूंढकर आकाशगंगाओं से सीधे साक्षात्कार करने के लिए एक रास्ता खोज लिया! और, ऐसा करने वाले फ्रांसिस हैलजेन को भौतिक विज्ञान में 2026 के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। दक्षिण ध्रुव पर एक विशाल डिटेक्टर 'आइसक्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी' की स्थापना कर ब्रह्मांड के उन कणों को खोजना, जिन्हें भूत कण (घोस्ट पार्टिकल) भी कहा जाता है, में हैलजेन का प्रमुख योगदान रहा है।

प्रकाश के कण फोटॉन के बाद ब्रह्मांड में सबसे अधिक संख्या न्यूट्रिनो की है। आइसक्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी को उन कणों के अध्ययन के लिए बनाया गया था, जो ब्रह्मांड के सबसे अधिक ऊर्जा वाले स्रोतों, जैसे सुपरनोवा और गामा-किरण विस्फोट (गामा-रे बर्स्ट) जैसे विकट विस्फोटों से निकलते हैं। चूंकि, न्यूट्रिनो किसी भी माध्यम (पदार्थ) से प्रतिक्रिया नहीं करते, इसलिए वे हर चीज के आर-पार निकल जाते हैं। यहां तक कि पृथ्वी के भी। इसीलिए, इन्हें 'भूत कण' भी कहते हैं। इसी अद्वितीय क्षमता के कारण शोधकर्ता इन कणों की मदद से ब्रह्मांड की विस्फोटक घटनाओं तक सीधी रेखा खींच सकते हैं, जिससे उन्हें खगोलीय घटनाओं की शोध करने की एक अनोखी विधि मिल सकती है। न्यूट्रिनो का पता लगाना इसलिए भी कठिन है, क्योंकि उन पर चुंबकीय क्षेत्र का कोई प्रभाव नहीं होता।

1980 के दशक में हैलजेन के मन में एक विचार आया कि अंटार्कटिका की बर्फ में किए गए छेदों में 1.5 किलोमीटर से अधिक गहराई तक तारों से जुड़े डिटेक्टर लटकाए जाएं। उन्हें भरोसा था कि वहां वह प्रकाश की उस दुर्लभ और हल्की चमक का पता लगा पाएंगे, जो तब पैदा होती है, जब तेजी से चलने वाला न्यूट्रिनो किसी परमाणु से टकराता है। उनका मानना था कि बड़ा शोध क्षेत्र न्यूट्रिनो को पकड़कर उनकी दिशा और ब्रह्मांड में उनके स्रोत का पता लगाने में मदद कर सकता है। 2010 में बनी इस ऑब्जर्वेटरी में 5,160 सेंसर लगे हैं। इसकी कुल लागत 27.1 करोड़ डॉलर थी। इसकी स्थापना के दो वर्ष के अंदर ही डिटेक्टर ने आकाशगंगा के बाहर से आने वाले उच्च ऊर्जा वाले न्यूट्रिनो का पता लगाया था। 2013 में हैलजेन की टीम ने ऐसे न्यूट्रिनो का पता लगाने की रिपोर्ट दी, जिनकी ऊर्जा इतनी अधिक थी कि वे सोलर सिस्टम में कहीं भी पैदा नहीं हो सकते थे। इस शोध ने न्यूट्रिनो एस्ट्रोनॉमी के क्षेत्र को स्थापित करने में सहायता की।

स्प्रिंगर नेचर के एक लेख के अनुसार, 2013 और 2014 में इस ऑब्जर्वेटरी ने तीन बेहद ऊर्जावान न्यूट्रिनो बर्ट, अर्नी और बिग बर्ड खोजे। इनकी ऊर्जा काफी अधिक थी। यह पृथ्वी के सबसे एडवांस्ड पार्टिकल कोलाइडर में बनने वाले न्यूट्रिनो की एक ऐसी खोज थी, जिसका इंतजार वैज्ञानिक लंबे समय से कर रहे थे। वे इन न्यूट्रिनो को पहली बार पृथ्वी के सबसे आधुनिक कण त्वरक में बनने वाले न्यूट्रिनो से जोड़कर देख पाए। इनका संबंध एक दूर स्थित आकाशगंगा से माना गया, जिसे आमतौर पर 'टेक्सास इवेंट' कहा जाता है। हैलजेन को उस प्रयोगात्मक अवधारणा को आगे बढ़ाने का श्रेय जाता है, जिसे प्रारंभ में कई शोधकर्ता 'विश्व की सबसे आश्चर्यजनक अवधारणा' मानते थे। अंटार्कटिका में इतने बड़े स्तर की सुविधा बनाने में बहुत बड़ी सामग्री जुटाने से संबंधी चुनौतियां थीं।

भौतिकी का 2026 का नोबेल पुरस्कार एक तकनीकी उपलब्धि के साथ वैचारिक क्रांति को भी दर्शाता है। यह बताता है कि अंटार्कटिका में एक घन किलोमीटर क्षेत्र में फैली बर्फ, जिसमें प्रकाश को पकड़ने वाले सेंसर लगे हैं, एक टेलीस्कोप की तरह काम कर सकती है। इससे उन न्यूट्रिनो का पता लगाया जा सकता है, जो इतने मायावी होते हैं कि बिना कोई निशान छोड़े पृथ्वी के आर-पार निकल जाते हैं। हैलजेन ने न्यूट्रिनो एस्ट्रोनॉमी से ब्रह्मांड को देखने का एक नया आयाम सृजित किया है। यह लेक्टोमैग्नेटिक टेलीस्कोप से होने वाले अन्वेषणों का पूरक है और कुछ मामलों में उनसे श्रेष्ठ भी। नील्स बोहर इंस्टीट्यूट के टॉस पेटर्सन के शब्दों में-'आइसक्यूब ने सदियों से ब्रह्मांड को देखने के दृष्टिकोण में प्रकाश के एकाधिकार को तोड़ने में मदद की है।'

हैलजेन और उनके सहयोगियों के इस शोध के व्यावहारिक परिणाम भले ही तुरंत न दिखें, पर वे बहुत गहरे और महत्वपूर्ण हो सकते हैं। यह खोज खगोल भौतिकी से बिल्कुल भिन्न क्षेत्रों में भी काम आ सकती है। मसलन, डार्क मैटर की प्रकृति से लेकर सबसे अधिक ऊर्जा वाली कॉस्मिक किरणों की उत्पत्ति तक, यह मानव ज्ञान की सीमाओं से जुड़े प्रश्नों का उत्तर और हमारे ज्ञान मंडल को ब्रह्मांड की अथाह सीमाओं तक विस्तार दे सकती है। -लेखक जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. एमेरिटस हैं।

तुम्हारे पास केवल वर्तमान हैः भविष्य की चिंता में आज को मत गंवाओ, बीता समय लौटता नहीं और कल का भरोसा नहीं

शिवम गर्ग

मैं अक्सर सोचता हूं कि मनुष्य अपने जीवन में कमी का रोना क्यों रोता है। सच तो यह है कि जीवन छोटा नहीं, बल्कि हम उसे व्यर्थ गंवा देते हैं। हम भविष्य की योजनाएं बनाने, सपनों को पूरा करने और दूसरों से आगे निकलने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपने सामने मौजूद जीवन को ही भूल जाते हैं। हम मान लेते हैं कि आज जो नहीं कर पा रहे हैं, उसे कल जरूर कर लेंगे। लेकिन, जब आने वाले कल का भरोसा ही नहीं है, तो आज को उसके नाम क्यों करना? भविष्य के लिए सोचना गलत नहीं है। मेहनत करना, लक्ष्य तय करना और जिम्मेदारियां निभाना जरूरी है। लेकिन, समस्या तब शुरू होती है, जब तुम भविष्य की तैयारी में वर्तमान को खोने लगते हो। तुम सोचते हो कि अभी मेहनत कर लो, बाद में चैन से जी लेंगे; अभी अपनों को समय नहीं दे पा रहे, तो कल दे देंगे। लेकिन, क्या तुम्हें पता है कि वह कल कैसा होगा और तब तुम्हारे पास कितना समय बचेगा? परिस्थितियां कभी भी बदल सकती हैं। वर्षों की मेहनत के बाद भी मनचाहा परिणाम नहीं मिल सकता और जिन बातों को आज तुम बहुत बड़ी समस्या मानते हो, कुछ वर्षों बाद उनका महत्व भी समाप्त हो सकता है। फिर भी तुम अपनी पूरी ऊर्जा उन चिंताओं में लगा देते हो, जिन्हें समय के साथ बदल जाना है।

मैं फिर याद दिलाना चाहता हूं कि जीवन की सबसे बड़ी समस्या समय की कमी नहीं, बल्कि उसका गलत इस्तेमाल है। तुम जीवन जीने के बजाय उसकी तैयारी करते रहते हो, जबकि ऐसा कोई दिन नहीं आएगा, जब सारी जिम्मेदारियां और परेशानियां हमेशा के लिए समाप्त हो जाएंगी। एक काम पूरा होगा, तो दूसरा सामने आ जाएगा। यदि तुमने जीने के लिए सब कुछ ठीक होने का इंतजार किया, तो संभव है कि वह दिन कभी आए ही नहीं। हालांकि, इसका अर्थ यह भी नहीं कि तुम मेहनत करना छोड़ दो या भविष्य की चिंता न करो। भविष्य के लिए तैयारी करो, पर वर्तमान की बलि मत दो। तुम प्रयास कर सकते हो, योजनाएं बना सकते हो, लेकिन आने वाले समय को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकते। इसलिए, उन बातों की चिंता में अपना आज मत गंवाओ, जो तुम्हारे हाथ में नहीं हैं।

जीवन की सार्थकता केवल इस बात से तय नहीं होती कि तुमने जिंदगी में कितना और क्या हासिल किया, बल्कि इससे भी तय होती है कि तुमने अपने समय का इस्तेमाल कैसे किया। इसलिए, वर्तमान के अवसरों को पहचानो और अपनी खुशियों को किसी अनिश्चित भविष्य के भरोसे मत छोड़ो। बीता हुआ समय लौटकर नहीं आता और आने वाले समय का भरोसा नहीं है। तुम्हारे पास केवल वर्तमान है। इसलिए, भविष्य के लिए रास्ता जरूर बनाओ, पर उस पर चलते हुए आज को खो मत दो।

-ऑन द शॉर्टनेस ऑफ लाइफ के अनूदित अंश

जंतर-मंतर से दूर होते प्रतिरोध के ठिकाने

महेन्द्र तिवारी

लोकतंत्र की जीवंतता केवल इस बात से तय नहीं होती कि संसद के भीतर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच कितनी सार्थक बहस होती है, बल्कि इसकी असली कसौटी यह है कि संसद के बाहर सड़कों पर आम नागरिक की आवाज को कितनी गंभीरता और सहजता से सुना जाता है। देश की राजधानी नई दिल्ली के हृदय स्थल में स्थित जंतर मंतर पिछले 33 वर्षों से इसी लोकतांत्रिक चेतना, जन आक्रोश और नागरिक उम्मीदों का सबसे बड़ा केंद्र रहा है। किंतु अब केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गठित एक उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर दिल्ली पुलिस ने एक ऐतिहासिक बदलाव करते हुए जंतर मंतर को अधिकृत प्रदर्शन स्थलों की सूची से बाहर कर दिया है। 28 अप्रैल 2022 के पुराने स्थायी आदेश में संशोधन करते हुए अब राजधानी में धरना और प्रदर्शन के लिए तीन नए स्थान निर्धारित किए गए हैं, जिनमें मध्य दिल्ली का रामलीला मैदान, उत्तरी दिल्ली का बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा स्थित व्यावसायिक केंद्र मैदान शामिल हैं। प्रशासन के इस एक निर्णय ने तीन दशकों से चली आ रही प्रतिरोध की एक पूरी परंपरा को विराम दे दिया है और साथ ही लोकतांत्रिक अधिकारों तथा प्रशासनिक व्यवस्था के बीच के द्वंद्व पर एक नई बहस छेड़ दी है।

जंतर मंतर का यह परिसर केवल 18वीं सदी के खगोलीय यंत्रों का स्मारक मात्र नहीं था, बल्कि यह आधुनिक भारत के सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों की सबसे बड़ी प्रयोगशाला बन चुका था। वर्ष 1993 से लेकर 2026 तक के अपने 33 वर्षों के सफर में इस छोटे से मार्ग ने अनगिनत ऐतिहासिक बदलावों की नींव रखी। चाहे वर्ष 2011 भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल आंदोलन हो, वर्ष 2012 में निर्भया कांड के बाद उमड़ा युवाओं का स्वतःस्फूर्त जनसैलाब हो, वर्ष 2015 में पूर्व सैनिकों का वन रैंक वन पेंशन आंदोलन हो या फिर वर्ष 2023 में महिला पहलवानों का लंबा संघर्ष, जंतर मंतर ने हर वर्ग की पीड़ा को राष्ट्रीय पटल पर रखने का मंच प्रदान किया। देश के सुदूर कोनों से आने वाले किसानों, मजदूरों, छात्रों, शिक्षकों और वंचित वर्गों के लिए यह स्थान एक ऐसी उम्मीद की तरह था, जहाँ खड़े होकर वे सीधे सत्ता के शीर्ष से संवाद करने का अहसास पाते थे। संसद भवन से मात्र 1 से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर होने के कारण यहाँ उठने वाली हर आवाज की गूंज नीति निर्माताओं के कानों तक आसानी से पहुँच जाती थी।

इस ऐतिहासिक स्थल से प्रदर्शनों को हटाने के पीछे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के अपने ठोस तर्क हैं। तात्कालिक कारणों पर नजर डालें तो वर्ष 2026 के जून और जुलाई माह में प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर लगभग 36 दिनों तक चला विशाल छात्र आंदोलन इस फैसले का मुख्य आधार बना। उस आंदोलन के दौरान जंतर मंतर की सीमित क्षमता के विपरीत 1 लाख से अधिक प्रदर्शनकारी जुट गए थे। जब इस भारी भीड़ ने संसद भवन की ओर कूच करने का प्रयास किया, तो सुरक्षा व्यवस्था चरमरा गई और पुलिस तथा छात्रों के बीच हुई झड़पों में 118 पुलिसकर्मियों सहित दर्जनों छात्र घायल हुए। इसके अतिरिक्त, हाल ही में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के मुद्दे पर राजनीतिक दलों और युवा संगठनों द्वारा फिर से जंतर मंतर पर बड़े घेराव की तैयारी

की जा रही थी। नए संसद भवन, कर्तव्यपथ के आसपास अति विशिष्ट व्यक्तियों के निरंतर आवागमन संवेदनशील मंत्रालयों की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस का मानना है कि इतनी कम दूरी पर अनियंत्रित भीड़ का जुटना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा जोखिम है।

सुरक्षा के अलावा स्थानीय व्यापारियों और आम नागरिकों की दैनिक परेशानियां भी इस बदलाव का एक बड़ा कारण बनी हैं। जंतर मंतर राजधानी के सबसे बड़े व्यावसायिक केंद्र कनॉट प्लेस और जनपथ के ठीक बगल में स्थित है। जब भी यहाँ कोई बड़ा प्रदर्शन होता था, तो एहतियात के तौर पर आसपास की मुख्य सड़कें और रेल के भूमिगत स्टेशन बंद कर दिए जाते थे। इससे न केवल घंटों लंबा यातायात जाम लगता था, बल्कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डे की ओर जाने वाले हजारों यात्रियों की गाड़ियां छूट जाती थीं। स्थानीय व्यापार मंडलों ने लंबे समय से यह शिकायत की थी कि लगातार होने वाले धरनों और नाकेबंदी के कारण कनॉट प्लेस के व्यापार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी पूर्व में यह सुझाव दिया था कि प्रदर्शनों के लिए ऐसी खुली और बड़ी जगह तलाशी जानी चाहिए जहाँ आम जनजीवन प्रभावित न हो तथा प्रदर्शनकारियों के लिए पेयजल, शौचालय और चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराई जा सकें।

किंतु इस प्रशासनिक सुविधा के दूसरे पहलू पर नजर डालें तो नागरिक अधिकार संगठनों और संविधानविदों की चिंताएं अत्यंत गंभीर और विचारणीय हैं। राजधानी में सत्ता के केंद्र से जन आंदोलनों को दूर धकेलने की यह प्रवृत्ति नई नहीं है, बल्कि पिछले चार दशकों में विरोध का पता तीन बार बदला जा चुका है। वर्ष 1988 तक इंडिया गेट के पास स्थित बोट क्लब देश के सबसे बड़े प्रदर्शनों का केंद्र हुआ करता था, जहाँ से संसद और राष्ट्रपति भवन सीधे दिखाई देते थे। अक्टूबर 1988 में चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में जब 5 लाख किसानों ने एक सप्ताह तक बोट क्लब पर डेरा डाला, तो सरकार ने सुरक्षा और व्यवस्था का हवाला देकर वहां प्रदर्शनों पर स्थायी रोक लगा दी और वर्ष 1993 में जंतर मंतर को नया विकल्प बनाया गया। वर्ष 2017 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने पर्यावरण और ध्वनि प्रदूषण के नियमों का हवाला देकर जंतर मंतर पर भी आंशिक पाबंदियां लगाईं, और अब वर्ष 2026 में इसे पूरी तरह से सूची से हटा दिया गया है।

बोट क्लब से जंतर मंतर और अब जंतर मंतर से बुराड़ी तथा कड़कड़डूमा के मैदानों तक का यह सफर वास्तव में सत्ता के गलियारों से आम जनता की भौतिक और मनोवैज्ञानिक दूरी बढ़ने की कहानी है। लोकतंत्र में किसी भी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का मूल उद्देश्य सरकार का ध्यान आकर्षित करना और राष्ट्रीय समाचार माध्यमों के जरिए अपनी बात देश के सामने रखना होता है। जंतर मंतर की भौगोलिक स्थिति उसे यह विशेष महत्व देती थी कि वहां बैठा सौ लोगों का एक छोटा समूह भी राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन जाता था। इसके विपरीत, उत्तरी दिल्ली का बुराड़ी मैदान या पूर्वी दिल्ली का कड़कड़डूमा क्षेत्र मुख्य प्रशासनिक केंद्र से 15 से 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। बाहरी इलाकों में प्रदर्शनों को स्थानांतरित करने से प्रशासन को भीड़ प्रबंधन में तो आसानी होगी, लेकिन इससे जन आंदोलनों की दृश्यता और प्रभावशीलता कम होने का पूरा अंदेशा है। जब विरोध की आवाज सत्ता के केंद्र से बहुत दूर किसी कोने में सिमट जाती है, तो उसकी अनदेखी करना तंत्र के लिए बहुत आसान हो जाता है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(क) और 19(1)(ख) देश के प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निशस्त्र सम्मेलन करने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी वर्ष 2018 के मजदूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत संघ मामले में स्पष्ट रूप से कहा था कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर नागरिकों के विरोध करने के अधिकार को पूरी तरह से निष्प्रभावी या अर्थहीन नहीं बनाया जा सकता। शासन का यह दायित्व है कि वह सुरक्षा और नागरिक स्वतंत्रता के बीच एक स्वस्थ संतुलन कायम करे। यदि सुरक्षा चुनौतियों और शहरी यातायात के दबाव के कारण जंतर मंतर से प्रदर्शनों को हटाना अपरिहार्य ही था, तो सरकार और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि रामलीला मैदान, बुराड़ी और कड़कड़डूमा के नए स्थलों पर आने वाले नागरिकों की आवाज अनसुनी न रहे। लोकतंत्र की गरिमा इसी में है कि प्रदर्शन का मैदान भले ही बदल जाए, लेकिन जनता की पीड़ा को सुनने की सत्ता की संवेदनशीलता कभी कम न हो।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
गुरूवार 15 अक्टूबर 2026

भारत-आसियान मिलकर करेंगे समुद्री सुरक्षा और रक्षा तकनीक पर काम : राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली, (वार्ता)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत ऐसा हिंद-प्रशांत क्षेत्र चाहता है, जहां छोटे-बड़े सभी देश अपने फैसले खुद ले सकें, अपने हितों की रक्षा करें और शांति से विकास करें। उन्होंने भारत और आसियान देशों से समुद्री सुरक्षा, रक्षा तकनीक, साइबर खतरों और आपदा प्रबंधन में सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। श्री सिंह बुधवार को यहां मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान में पहले आसियान-भारत रक्षा थिंक टैंक फोरम को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत और आसियान का साझा हित शांति, स्थिरता, समृद्धि और खुले एवं समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में है। भारत की एक्ट ईस्ट नीति, सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) और महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए साझा एवं समग्र प्रगति) की सोच सहयोग और बहुपक्षीय व्यवस्था को बढ़ावा देती है।

उन्होंने कहा कि भारत की हिंद-प्रशांत नीति में आसियान के नेतृत्व वाले क्षेत्रीय मंचों की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा, समुद्र में तनाव और अनिश्चितता के साथ आतंकवाद, साइबर अपराध, समुद्री डकैती, मानव तस्करी, अवैध मछली पकड़ने, जलवायु संबंधी आपदाओं और जरूरी आपूर्ति व्यवस्था पर खतरे बढ़ रहे हैं। कोई भी देश अकेले इन चुनौतियों से नहीं निपट सकता। देशों को मतभेदों पर समय रहते शांतिपूर्ण बातचीत करनी चाहिए, अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करना चाहिए और ऐसा क्षेत्रीय माहौल बनाना चाहिए, जहां किसी देश पर किसी एक पक्ष को चुनने का दबाव न हो।

श्री सिंह ने भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, व्यापारिक और वैचारिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति क्षेत्र के देशों के साथ समान भागीदारी की दीर्घकालिक

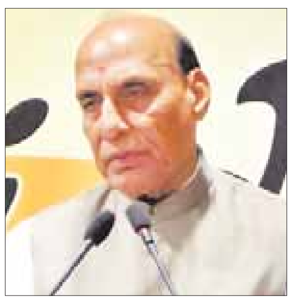

प्रतिबद्धता है। भारत और आसियान के हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण एक-दूसरे के पूरक बन सकते हैं। क्षेत्रीय मंचों के बीच प्रतिस्पर्धा पैदा करने के बजाय सहयोग मजबूत किया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद महासागर और दक्षिण-पूर्व एशिया के समुद्री क्षेत्र आपस में जुड़े हैं और व्यापार, ऊर्जा, लोगों तथा जरूरी सामान की आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनकी सुरक्षा साझा जिम्मेदारी है। इसके लिए समुद्री गतिविधियों की निगरानी, नौसेनाओं और तटरक्षक बलों के बीच तालमेल तथा समुद्र के नीचे की गतिविधियों से जुड़ी जानकारी साझा करना जरूरी है। वर्ष 2026 को आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष घोषित किए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि साझा हितों को ठोस कार्रवाई में बदलना चाहिए। इसके तहत समुद्री जानकारी साझा करने, नौसेनाओं और तटरक्षक बलों के सहयोग तथा आपात स्थिति में संयुक्त प्रतिक्रिया की क्षमता बढ़ाने पर काम होना चाहिए। समुद्री डकैती, तस्करी, अवैध मछली पकड़ने और अन्य खतरों से अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार निपटना जरूरी है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन, साइबर क्षमताएं और अंतरिक्ष आधारित प्रणालियां रक्षा क्षेत्र में तेजी से महत्वपूर्ण हो रही हैं। हाल के संघर्षों ने दिखाया है कि कम लागत वाले ड्रोन भी महंगी रक्षा प्रणालियों के लिए चुनौती बन सकते हैं। इसलिए व्यावहारिक, किफायती और जरूरत के अनुसार बदले जा सकने वाले समाधान विकसित करने होंगे। उन्होंने भारत और आसियान के नवाचारकर्ताओं से ड्रोन रोधी प्रणाली, साइबर रक्षा, समुद्री निगरानी और आपदा प्रबंधन जैसे तय क्षेत्रों में मिलकर काम करने की संभावनाएं तलाशने को कहा। इसके लिए संयुक्त शोध परियोजनाएं, साझा परीक्षण, युवा शोधकर्ताओं का आदान-प्रदान और विशेष नवाचार चुनौतियां शुरू की जा सकती हैं।

श्री सिंह ने कहा कि भारत आसियान देशों की जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुसार गश्ती जहाज, रडार, वायु रक्षा प्रणाली, हेलीकॉप्टर, ड्रोन और अन्य रक्षा तकनीकों में सहयोग तलाशने को तैयार है। आत्मनिर्भर भारत का उद्देश्य घरेलू क्षमता मजबूत करना है, लेकिन आत्मनिर्भरता का मतलब अलग-थलग रहना नहीं है। इससे भरोसेमंद साझेदारों के साथ उपकरणों के डिजाइन, निर्माण, रखरखाव और सुधार के अवसर पैदा हो सकते हैं। उन्होंने संयुक्त विकास और उत्पादन, रखरखाव, मरम्मत एवं ओवरहॉल, प्रशिक्षण तथा लंबे समय तक तकनीकी सहायता देने पर जोर दिया।

एक दशक के लंबे इंतजार के बाद खुलेगा चीन-उत्तर कोरिया को जोड़ने वाला नया पुल, मजबूत होंगे व्यापारिक रिश्ते

बीजिंग

चीन और उत्तर कोरिया को आपस में जोड़ने वाला नया यालू नदी पुल एक दशक से अधिक समय की देरी के बाद कल यानी गुरुवार को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। दोनों देशों के बीच मजबूत होते रणनीतिक और आर्थिक संबंधों के बीच चीनी शहर डांडोंग को उत्तर कोरिया के सिनुइजू शहर से जोड़ने वाले इस पुल की लंबाई 3 किलोमीटर है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, दोनों देश न्यू यालू रिवर ब्रिज के उद्घाटन के लिए एक समारोह आयोजित करेंगे। चार लेन वाला यह 3 किलोमीटर लंबा पुल चीन के उत्तर-पूर्वी शहर डैंडोंग को उत्तर कोरिया के शहर सिनुइजु से जोड़ेगा।

इस पुल के खुलने की उम्मीद तब से की जा रही थी जब चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग जून में किम के साथ बैठक के लिए प्योंगयांग गए थे। अपनी शिखर बैठक के दौरान, शी ने व्यापार, कृषि, निर्माण और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने की बीजिंग की इच्छा जाहिर की थी, जबकि किम ने चीन के साथ संबंधों को सबसे बड़ी रणनीतिक प्राथमिकता बताया था। दरअसल, इस पुल के 2014 में खुलने की संभावना था। चीन की तरफ से पहुंचने वाली सड़कें, कस्टम सुविधाएं और अन्य संबंधित बुनियादी ढांचे का निर्माण 2014 में लगभग पूरा कर लिया गया था। लेकिन उत्तर कोरिया की तरफ से इससे संबंधित कोई काम नहीं किया गया, जिसके चलते यह इंतजार बढ़ गया। उत्तर कोरिया की तरफ से कोई ठोस काम न होने पर अटकलें लगाई गई कि उत्तर कोरिया आर्थिक निर्भरता बढ़ने से डर रहा था या फिर वह इस बात से नाराज था कि चीन ने उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को कड़ा करने वाले संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के पक्ष में वोट दिया था। कुछ जानकारों का कहना था कि पुल की जगह को लेकर भी उत्तर कोरिया और चीन के बीच मतभेद थे।

दक्षिण कोरिया के इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल यूनिफिकेशन के एनालिस्ट जियोंग यून-ई के अनुसार, उत्तर कोरिया-चीन पुल बहुत बड़ा है और इस पर चौबीसों घंटे दोनों तरफ से कंटेनर और भारी कार्गो ट्रक समेत गाड़ियां चल सकती हैं। इस नए लिंक से डैंडोंग-सिनुइजु रूट पर मौजूद पुराने पुल पर बोझ कम होने की उम्मीद है। इस पुराने पुल से दोनों देशों के बीच 70 प्रतिशत से यादा आधिकारिक व्यापार होता है।

सऊदी अरब ने श्रीलंकाई प्रवासी मजदूर की मौत की सजा पलटी

कोलंबो, (वार्ता)। सऊदी अरब के सुप्रीम कोर्ट ने श्रीलंकाई प्रवासी मजदूर अनोज़न शिवरासा को सुनाई गई मौत की सजा को कथित तौर पर पलट दिया है। श्रीलंका मीडिया डेली मिरर के अनुसार श्री शिवरासा को सऊदी अरब की एक अपील अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। एक लंबी प्रक्रिया के बाद, उन्होंने 11 अक्टूबर 2026 को सऊदी सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की। अपील दायर होने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने अपील अदालत के फैसले को पलट दिया। श्रीलंका सरकार ने श्री शिवरासा की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाया और इस अपील पर आगे बढ़ने के लिए सऊदी अरब में एक विशेष कानूनी प्रतिनिधिमंडल भेजा था। श्रीलंका के उप विदेश मंत्री ने भी एक फेसबुक पोस्ट में फैसले के पलटे जाने की पुष्टि की है।

श्रीलंका के उप विदेश मंत्री अरुण हेमचंद्र ने कहा कि वह सऊदी अरब सरकार के सहयोग और राजदूत, अधिकारियों, तथा श्रीलंकाई और सऊदी कानूनी टीमों के समर्पित प्रयासों के लिए शुक्रिया अदा करते हैं। सूत्रों ने बताया कि सऊदी अरब में श्रीलंका के राजदूत अमीर अजवाद ने भी श्री शिवरासा की रिहाई सुरक्षित करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों का नेतृत्व करने में अहम भूमिका निभाई। इस फैसले से श्रीलंका के लोगों ने राहत की सांस ली है। इससे पहले, मौत की सजा पाने वाली श्रीलंकाई प्रवासी मजदूर रिहाना नफीक को माफी दिलाने के प्रयासों के बावजूद फांसी दे दी गई थी।

दिल्ली के विकास के लिए हर क्षेत्र में केंद्र का साथ मिला : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, (वार्ता)

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा और राष्ट्रसेवा के 25 साल पूरे होने पर केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली के विकास में केंद्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। श्रीमती गुप्ता ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि दिल्ली कैबिनेट ने प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और देश के विकास में उनके योगदान की सराहना करते हुए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा दिल्ली को अपनी प्राथमिकताओं में रखा और जरूरत पड़ने पर राजधानी की मदद के लिए आगे आए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कार्यकाल के पहले दिन से लेकर

अब तक दिल्ली को केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलता रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने राजनीतिक कारणों से केंद्र की कुछ योजनाओं को अपनाने में रुचि नहीं दिखाई। फरवरी 2025 में दिल्ली में उनकी सरकार बनने के बाद केंद्र की योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाने की दिशा में काम किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य दिल्लीवासियों को स्वास्थ्य, आवास और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने आयुष्मान भारत योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि दिल्ली में इस योजना को लागू करने के साथ केंद्र सरकार की ओर से मिलने वाले पांच लाख रुपये के स्वास्थ्य कवर में राज्य सरकार की ओर से पांच लाख रुपये अतिरिक्त जोड़े गए हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, अब तक करीब नौ लाख लोग इस योजना के तहत नामांकन करा चुके हैं और लगभग 65 हजार दावों का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने वय वंदना योजना और जन औषधि योजना का भी जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि दिल्ली में अब तक करीब 425 आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए जा चुके हैं और सरकार का लक्ष्य इनकी संख्या बढ़ाकर लगभग 1,100 करना है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार दिल्लीवासियों को आवास उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार की योजनाओं को दिल्ली में प्रभावी ढंग से लागू करने से आम लोगों को लाभ मिल रहा है और सरकार विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। श्रीमती गुप्ता ने इंडिया गठबंधन के विरोध-प्रदर्शन और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एसआईआर देश में पहली बार नहीं हो रहा है, बल्कि चुनाव आयोग समय-समय पर यह प्रक्रिया कराता रहा है।

थाईलैंड की नई सियासी पहचान: 60 डॉलर की कैसियो घड़ी बनी मंत्रियों और राजनेताओं के बीच स्टेटस सिंबल

बैंकॉक। थाईलैंड की राजनीति में जहां महंगी और ब्रांडेड घड़ियों का शौक पुराना रहा है, वहीं इन दिनों एक अनोखा ट्रेंड चर्चा में है। यहां प्रधानमंत्री की तरफ उपहार में दी जाने वाली करीब 60 डॉलर यानी 5600 रुपये से भी कम कीमत की कैसियो घड़ी राजनेताओं और मंत्रियों के बीच सत्ता की नजदीकी का सबसे बड़ा प्रतीक बन गई है। इस घड़ी की नई पहचान के मामले को ऐसे मसझिए कि रेट्रो-फ्यूचरिस्टिक डिजाइन वाली इस डिजिटल घड़ी मॉडल Casio AE1200WH पर थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल का नाम खुदा हुआ है। इस घड़ी को कैसियो रोयले नाम दिया गया है। बता दें कि आजकल यह घड़ी देश के कैबिनेट मंत्रियों, वरिष्ठ नौकरशाहों और राजनीतिक सहयोगियों की कलाई पर आसानी से देखी जा सकती है। इसे पहनने वाले नेताओं को राजनीतिक गलियारों में कैसियो कनेक्शन कहा जाने लगा है, जो प्रधानमंत्री के करीब होने का संकेत देता है।

अच्छा, खास बात यह है कि प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल बैंकॉक या अपने दौरों के दौरान छोटी दुकानों और बाजारों से खुद इन घड़ियों को खरीदते हैं। इसके बाद उन पर अपना नाम खुदवाकर अपने खास सहयोगियों को उपहार में देते हैं पीएम से इस घड़ी को उपहार के तौर पर पाने वाले डिप्टी ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर सिरिपोंग अंकासकुलकियात ने बताया कि वे कैबिनेट मीटिंग के बाद से इसे लगभग हर दिन पहनते हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि इस घड़ी के मिलने के बाद उन्होंने हजारों डॉलर की अपनी महंगी लग्जरी घड़ियों को पहनना लगभग बंद ही कर दिया है। दूसरी तरफ, राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही ये घड़ियां बहुत महंगी नहीं हैं, लेकिन प्रधानमंत्री का यह निजी तोहफा राजनीतिक हलकों में काफी मायने रखता है। सिंगापुर के इस्ट्स-यूसोफ इशक इंस्टीट्यूट के फेलो नापोन जातुसरीपिटक के अनुसार, प्रधानमंत्री का यह तोहफा प्राप्तकर्ता के मन में उनके प्रति वफादारी और एहसान का भाव पैदा कर सकता है।

इतना ही नहीं इस घड़ी को पाने वालों में वे प्रभावशाली नेता भी शामिल हैं जो प्रधानमंत्री के सत्ताधारी गठबंधन में शामिल होने की जुगत में हैं। इससे राजनीतिक दलों के बीच नए समीकरण बनने की अटकलें तेज हो गई हैं। गौरतलब है कि थाईलैंड के राजनेताओं का महंगी घड़ियों से पुराना नाता रहा है। साल 2017 में तत्कालीन उप-प्रधानमंत्री प्रवित वोंगसुवान को लेकर बड़ा विवाद हुआ था, जब उन पर 10 लाख डॉलर से अधिक मूल्य की 22 लग्जरी घड़ियां रखने के आरोप में एंटी-ग्राफ्ट जांच बैठी थी। हालांकि, उन्होंने दावा किया था कि ये घड़ियाँ उन्होंने एक अमीर दोस्त से उधार ली थीं, जिसके बाद उन्हें क्लीन चिट मिल गई थी। गौर करने वाली बात यह भी है कि प्रधानमंत्री अनुतिन खुद करीब 1.8 मिलियन डॉलर से अधिक मूल्य की 22 लग्जरी घड़ियों के मालिक हैं और हाल ही में उन्हें रोलेक्स पहने देखा गया था।

ममता ने आशुतोष एवं सौरव की गिरफ्तारी की निंदा की

नयी दिल्ली, (वार्ता)

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़े आशुतोष रंका और सौरव दास की गिरफ्तारी की निंदा की। सुश्री बनर्जी ने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई का मकसद युवाओं की पूरी पीढ़ी को डराना और उनकी आवाज दबाना है। उन्होंने लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर विरोध करने का आह्वान करते हुए कहा कि लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई जारी रहनी चाहिए। उन्होंने अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक पोस्ट में कहा, हमने और हमसे पहले की कई पीढ़ियों ने अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए मजबूती से लड़ाई लड़ी है। हमें ऐसा करना जारी रखना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने गिरफ्तारियों को असहमति को दबाने की कोशिश बताते हुए कहा, यह समय हम सभी के लिए है कि हम अपनी महान लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए एकजुट होकर लड़ने का संकल्प लें और खड़े हों। यह एक पूरी पीढ़ी को डराने और चुप कराने की कोशिश है। यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा, हमें अपने संवैधानिक अधिकारों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने देश के कई हिस्सों में लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को कमजोर किए जाने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि पश्चिम बंगाल में 14,000 लोग पुलिस और राजनीतिक अत्याचारों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, देश के कई हिस्सों में लोकतंत्र की हत्या हो रही है। इस समय बंगाल में हमारे 14,000 लोग पुलिस और राजनीतिक अत्याचारों का शिकार हो रहे हैं। सुश्री बनर्जी ने सरकार पर निशाना साधते हुए सरकार के उस लोकतांत्रिक सिद्धांत का ज़िक्र किया जिसके अनुसार सरकार जनता की, जनता के द्वारा और जनता के लिए होती है।

उन्होंने कहा कि जो सरकार इस बुनियादी सिद्धांत को भूल गयी है, वह अपने अंत के करीब है। उन्होंने युवाओं से सीधे अपील करते हुए कहा, लाखों युवाओं से मैं कहती हूँ आपकी दीदी आपके साथ है , आज और हमेशा , आइए हम सब मिलकर खड़े हों और अपनी भारत माता को बचायें।

पोप के फेफड़े के कैंसर की सफल सर्जरी : वेटिकन

वेटिकन, (वार्ता)

पोप लियो(पन्द्रहवें) के दाहिने फेफड़े के निचले हिस्से की कैंसरग्रस्त कोशिकाओं (लोब) को निकालने के लिए की गई सर्जरी सफल रही है बीबीसी ने वेटिकन के एक मेडिकल बुलेटिन के हवाले से बुधवार को यह जानकारी दी। रोम के जेमेली अस्पताल में 71 वर्षीय पोप की मंगलवार को 90 मिनट की सर्जरी हुई । वेटिकन ने कहा, सर्जरी सफल रही और कोई दिक्कत नहीं हुई।सर्जरी के बाद पोप सामान्य रूप से जागे और कुछ देर निगरानी में रहने के बाद अपने कमरे में लौट आए। इस गांठ का पता सबसे पहले रूटीन जांच में चला। उम्मीद है कि पोप लगभग एक हफ्ते तक अस्पताल में रहेंगे। इससे पहले,

अस्पताल के बाहर बड़ी संख्या में लोग घंटों तक पोप का इंतज़ार करते रहे। जब पोप वहां से गुज़रे थे तो लोगों ने उत्साह के साथ उनका अभिवादन किया और शुभकामनाएं दीं; । वेटिकन ने अपने बयान में कहा कि पोप के दाहिने फेफड़े का पूरा निचला हिस्सा इसलिए निकाला गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इलाज पूरी तरह से असरदार हो। वेटिकन के एक सूत्र ने एजेन्स फ्रांस-प्रेस समाचार एजेंसी को बताया कि यह पता लगाने के लिए और टेस्ट किए जा रहे हैं कि कहीं कैंसर फैलने के कोई संकेत तो नहीं हैं। सूत्र ने बताया कि उनके फेफड़े में मौजूद गांठ या उभार सीमित है जिनका पता बहुत शुरुआती स्तर पर ही चल गया था लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें इसे निकलवाने की सलाह दी है। जेमेली की थोरैसिक सर्जरी टीम ने पोप की सर्जरी की; उन्हें ठीक होने का समय देने के लिए 20 अक्टूबर तक उनके सभी कार्यक्रम पहले ही रद्द कर दिए गए हैं। वेटिकन ने बताया कि गांठ का होना काफी आम बात है और ये ज़रूरी नहीं कि कैंसर वाले ही हों, लेकिन जांच के बाद मेडिकल टीम ने पुष्टि की कि यह पल्मोनरी एडेनोकार्सिनोमा था, जैसा कि ऑपरेशन से पहले हुए टेस्ट में शक था।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

अड़ीवी शेष ने असम सरकार से की काजीरंगा नेशनल पार्क और लुप्तप्राय गैंडों की सुरक्षा की अपील

अभिनेता और लेखक अड़ीवी शेष ने असम सरकार को पत्र लिखकर काजीरंगा नेशनल पार्क से जुड़ी जमीन पर रिसॉर्ट बनाने की कथित मंजूरी को लेकर चिंता जताई है।अड़ीवी शेष ने सरकार से वन्यजीवों, पर्यावरण और पार्क के आसपास पीढ़ियों से रह रहे स्थानीय समुदायों के हितों को प्राथमिकता देने तथा प्रस्तावित निर्माण के संभावित प्रभावों की समीक्षा करने की अपील की है। पर्यावरण संरक्षण के समर्थक अड़ीवी शेष ने अपने पत्र में कहा कि काजीरंगा अपनी समृद्ध जैव विविधता और लुप्तप्राय एक सींग वाले गैंडों की बड़ी आबादी के लिए प्रसिद्ध है। यह भारत की महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहर है, जिसकी रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने पर्यावरण के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों से वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास, उनके आवागमन के रास्तों और पारिस्थितिक संतुलन पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को लेकर चिंता जताई। अड़ीवी शेष ने कहा, प्रकृति हमारी नहीं है, हम तो सिर्फ कुछ समय के लिए इसके रखवाले हैं। जब हम काजीरंगा जैसी जगह की बात करते हैं, तो हम सिर्फ किसी राष्ट्रीय उद्यान या पर्यटन स्थल की बात नहीं कर रहे होते, बल्कि एक ऐसे जीवंत पर्यावरण की बात कर रहे होते हैं, जो कई पीढ़ियों से मौजूद है। यह अनोखे वन्यजीवों का घर और हमारी प्राकृतिक धरोहर है, जिस पर हर भारतीय का हक है और कई मायनों में यह पूरी दुनिया की धरोहर है।

फैशन ब्रांड नुवा की चीफ क्रिएटिव ऑफिसर बनीं बरखा सिंह

बरखा सिंह महिलाओं के फुटवियर ब्रांड नुवा से चीफ क्रिएटिव ऑफिसर के रूप में जुड़ी हैं। बरखा सिंह इस भूमिका में वह ब्रांड की संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अवनि जैन के साथ मिलकर उत्पादों के डिजाइन, ब्रांड की पहचान और रचनात्मक प्रस्तुति को विकसित करने में योगदान देंगी। मसाबा मसाबा, क्रिमिनल जस्टिस, इंजीनियरिंग गर्ल्स और प्लीज फाइंड अटैड जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकीं बरखा सिंह अब फैशन के प्रति अपने जुनून को कारोबार का रूप दे रही हैं। वह वैश्विक फैशन रुझानों को भारतीय महिलाओं की पसंद और जरूरतों के अनुरूप पेश करने पर ध्यान देंगी 2026 में स्थापित नुवा महिलाओं के जूतों और सैंडल का ब्रांड है, जो मुख्य रूप से ऑनलाइन माध्यम से अपने उत्पाद बेचता है। ब्रांड का उद्देश्य स्टाइल और आराम का संयोजन पेश करना है। इसके उत्पादों में स्टेडी-फॉर्म फुटबेड और स्टाइल-स्विच तकनीक शामिल हैं। इस तकनीक के तहत हील्स बदलने की सुविधा के लिए पेटेंट आवेदन किया गया है। नुवा से जुड़ने पर बरखा सिंह ने कहा कि किसी ब्रांड को शुरुआती दौर से विकसित करने और उसकी रचनात्मक पहचान बनाने का अवसर उनके लिए खास है। फैशन हमेशा से उनका जुनून रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश ऐसे उत्पाद तैयार करने की होगी, जो आधुनिक होने के साथ भारतीय महिलाओं की पसंद और आकांक्षाओं के अनुरूप हों।

माधुरी दीक्षित ने रचा इतिहास, कोण होणार करोड़पति की पहली महिला होस्ट बनीं, महाराष्ट्र में नंबर वन बना शो

बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने मराठी क्विज शो कोण होणार करोड़पति के आठवें सीजन की पहली महिला होस्ट बनकर इतिहास रच दिया है। माधुरी की शानदार होस्टिंग और खास अंदाज के बीच शो महाराष्ट्र में सबसे यादा देखा जाने वाला कार्यक्रम बन गया है। वहीं, दर्शकों की लोकप्रियता के मामले में यह पूरे भारत में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

माधुरी दीक्षित अपनी अदाकारी और स्क्रीन पर प्रभावशाली मौजूदगी के लिए जानी जाती हैं। अब वह होस्ट के रूप में भी दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। शो की लोकप्रियता महाराष्ट्र में 14 गुना और पूरे भारत में 36 गुना बढ़ने का दावा किया गया है। इसके पीछे शो के अनूठे प्रारूप के साथ माधुरी दीक्षित की ऊर्जा और दर्शकों से जुड़ने का उनका अंदाज अहम माना जा रहा है।

कोण होणार करोड़पति के आठवें सीजन में माधुरी दीक्षित की मौजूदगी मराठी टेलीविजन के लिए एक नया अध्याय है। इस शो को उनसे पहले सचिन खेडेकर, स्वप्निल जोशी और निर्देशक नागराज मंजुले होस्ट कर चुके हैं। अब पहली महिला होस्ट के रूप में माधुरी दीक्षित दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बना रही हैं।

शो की बढ़ती लोकप्रियता और दर्शकों की भागीदारी माधुरी दीक्षित की होस्टिंग के प्रति लोगों के जुड़ाव को दर्शाती है।

नवरात्रि के चौथे दिन रॉयल ब्लू साड़ी में विद्या बालन ने बिखेरा जलवा

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने नवरात्रि के चौथे दिन रॉयल ब्लू रंग की साड़ी में अपनी खूबसूरत तस्वीरें साझा कर पारंपरिक शाही अंदाज से प्रशंसकों का ध्यान आकर्षित किया।विद्या बालन ने अपना यह पारंपरिक लुक मां कूष्मांडा को समर्पित किया। विद्या बालन की साड़ी पर की गई बारीक सुनहरी कढ़ाई, आकर्षक ईयररिंग्स और खूबसूरत आभूषणों ने उनके लुक को खास बना दिया। रॉयल ब्लू रंग की साड़ी में उनका शाही अंदाज भारतीय पारंपरिक परिधानों की समृद्ध विरासत और खूबसूरती को दर्शाता है। नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है। उन्हें ऊर्जा, तेज और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। विद्या बालन का पारंपरिक अंदाज त्योहार के उत्सवी रंगों और भारतीय संस्कृति के प्रति उनके लगाव को दर्शाता है। इस बीच, विद्या बालन अपनी आगामी फिल्म जेलर 2 को लेकर भी चर्चा में हैं। फिल्म में वह कांता के किरदार में नजर आएंगी।

आज छिंदवाड़ा में होगी भाजपा की संभागीय बैठक

हेमंत खण्डेलवाल करेंगे अध्यक्षता; राज्यपाल डॉ. ढालसिंह बिसेन का होगा सम्मान

- सिवनी सहित चार जिलों के संगठन की होगी समीक्षा
- कमजोर बूथों और सेवा संकल्प अभियान पर रहेगा फोकस
- प्रदेश महामंत्री (संगठन) चन्द्रशेखर भी रहेंगे मौजूद

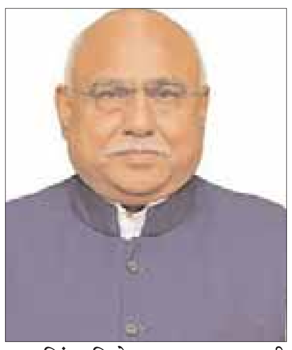

सिवनी, स्वतंत्र मत। भारतीय जनता पार्टी के छिंदवाड़ा संभाग की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार, 15 अक्टूबर को छिंदवाड़ा के अग्रवाल पैलेस, नरसिंहपुर रोड पर दोपहर 2 बजे से आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री चन्द्रशेखर जी तथा भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं छिंदवाड़ा संभाग प्रभारी डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी की विशेष उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में देवभूमि उत्तराखंड के महामहिम राज्यपाल बनने पर डॉ. ढालसिंह बिसेन का सम्मान भी किया जाएगा। भाजपा के मीडिया विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, बैठक में छिंदवाड़ा, बालाघाट, सिवनी और पांढुर्णा जिलों के संगठनात्मक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। परिचय सत्र के साथ प्रारंभ होने वाली इस बैठक में संभाग के चारों जिलों में संगठन की गतिविधियों, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा की जाएगी।

संभागीय बैठक में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे की स्थिति की समीक्षा करते हुए बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने और संगठन विस्तार की रणनीति पर मंथन होगा। कमजोर मंडलों एवं बूथों की स्थिति, जिलेवार संगठनात्मक चुनौतियों और अन्य राजनीतिक दलों की गतिविधियों की जानकारी भी समीक्षा के प्रमुख विषयों में शामिल रहेगी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों, कार्यक्रमों की प्रगति और आगामी आयोजनों पर भी चर्चा होगी। जिलों में वरिष्ठ नेताओं के प्रवास तथा संगठनात्मक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा कर

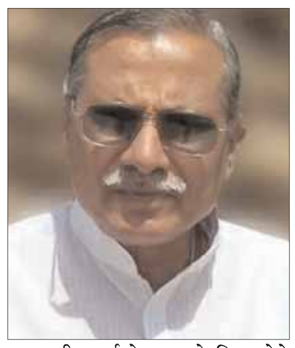

आगामी कार्ययोजना को दिशा देने पर जोर रहेगा। ठक में संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री, कार्यालय मंत्री एवं कोषाध्यक्ष सहित संगठन के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। इसके अतिरिक्त जिलों में निवासरत प्रदेश पदाधिकारियों, प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों, विभिन्न मोर्चों के जिला अध्यक्षों, मोर्चों के प्रदेश पदाधिकारियों तथा प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजकों की सहभागिता भी अपेक्षित है। सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक और पूर्व जिला अध्यक्षों को भी बैठक में आमंत्रित किया गया है। जिलों की कोर कमेटियों द्वारा निर्धारित संख्या में अन्य प्रमुख कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल और प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री चन्द्रशेखर की उपस्थिति में होने वाली यह बैठक संभागीय संगठन की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसमें चारों जिलों की संगठनात्मक स्थिति का आकलन कर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने, कमजोर क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने और आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने की रणनीति पर चर्चा होगी।

डॉ. ढालसिंह बिसेन का भव्य सम्मान समारोह

वही देवभूमि उत्तराखंड के महामहिम राज्यपाल के रूप में नई संवैधानिक जिम्मेदारी मिलने पर डॉ. ढालसिंह बिसेन का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल की विशेष उपस्थिति में होने वाला यह सम्मान समारोह मध्यप्रदेश के राजनीतिक एवं संगठनात्मक क्षेत्र में डॉ. बिसेन के योगदान और उनकी नई उपलब्धि के अभिनंदन का महत्वपूर्ण अवसर होगा। संभागीय बैठक के दौरान आयोजित इस समारोह में पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उनकी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए उनका सम्मान करेंगे।

पूर्व सांसद डॉ. ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल बनाए जाने पर सिवनी में हर्ष

सिवनी मध्यप्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं सिवनी जिले से संबंध रखने वाले पूर्व सांसद डॉ. ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर जिले में हर्ष का माहौल है।

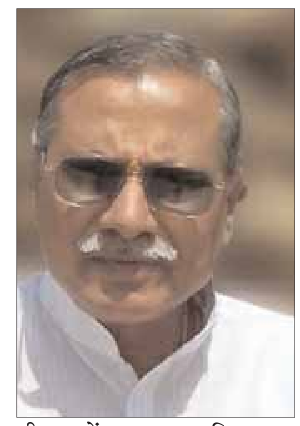

सिवनी, स्वतंत्र मत। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनकी नियुक्ति की घोषणा की गई। इस खबर के सामने आने के बाद सिवनी सहित प्रदेशभर में उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। डॉ. ढाल सिंह बिसेन का जन्म सिवनी जिले के पिपरिया गांव में हुआ। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में चार बार विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन में कैबिनेट मंत्री और सांसद के रूप में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाई। वे वर्ष 2019 से 2024 तक सिवनी बालाघाट लोकसभा क्षेत्र से सांसद थे। उनकी राज्यपाल पद पर नियुक्ति को सिवनी जिले के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है।

महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने गोद ग्राम एरपा का किया भ्रमण

सिवनी, स्वतंत्र मत। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिवनी (म.प्र.) के वाणिज्य विभाग द्वारा आज दिनांक 14 अक्टूबर 2026 को शासन की योजना उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद ग्राम एरपा का भ्रमण किया गया द्य भ्रमण के दौरान महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के समस्त स्टाफ़, छात्र-छात्राएं एवं ग्राम पंचायत एरपा के सदस्यों द्वारा स्वास्थ्य, साक्षरता एवं स्वच्छता के संबंध में स्लोगन एवं नारे के माध्यम से जन जागरूकता रैली निकाली गई।

रैली के पश्चात् संबंधित ग्राम एरपा के मंदिर परिसर में ग्रामवासियों के साथ बैठक कर शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में विचार विमर्श किया गया जिसमें उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी विभाग प्रमुख डॉ. एस.पी.सिंह सर द्वारा ग्रामवासियों को दी गई, ताकि ग्रामीण युवाओं को उच्च शिक्षा से जोड़कर उन्नति की ओर अग्रसर किया जा सके। इसके पश्चात् मन्दिर परिसर में सामूहिक वृक्षा रोपण का कार्यक्रम किया गया।

अंत में कॉमर्स विभाग द्वारा समस्त ग्रामीण जनो का आभार व्यक्त किया गया। इस भ्रमण में महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ. एस. पी.सिंह, डॉ.सी.एल अहिरवार, डॉ. चंद्रकला अरमोती, डॉ. ज्योति कुमरे ,डॉ. नरेंद्र कुमार वासनिक ,डॉ सुमन यादव, प्रो. अजय मिश्रा, डॉ. रंजीता बघेल, प्रो. विकास हेडाउ , महेंद्र परते, ग्राम सरपंच श्रीमती सरोज बाई मंगल सिंह ठाकरे ,रोजगार सहायक राजेश सनोडिया, पंच श्री जगन्नाथ सनोडिया, श्री राम रतन सनोडिया , राकेश कुमार सनोडिया , रेवाराम विश्वकर्मा, शुभम सनोडिया भागचंद सनोडिया, सुषमा विश्वकर्मा ,धर्मेंद्र सनोडिया मेखलाल बाबा , अंजू सनोडिया, जमना सनोडिया शुभम सनोडिया एवं महाविद्यालय के लगभग 50 विद्यार्थीगण सम्मिलित रहे ।

गंगानगर मां दुर्गा उत्सव पूजा समिति के रक्तदान शिविर में 51 यूनिट रक्तदान

सिवनी, स्वतंत्र मत। मानव सेवा और परोपकार की भावना को साकार करते हुए गंगानगर मां दुर्गा उत्सव पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में आज 51 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर में समिति के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की मदद करने का संकल्प प्रदर्शित किया। शिविर के आयोजन का उद्देश्य रक्त की आवश्यकता वाले मरीजों को सहायता उपलब्ध कराने तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। समिति के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर यह संदेश दिया कि रक्तदान महादान है और इससे किसी जरूरतमंद को नया जीवन मिल सकता है। इस अवसर पर सदस्यों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को सफल बनाया। 51 यूनिट रक्त संग्रह होने पर समिति के सदस्यों में उत्साह देखा गया। समिति ने सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए मानव सेवा के कार्यों में आगे भी योगदान देने की भावना दिखाई। रक्तदान के इस पुनीत कार्य के माध्यम से गंगानगर मां दुर्गा उत्सव पूजा समिति ने समाज को सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दिया।

भरवेली में पीडीएस चावंल की अवैध बिक्री का खुलासा, सतनाम ट्रेडर्स से 44 बोरी चावल जब्त

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी के निर्देश पर प्रशासन, खाद्य विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने 14 अक्टूबर को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के चावल की अवैध बिक्री के मामले में कार्रवाई की। जांच के दौरान शासकीय उचित मूल्य दुकान भरवेली (शक्ति कुंज) से सतनाम ट्रेडर्स, मानेगांव को 14 बोरी फोर्टिफाइड चावल बेचते हुए पकड़ा गया।

जिला आपूर्ति अधिकारी संत कुमार भलावी ने बताया कि कार्रवाई के दौरान जांच टीम ने सतनाम ट्रेडर्स, मानेगांव में भी जांच की, जहां 44 बोरी फोर्टिफाइड पीडीएस चावल मिला। टीम ने उक्त चावल जब्त कर लिया है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई नायब तहसीलदार श्रीमती मंजुला महोबिया, सहायक आपूर्ति अधिकारी पहल सिंह वलाडी एवं थाना प्रभारी भरवेली की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

प्रकरण में सतनाम ट्रेडर्स, मानेगांव के रविंद्र कुमार लिल्हारे, शासकीय उचित मूल्य दुकान भरवेली (शक्ति कुंज) के प्रबंधक लोकचंद गौतम तथा सह-विक्रेता योगेश जैतवार के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वितरित किए जाने वाले खाद्यान्न की अवैध बिक्री एवं अनियमितताओं पर निगरानी रखी जा रही है। मामले में जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पानीपत की तर्ज पर 40 किलो वजनी मुकुट धारण कर निकलेंगे दीपक महाराज

परसवाड़ा। विजयादशमी पर्व पर ग्राम लिंगा में 20 अक्टूबर को भव्य दशहरा शोभायात्रा निकाली जाएगी। श्री महावीर सेवादल समिति, हनुमान मंदिर लिंगा के तत्वावधान में आयोजित इस शोभायात्रा में दीपक महाराज पानीपत की तर्ज पर करीब 40 किलोग्राम वजनी मुकुट धारण कर हनुमान जी के स्वरूप में ग्राम भ्रमण करेंगे। बैंड-बाजे, नगाड़ों और आकर्षक झांकियों से सुसज्जित शोभायात्रा के बाद दशहरा मैदान में रावण के प्रतीकात्मक पुतले का दहन किया जाएगा। समिति अध्यक्ष देवेंद्र एड़े ने बताया कि दशहरा महापर्व के तहत 11 अक्टूबर को सुबह 8 बजे हनुमान जी महाराज के स्वरूप दर्शन और सुबह 9 बजे श्रीराम मंदिर प्रांगण में चोला चढ़ाने का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके बाद 18 अक्टूबर को पूजन एवं महाआरती होगी।

सिकल सेल पीड़ित के सहयोग के लिए आगे आई कौमी एकता कमेटी

सिवनी, स्वतंत्र मत। सिकल सेल से पीड़ित राम बगस कुमरे उम्र 55 वर्ष पिता धन सिंह कुमरे निवासी ग्राम डूंगरिया रैयत तहसील लखनादौन विगत दिनों से जिला चिकित्सालय में भर्ती हुए बीमारी के चलते शरीर में अत्यंत खून की कमी हो जाने पर परिवार के सदस्य बेटी प्रीति धुर्वे द्वारा कौमी एकता कमेटी के अध्यक्ष असलम बाबा एवं उपाध्यक्ष एडवोकेट राम राजेश डहेरिया को अपनी पीड़ा बताई। असलम बाबा एवं राम राजेश डेहरिया जी तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचकर मरीज देखा एवं उसकी निस्वार्थ मदद के लिए तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचकर उसका सहयोग किया। जिससे जिला चिकित्सालय द्वारा निशुल्क रक्त प्रदान किया गया। असलम बाबा ने जिला चिकित्सालय का दिल से धन्यवाद अदा किया साथ ही मरीज के परिजनों ने जिला चिकित्सालय धन्यवाद अदा किया। एवं कौमी एकता कमेटी के द्वारा निस्वार्थ किए जा रहे जनहित कार्यों की सराहना की और कौमी एकता कमेटी की भूरि भूरि प्रशंसा की।

बालाघाट में जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूप, दो पक्षों में खूनी संघर्ष!

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के लाँजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोरीखुर्द मे जमीन और मकान निर्माण को लेकर उपजा विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। जहाँ 14 अक्टूबर की सुबह करीब 8 बजे दो पक्ष आमने-सामने आ गए और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें कई लोगों के घायल हो गए। विवाद को लेकर हुई पूछताछ मे एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लोहे की रॉड और कुल्हाड़ी से हमला करने का आरोप लगाया, तो दूसरे पक्ष ने भी अपने विरोधी पक्ष पर पत्थरों से हमला किए जाने की शिकायत की है। जहाँ घटना के बाद घायलों को सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। वही मामले को लेकर पुलिस जांच में जुटी है। जहाँ घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है, जिसे लेकर पुलिस तहकीकात कर रही है। ग्राम बोरीखुर्द मे दो पक्षो मे हुए विवाद को लेकर घायल छत्तर नगपुरे ने जानकारी देकर आरोप लगाया कि वह अपने मकान की दीवार पर प्लास्टर कराने के लिए दीवार मे जमी काई की सफाई कर रहा था। इसी दौरान पड़ोसी भागवत नागपुरे, डिलेश्वरी नागपुरे, योगेश नागपुरे सहित अन्य लोगों ने विवाद शुरू किया और मारपीट भी शुरू कर दी। जहाँ छत्तर नगपुरे का आरोप है कि उन पर लोहे की रॉड और कुल्हाड़ी से वार किए गए। जहाँ हमले में उनके सिर, हाथ और पैर में चोटें आई। उन्होंने पैर में गंभीर चोट लगने और सिर पर गहरी चोट आने की बात कही हैं। वहीं दूसरे पक्ष की कहानी भी अलग है। दूसरे पक्ष मे घायल महिला डीलेश्वरी नागपुरे ने विरोधी पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि विरोधी पक्ष द्वारा उनकी जमीन पर मकान का निर्माण कराया जा रहा था। इसी दौरान पड़ोसी तुलसीराम उर्फ गुलाम नागपुरे, छत्तर नगपुरे और उनके परिवार की महिलाओं के साथ विवाद हुआ। डीलेश्वरी का आरोप है कि पड़ोसी पक्ष मकान निर्माण रोकने और बनाई जा रही छत को तोड़ने का प्रयास कर रहा था। जिसका विरोध किया गया तो उन्होंने मारपीट शुरू की और पत्थरों से हमला किया गया। महिला के मुताबिक, इस घटना में उनके शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। बोरी खुर्द की इस घटना में दोनों पक्ष एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। एक ओर दीवार की सफाई के दौरान हमले का आरोप है, तो दूसरी ओर मकान निर्माण को लेकर विवाद बढ़ने की बात सामने आई है।

लुट रही बावनथड़ी, प्रशासन मौन!

किसके संरक्षण में चल रहा है बेधड़क रेत खनन का काला कारोबार?

कटंगी(स्वतंत्र मत)। कटंगी विधानसभा क्षेत्र की जीवनदायिनी कही जाने वाली बावनथड़ी नदी आज खुद अपने अस्तित्व के लिए चीख रही हैं। पठार अंचल की इस नदी की छाती को दिन-रात सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रालियां चीर रही हैं और रेत का सीना चाक-चाक कर अवैध परिवहन किया जा रहा हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इस बेखौफ और बेधड़क खनन पर शासन-प्रशासन की आंखें पूरी तरह से मूंदी हुई हैं। राजस्व, पुलिस और खनिज विभाग की यह रहस्यमयी चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है और दबी जुबान में लोग पूछ रहे हैं कि आखिर इस लूट पर किसका संरक्षण प्राप्त है?

स्थानीय लोगों के अनुसार, बावनथड़ी नदी के घाटों जैसे बोनकट्टा, हरदोली, आजनबिहरी, बड़पानी सहित पठार अंचल के कई घाटों पर शाम ढलते ही रेत खनन का खेल शुरू हो जाता है जो अलसुबह तक चलता है। दिन में भी बेखौफ होकर सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत का अवैध परिवहन कर रही हैं। नदी में जेसीबी मशीनों से गहरे गड्ढे खोदकर रेत निकाली जा रही है, जिससे नदी का प्राकृतिक स्वरूप बिगड़ रहा है।

सब विभाग मौन, कार्रवाई शून्य...

रेत के अवैध कारोबार को रोकने की जिम्मेदारी राजस्व, खनिज और पुलिस तीनों विभागों की है, लेकिन तीनों ही इस मामले में कुंभकर्णी नींद में सोए हुए हैं। न तो कहीं जांच होती है, न कार्रवाई और न ही कोई ट्रैक्टर पकड़ा जाता हैं।

ग्रामीणों द्वारा कई बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारी मौके पर जाना भी मुनासिब नहीं समझते। इस मौन ने रेत माफियाओं के हौसले इतने बुलंद कर दिए हैं कि वे खुलेआम नदी को लूट रहे हैं। लोगों में चर्चा है कि बिना बड़े संरक्षण के इतने बड़े पैमाने पर यह कारोबार संभव ही नहीं है।

विधायक की चुप्पी पर उठ रहे सवाल...

इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चर्चा कटंगी विधानसभा क्षेत्र के विधायक की चुप्पी को लेकर हो रही है। विपक्ष में रहते हुए जो नेता अक्सर मंचों से गरजते थे कि क्षेत्र की नदियों को बचाना है, रेत को बचाना है, पानी की समस्या उत्पन्न होगी, इसके लिए आंदोलन करना पड़ेगा, आज सत्ता और पद पर रहते हुए उन्हीं नदियों की लूट पर उनकी चुप्पी लोगों को चुभ रही है। जनता पूछ रही है कि जब बावनथड़ी नदी सरेआम लूटी जा रही है, तब जनप्रतिनिधि के तौर पर उनकी जिम्मेदारी क्या है?

कौन है असली खिलाड़ी?

नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में लोग दबी जुबान में तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। कोई कह रहा है कि रेत के इस खेल में सफेदपोशों का हाथ है, तो कोई इसे विभागीय मिलीभगत बता रहा है। किसानों और पर्यावरण प्रेमियों में भारी आक्रोश हैं। उनका कहना हैं कि अगर समय रहते बावनथड़ी को नहीं बचाया गया तो आने वाले 2-3 सालों में पठार अंचल में जलसंकट विकराल रूप ले लेगा। बावनथड़ी केवल रेत की नदी नहीं, बल्कि हजारों किसानों की आजीविका और पीने के पानी का आधार है।

नदी बचाओ आंदोलन की जरूरत...

स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों और जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि बावनथड़ी नदी में हो रहे अवैध रेत खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो और नदी के संरक्षण के लिए ठोस नीति बनाई जाए। अगर प्रशासन अब भी नहीं जागा तो वह दिन दूर नहीं जब कटंगी की जीवनदायिनी बावनथड़ी केवल नक्शे में एक नाले के रूप में रह जाएगी। अब देखना यह होगा कि खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन की नींद खुलती है या फिर रेत माफिया इसी तरह बेखौफ होकर नदी का सीना चीरते रहेंगे और प्रशासन मूकदर्शक बना रहेगा।

पवार समाज का गौरव बढ़ा: केसर बिसेन ने राज्यपाल डॉ. ढालसिंह बिसेन को दी बधाई

कटंगी(स्वतंत्र मत)। उत्तराखंड के महामहिम राज्यपाल के रूप में डॉ. ढालसिंह बिसेन की नियुक्ति पर पूरे पवार समाज में हर्ष और गौरव का माहौल है। इस ऐतिहासिक नियुक्ति पर राष्ट्रीय पवार क्षत्रिय महासभा महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती केसर बिसेन ने उनके निवास पहुंचकर आत्मीय भेंट की और पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर ग्राहक पंचायत के जिला अध्यक्ष आशुतोष बिसेन और वरिष्ठ समाजसेवी जयरंजन बिझोड़े भी मौजूद रहे। उन्होंने भी महामहिम राज्यपाल डॉ. ढालसिंह बिसेन का स्वागत कर उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। मुलाकात के दौरान पवार समाज की सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक प्रगति को लेकर भी चर्चा हुई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष केसर बिसेन ने इस अवसर पर कहा कि डॉ. ढालसिंह बिसेन जी का राज्यपाल जैसे गरिमामय पद पर पहुंचना केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि पूरे पवार क्षत्रिय समाज का सम्मान है। उन्होंने कहा, डॉ. ढालसिंह बिसेन जी ने अपने लंबे राजनीतिक और सामाजिक जीवन में हमेशा ईमानदारी, सादगी और जनसेवा को अपना आदर्श बनाया है। सिवनी की धरती से निकलकर उत्तराखंड जैसे महत्वपूर्ण राज्य के राज्यपाल बनना हम सभी के लिए प्रेरणा है। यह नियुक्ति साबित करती है कि परिश्रम और निष्ठा से किया गया कार्य एक दिन जरूर रंग लाता है। उनके इस पद पर पहुंचने से देश-विदेश में बसे हर पवार समाज के व्यक्ति का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। केसर बिसेन ने आगे कहा कि महिला प्रकोष्ठ की ओर से वे महामहिम राज्यपाल को आश्वस्त करती हैं कि पवार समाज शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके दिखाए मार्ग पर आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने पवार समाज की प्रतिभा को इतना बड़ा सम्मान दिया। उल्लेखनीय है कि डॉ. ढालसिंह बिसेन मध्यप्रदेश के वरिष्ठ नेता रहे हैं और बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र से सांसद बने इस क्षेत्र से उनका गहरा नाता रहा है।

प्रशासन ने दशहरा पर्व को लेकर तय की व्यवस्थाएं

शाम 5 बजे से यातायात प्रतिबंध, आजाद चौक से सुभाष चौक तक वाहनों की आवाजाही पर रोक

1. आशीष तिवारी IAS - कलेक्टर कटनी

2. अभिनव विश्वकर्मा IPS - पुलिस अधीक्षक कट

3. तपस्या परिहार IAS - निगमायुक्त

4. हरसिमरन प्रीत IAS - CEO जिला पंचाय

कटनी (स्वतंत्रमत)।

दशहरा चल समारोह को लेकर जिला प्रशासन ने यातायात, सुरक्षा और प्रतिमा विसर्जन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। 20 अक्टूबर को शाम 5 बजे से निकलने वाले चल समारोह के दौरान आजाद चौक से सुभाष चौक सहित प्रमुख स्थानों पर ऑटो रिक्शा और चारपहिया वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। वहीं, चांडक चौक, घंटाघर, गर्ग चौराहा, सुभाष चौक और रेलवे स्टेशन क्षेत्र की शराब दुकानें शाम 5 बजे से कार्यक्रम समाप्त होने तक बंद रहेंगी। प्रशासन ने समारोह के दौरान भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के लिए संबंधित विभागों को जरूरी इंतजाम करने को कहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, चल समारोह में सबसे पहले गोल बाजार रामलीला कमेटी के रावण महाराज, राम दरबार और दुर्गा प्रतिमा शामिल होंगे। इसके बाद पुलिस वाहन, घंटाघर रामलीला कमेटी का राम दरबार, हनुमानजी और अन्य दलों के साथ दुर्गा प्रतिमाएं निकलेंगी। समारोह के मद्देनजर प्रमुख मार्गों पर प्रकाश, पेयजल और सीसीटीवी की व्यवस्था की जाएगी। भारी वाहनों का शहर में प्रवेश भी निर्धारित समय के अनुसार प्रतिबंधित रहेगा।

चौपाटी ग्राउंड में रावण दहन, सुरक्षा के इंतजाम

शासकीय चिकित्सालय के पास स्थित चौपाटी ग्राउंड में रावण दहन कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला प्रशासन ने आयोजन स्थल पर अग्निशमन वाहन, अग्नि सुरक्षा, बैरिकेडिंग और पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था करने को कहा है। भीड़ नियंत्रण के लिए आयोजन क्षेत्र को जरूरत के अनुसार जोन और सेंटर में बांटकर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। चल समारोह से पहले सीवर कार्य के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों और गड्ढों की मरमत कराने के साथ नीचे लटक रहे बिजली के तारों को सुरक्षित ऊंचाई पर व्यवस्थित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

निर्धारित जलकुंडों में ही होगा प्रतिमा विसर्जन

दुर्गा प्रतिमाओं और जवारों के विसर्जन के लिए मोहन घाट, गाटर घाट सहित नगर निगम द्वारा निर्मित जलकुंडों का उपयोग किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी आवश्यकता के अनुसार जलकुंड बनाए जाएंगे। नदियों, तालाबों और नालों में सीधे विसर्जन पर रोक रहेगी। अधिक जलभराव और दुर्घटना की आशंका के चलते कटाये घाट और अमीरगंज तालाब में भी विसर्जन प्रतिबंधित रहेगा। विसर्जन स्थलों पर प्रकाश, पेयजल, साफ-सफाई, पुलिस बल और एसडीआरएफ की व्यवस्था की जाएगी।

पांच स्थानों की शराब दुकानें रहेंगी बंद, चौपाटी ग्राउंड में होगा रावण दहन

डीजे और पीओपी प्रतिमाओं पर प्रतिबंध

जिला प्रशासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार, दुर्गा पंडालों में मिट्टी की प्रतिमाएं स्थापित करनी होंगी और आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों से अनुमति लेनी होगी। पंडालों में विद्युत सुरक्षा और सीसीटीवी सहित आवश्यक इंतजाम करना अनिवार्य रहेगा। प्रतिमा विसर्जन और पंडालों में डीजे प्रतिबंधित रहेगा। चल समारोह में लाठी-डंडे और अस्त्र-शस्त्र के उपयोग पर भी रोक रहेगी।

चिकित्सा, पुलिस और निगरानी की रहेगी व्यवस्था

प्रशासन ने 18 से 20 अक्टूबर तक संवेदनशील स्थानों, ढाबों और सार्वजनिक स्थलों पर निगरानी रखने को कहा है। प्रमुख आयोजन स्थलों पर चिकित्सक, दवाइयां और एम्बुलेंस उपलब्ध रहेंगी। जिला एवं पुलिस कंट्रोल रूम में भी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। पुलिस, नगर निगम, यातायात, विद्युत, स्वास्थ्य और लोक निर्माण विभाग सहित सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

दशरथ-कैकेयी संवाद देख भावविभोर हुए दर्शक

प्रभावशाली संवाद अदायगी और सजीव अभिनय ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

कटनी (स्वतंत्रमत)।

गोल बाजार रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला में राजा दशरथ और रानी कैकेयी के बीच हुए संवाद का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों की प्रभावशाली संवाद अदायगी और सजीव अभिनय ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रसंग की मार्मिक प्रस्तुति के दौरान मैदान में मौजूद श्रद्धालु भाव विभोर नजर आए। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष गोलबाजार रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने यहां पहुंचकर भगवान श्रीराम एवं माता सीता की पूजा अर्चना करते हुए आरती उतारी। गोलबाजार रामलीला समिति के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में रामायण के महत्वपूर्ण प्रसंगों का मंचन कर भगवान श्रीराम के आदर्शों को जनजन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। दशरथ कैकेयी संवाद ने दर्शकों को वचन की मर्यादा, कर्तव्य और त्याग के महत्व से परिचित कराया। रामायण में दशरथ कैकेयी संवाद का विशेष महत्व है। कैकेयी द्वारा राजा दशरथ से पूर्व में दिए गए दो वरदान मांगने और उनमें श्रीराम के वनवास की मांग का प्रसंग कथा को निर्णायक मोड़ देता है। एक ओर राजा दशरथ पुत्र वियोग की पीड़ा से व्याकुल होते हैं, वहीं दूसरी ओर वचन निभाने की मर्यादा उनके सामने धर्मसंकट खड़ा कर देती है। इसी भावनात्मक द्वंद्व को कलाकारों ने अपने अभिनय के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम शहर की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ा रहा है।

सिंगरौली में बैंक डकैती का कटनी कनेक्शन, मास्टरमाइंड ने कटनी में भी कबूली वारदात

कटनी (स्वतंत्रमत)। सिंगरौली जिले के बैढ़न में स्थित महाराष्ट्र बैंक में दिनदहाड़े 15 करोड़ की डकैती के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी ने कटनी में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया जाना कबूल किया है। आरोपी के बरगवां स्थित मणिपुरम गोल्ड फाईनेंस बैंक में हुई डकैती की वारदात में शामिल होने की जानकारी मिली है। इस खबर के बाद कटनी पुलिस भी एक्टिव हो गई है। जानकारी के मुताबिक सिंगरौली जिला मुख्यालय स्थित महाराष्ट्र बैंक में 17 अप्रैल को दिनदहाड़े 15 करोड़ की डकैती हुई थी। इस मामले में सिंगरौली पुलिस बिहार के पटना निवासी पीयूष जायसवाल को ओडिशा की जेल से प्रोडशन वारंट पर लेकर आई है। पुलिस के मुताबिक पीयूष जायसवाल बिहार का बेहद शातिर अपराधी है। पूछताछ में सामने आया कि वह 2021 से अब तक पांच साल में अलग-अलग राज्यों और जिलों में करीब 90 किलो से ज्यादा सोना लूट चुका है। उसने गिरोह के साथ पहली बड़ी वारदात 2022 में राजस्थान में की थी, जहां 24 किलो सोना और नकदी लूटा था। इसके बाद कटनी और राजस्थान के जयपुर में भी करीब 22 किलो सोने की लूट को अंजाम दिया था।

दशहरा-नवरात्रि पर पंडालों की सुरक्षा जांची

अग्निशमन और अतिक्रमण विभाग की संयुक्त मॉकड्रिल

कटनी (स्वतंत्रमत)। नवरात्रि और दशहरा पर्व के दौरान आगजनी या अन्य आपात स्थिति में फायर ब्रिगेड की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम की टीम ने शहर के प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया। आयुत तपस्या परिहार के निर्देश पर अग्निशमन और अतिक्रमण विभाग की संयुक्त टीम ने मॉकड्रिल कर पंडालों की सुरक्षा व्यवस्था तथा दमकल वाहनों के आवागमन की स्थिति का जायजा लिया। शाम 6 बजे शुरू हुआ निरीक्षण सुभाष चौक, खोबा मंडी, कारगिल चौक, गर्ग चौराहा, शहीद द्वार, नई बस्ती, आदर्श कॉलोनी, चांडक चौक, रविदास चौराहा, केलवारा फाटक, गाटर घाट, आजाद चौक, शेर चौक, झंडा बाजार, सराफा मार्केट, कमानिया गेट होते हुए रेलवे स्टेशन तक किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि प्रमुख मार्गों पर लगे टेंट और पंडाल व्यवस्थित पाए गए। मॉकड्रिल का उद्देश्य त्योहारों के दौरान आपात स्थिति से निपटने की तैयारी और दमकल वाहनों के लिए रास्ते सुगम बनाए रखना है। कार्रवाई में सहायक फायर प्रभारी शैलेन्द्र कुमार दुबे सहित अग्निशमन और अतिक्रमण विभाग की टीम मौजूद रही।

खुले नाले में गिरा दुर्गा प्रतिमा ले जा रहा युवक

गर्ग चौराहे पर चकाजाम से कुछ देर यातायात रहा बाधित, प्रशासनिक व्यवस्था पर उठे सवाल

कटनी (स्वतंत्रमत)। नवरात्रि पर्व के उल्लास के बीच मंगलवार शाम शहर में एक हादसे ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए। दुर्गा प्रतिमा लेकर जा रहा एक युवक रास्ते में खुले पड़े नाले में जा गिरा। हादसे में युवक के पैर में गंभीर चोट आने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद आक्रोशित साथियों और स्थानीय रहवासियों ने गर्ग चौराहे पर चकाजाम कर दिया। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा।

खुले नाले को लेकर लोगों में आक्रोश

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक अपने साथियों के साथ दुर्गा प्रतिमा लेकर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में खुले नाले के कारण वह अचानक उसमें गिर गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों में नाराजगी फैल गई। लोगों का आरोप है कि शहर के कई स्थानों पर खुले नाले और असुरक्षित स्थान हादसों का कारण बन रहे हैं। त्योहार के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और दुर्गा प्रतिमाओं के आवागमन को देखते हुए भी पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए।

पुलिस ने संभाला मोर्चा

चकाजाम की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और लोगों को समझाईश देकर शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस ने यातायात व्यवस्था बहाल कराने की कार्रवाई की, जिसके बाद धीरे-धीरे आवागमन सामान्य हुआ। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और नगर निगम से खुले नालों को तत्काल ढकने तथा त्योहारों के दौरान प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

पटाखा व्यापारियों ने एक बार फिर प्रशासन से लगाई गुहार, जनसुनवाई में दिया आवदेन

कटनी (स्वतंत्रमत)। दीपावली को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पटाखा बाजार के लिए लाइसेंस की प्रक्रिया शुरू की गई है, इस सबके बीच माधवनगर के आधा दर्जन से अधिक पटाखा व्यापारी पिछले दो साल से लाइसेंस नवीनीकण के लिए प्रशासन के चक्कर काट रहे हैं। उन्होंने एक बार फिर जनसुनवाई में लाइसेंस नवीनीकण के लिए आवेदन दिया। पटाखा व्यापारियों ने बताया कि वे 2015 से आबादी क्षेत्र से दूर इमलिया रोड के पास माधवनगर मुक्तिधाम में अनुज्ञप्ति लेकर पर पटाखा भंडारण एवं विक्रय कर रहे थे। कुछ वर्ष पहले पटाखा बााजर के पास पेट्रोल पंप शुरू हुआ। जिसके बाद प्रशासन के आदेश पर पटाखा व्यापारियों द्वारा पेट्रोल पंप के सामने से 8-10 दुकानें हटाई गई। व्यापारियों ने मार्च 2024 में तीन वर्ष की फीस जमा कर दी लेकिन आज तक लायसेंस नवीनकरण नहीं किया गया। पटाखा व्यापारी अशोक कुमार भाषाणी, देवीदास तुल्सयानी, अनिल कुमार मनूरामानी, खेमचंद पोपटानी, सुनील कुमार जसूजा, नरेशकुमार वासवानी, आकाश कुमार पोपटानी वल्द खेमचंद एवं सुरेन्द्र कुमार पोपटानी ने एक बार फिर प्रशासन को आवेदन देकर लायसेंस नवीनीकरण करने की मांग की है। लायसेंस नवीनीकरण करने में अगर विलंब हो रहा है तो फिलहाल इस वर्ष दीवाली पर एक माह का अस्थायी लायसेंस दिया जाए।

नगर निगम परिषद की बैठक में चर्चित मामलों पर चर्चा

सुधार न्यास की योजना क्रमांक 17 के लिए अधिग्रहित भूमि से संबंधित विषय भी शामिल

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगरपालिक निगम कटनी का सामान्य सम्मिलन आज हो रहा है। समेलन की लेकर सरगर्मी इसलिए रही क्योंकि कई ऐसे मामले परिषद की बैठक में लाये जा सकते हैं, जो काफी समय से विवादों में हैं। प्रस्तावित नगर सुधार न्यास की योजना क्रमांक 17 के लिए अधिग्रहित भूमि से संबंधित विषय भी आज की बैठक में शामिल है। इस पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिया जाना है। वहीं, प्रमोटर स्कीम के अंतर्गत कटनी रेलवे स्टेशन के पास स्थित विश्राम गृह क्रमांक-2 के स्थान पर वाणिज्यिक केंद्र विकसित करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जाएगा। इसके अतिरित निगम अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर भी चर्चा की जा सकेगी। सामान्य समिलन को नगर विकास और नगरीय व्यवस्थाओं से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार करने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक बरगवां स्थित नगर सुधार न्यास की योजना क्रमांक 17 की जमीन का मामला एक बार फिर चर्चा में है। भूमि अधिग्रहण, मुआवजे और अनापत्ति प्रमाणपत्र से जुड़े इस पुराने प्रकरण में जनप्रतिनिधियों की विशेष रुचि भी चर्चा का विषय बनी हुई है। आखिर इस जमीन के मामले में ऐसा क्या है, जिस पर लंबे समय से अलग-अलग स्तरों पर कवायद जारी है? इसे लेकर शहर में तरह-तरह की चर्चाएं हैं और बड़े खेल की आशंकाएं भी जताई जा रही हैं। अब जांच समिति की अनुशंसा के बाद मामला निगम परिषद में प्रस्तुत होना है। ऐसे में परिषद का निर्णय और पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच महत्वपूर्ण होगी।

क्या है पूरा मामला?

कटनी नगर सुधार न्यास द्वारा वर्ष 1988 में योजना क्रमांक 17 तैयार की गई थी, जिसके तहत ग्राम बरगवां के खसरा नंबर 209/3, 209/4, 210/1, 211/2 में कुल 5.643 हेक्टेयर भूमि (जिसमें 2.10 हेटेयर शासकीय तथा 3.523 हेक्टेयर निजी भूमि शामिल थी) को शामिल किया गया था। इस योजना के अंतर्गत भू-स्वामियों (सी.एम. मेकाय, डी.आई. डेनियल, पैट्रिक रॉबर्ट डन, टी.सी. डन एवं एम.आर. डन) की भूमि का अधिग्रहण किया गया था। हालांकि, विकास व्यय जमा कराने और अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी होने के बाद भी भूमि अधिग्रहण एवं भवन अनुज्ञा को लेकर विवाद बना रहा, जिसके चलते मामला न्यायालय तक पहुंचा।

फांसी पर लटकी मिली युवक की लाश, कारण अज्ञात, जांच में जुटी पुलिस

कटनी (स्वतंत्रमत)। शाहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चौपरा में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब खेत में एक बेर के पेड़ पर 28 वर्षीय युवक का शव फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान विष्णु सिंह पिता कमलेश सिंह 28 वर्ष निवासी ग्राम चौपरा के रूप में की गई। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे खेत में बेर के पेड़ पर युवक का शव लटका हुआ दिखाई दिया। इसके बाद शाहनगर पुलिस को सूचना दी गई। मृतक के भाई के अनुसार विष्णु सिंह सुबह घर से खेत जाने की बात कहकर निकले थे।

जब काफी समय बीत जाने के बाद भी वह घर वापस नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान खेत में उनका शव मिलने की जानकारी सामने आई। सूचना पर पहुंची शाहनगर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पंचनामा कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहनगर भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। युवक की मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। शाहनगर पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

पत्रकारों की सुरक्षा पेंशन व आवास की मांग

11 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

प्रदेश के प्रिंट, इलेट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों की सुरक्षा, समान और सामाजिक-आर्थिक संरक्षण को लेकर राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद की कटनी जिला इकाई ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम कलेक्टर आशीष तिवारी को 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। परिषद ने शासन से मांग की है कि पत्रकारों की लंबे समय से लंबित समस्याओं का त्वरित निराकरण करते हुए ठोस नीतियां लागू की जाएं। परिषद के जिलाध्यक्ष गोपाल सिंघानिया ने बताया कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकार विषम परिस्थितियों में जनहित के मुद्दे उठाते हैं, लेकिन आज भी वे मूलभूत सुरक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक संरक्षण के अभाव से जूझ रहे हैं। संगठन ने शासन से इन मांगों पर संवेदनशीलता से विचार कर शीघ्र आदेश जारी करने का आग्रह किया है। प्रमुख 11 सूत्रीय मांगों में ग्रामीण व तहसील स्तर के पत्रकारों को अधिमान्यता मिले तथा अनुभव की अनिवार्यता 20 वर्ष से घटाकर 5 वर्ष की जाए। पत्रकार श्रद्धा निधि की पात्रता आयु 62 वर्ष से घटाकर 50 वर्ष की जाए और वरिष्ठ व आर्थिक रूप से कमजोर पत्रकारों के लिए समान पेंशन लागू हो। पत्रकारों पर हमले, धमकी और उत्पीड़न रोकने हेतु प्रदेश में कड़ा पत्रकार सुरक्षा कानून लागू हो। जिला मुख्यालय पर पत्रकार भवनों का निर्माण और पत्रकारों के लिए आवासीय कॉलोनियां विकसित की जाएं। मीडियाकर्मियों को रेल व बस यात्रा में विशेष रियायत तथा टोल टैक्स से छूट दी जाए। ज्ञापन सौंपते सम उपाध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव, कृपानंद तिवारी, सचिव मनीष सेकसरिया, संजय शर्मा, संगठन मंत्री प्रमोद खंपरिया, प्रवता प्रकाश जैन, सह-प्रवता अरविंद गुप्ता, समाज विकास प्रकोष्ठ के मयंक जैन, मनोज प्यासी, बाल्मिक पांडे, विजयराघवगढ़ तहसील अध्यक्ष अजय त्रिपाठी, राकेश चतुर्वेदी, सुनील रावत और नीरज अग्रवाल सहित कई मीडियाकर्मी मौजूद रहे।

आमने-सामने टकराई बाइक, एक की मौत

कटनी (स्वतंत्रमत)। रीठी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम टहकारी के समीप मंगलवार को दो मोटरसाइकिलों में आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक महिला, एक पुरुष और दो मासूम बच्चे भी शामिल हैं। घटना मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे उमरिया से कुपिया-वसुधा रोड पर टहकारी गांव के नजदीक हुई। दोनों बाइकें आमने-सामने से टकराई। ठोकर इतनी तेज थी कि एक व्यक्ति की मौत मौके पर ही हो गई। बाकी पांच लोग गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े मिले। सूचना मिलते ही रीठी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत डायल 112 की सहायता से सभी घायलों को उपचार के लिए रीठी के शासकीय अस्पताल रवाना कराया। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार हादसे में घायल सभी लोग कुठला थाना क्षेत्र की बिलहरी चौकी अंतर्गत केमोरी गांव के निवासी हैं। हादसे में मृत हुए 44 वर्षीय सुरेश लोधी पिता राजकुमार लोधी निवासी व सिंहुड़ी के शव को रीठी अस्पताल लाया गया, जहां उनका पोस्टमार्टम कराया गया।

सुरक्षा और अधिकारों के प्रति किया जागरूक

कटनी (स्वतंत्रमत)। बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और अधिकारों को लेकर जिले के विभिन्न विकासखंडों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। बेटी बचाओ-बेटी प ढ़ाओ योजना के तहत छात्राओं को बाल विवाह की रोकथाम, लैंगिक अपराधों से संरक्षण और संकट के समय सहायता प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित इन कार्यक्रमों में हेल्पलाइन नंबरों और बालिकाओं की सुरक्षा से जुड़े कानूनों के बारे में भी बताया गया। बहोरीबंद विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवरी में परियोजना अधिकारी सतीश पटेल के नेतृत्व में प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। इसमें बाल विवाह प्रतिषेध और पॉसो अधिनियम2 012 के साथ बालिकाओं के अधिकारों पर जानकारी दी गई। रीठी विकासखंड के शासकीय माध्यमिक शाला बड़गांव में छात्राओं को महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों के बारे में बताया गया। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 और आपातकालीन सहायता नंबर 112 के उपयोग की जानकारी दी गई। विजयराघवगढ़ के शासकीय उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान, वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन नंबर 181 और पॉसो ई-बॉस के बारे में बताया गया।

बंगाल और गुजरात ने आसान जीत हासिल की

जेएंडके का मैच ड्रॉ रहा

नई दिल्ली/अहमदाबाद (वार्ता)

रणजी ट्रॉफी मुकाबलों में बुधवार को बंगाल और गुजरात ने आसान जीत दर्ज की। वहीं जम्मू-कश्मीर बनाम मध्यप्रदेश मुकाबला ड्रा रहा। सिद्धार्थ देसाई (पांच विकेट) और अरज़ान नागवासवाला (तीन विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत गुजरात ने एलीट ग्रुप सी मुकाबले में ओडिशा को 10 विकेट हरा दिया। आज यहां ओडिशा ने दूसरी पारी में कल के चार विकेट पर 119 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में सिद्धार्थ देसाई ने संबित बेजा (चार) रन को आउट कर गुजरात को पांचवी सफलता दिलाई। इसके बाद स्वास्तिक समल (एक), आशीर्वाद स्वैन (पांच) और राजेश मोहंती (तीन) को भी देसाई ने अपना शिकार बनाया। 47वें ओवर की पहली गेंद पर चितन गजा ने ललित यादव (छह) रन को बोल्ड कर 161 रनों के स्कोर पर गुजरात की दूसरी पारी का अंत कर दिया। गुजरात को जीत के लिए 47 रनों का लक्ष्य मिला। जिसे उसने 9.3 ओवरों में बिना कोई विकेट गंवाये हसिल कर लिया। आर्य देसाई ने 27 गेंदों में सात चौकों की मदद से नाबाद 37 रनों की पारी खेली। अभिषेक देसाई आठ रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात ने पहली पारी में वेदांत त्रिवेदी (108), आर्य देसाई (94) और उर्विल पटेल (85) और हर्षल पटेल (60) रनों पारियों की मदद से 106.4 ओवरो में 439 रन बनाये थे। वहीं ओडिशा ने पहली पारी में गौरव चौधरी (137) और संदीप पटनायक (69) की पारियो के दम पर 324 रन बनाये थे। वेदांत त्रिवेदी को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ मैच का पुरस्कार मिला। गुजरात इस जीत के साथ बोनस पॉइंट भी हासिल किया।

बंगाल ने दिल्ली को नौ विकेट से हराया

एक अन्य मैच में प्रदीप्त प्रमाणिक (तीन विकेट), आमिर गनी तथा सुमंता गुप्ता दो-दो विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन (नाबाद 34) और अंकुर पॉल (38) की शानदार पारियों की बदौलत बंगाल ने एलीट ग्रुप सी मुकाबले में दिल्ली को नौ विकेट से हरा दिया। दिल्ली के कप्तान आयुष बडोनी की संघर्षपूर्ण 85 रनों की पारी के बावजूद बंगाल ने रणजी ट्रॉफी अभियान की विजयी शुरुआत की। दिल्ली ने दिन की शुरुआत 101/3 से की और लगातार विकेट गंवाते रहे, जिससे उनकी दूसरी पारी 277 रन पर सिमट गई। प्रदीप्त प्रमाणिक ने तीन विकेट लिए, जबकि आमिर गनी और सुमंत गुप्ता ने दो-दो विकेट लिए। जीत के लिए केवल 89 रनों की जरूरत थी, बंगाल ने 15.3 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर लिया। अंकुर पॉल ने 38 रन बनाए जबकि कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन अंत तक नाबाद रहे और 34 रन बनाए।

सर्विसेज के खिलाफ़ महाराष्ट्र की 127 रनों की जीत

वहीं दिल्ली में सर्विसेज के खिलाफ़ महाराष्ट्र की 127 रनों की जीत में विक्की ओस्तवाल के पांच विकेट लेने का कारनामा अर्जुन शर्मा के पांच विकेट लेने के कारनामे पर भारी पड़ा। चौथे दिन पांच विकेट पर 66 रन के स्कोर से अपनी दूसरी पारी को आगे बढ़ाते हुए, महाराष्ट्र का स्कोर 102/2 हो गया था, लेकिन राजवर्धन हंगरगेकर के 43 रनों की बदौलत वे 141 रन तक पहुंचे। जीत के लिए 248 रनों की जरूरत थी, लेकिन सर्विसेज को लक्ष्य का पीछा करने का मौका नहीं मिला क्योंकि ओस्तवाल ने सिद्धेश वीर (3-27) और हितेश वालुंज (2-28) के साथ मिलकर लगातार अंतराल पर विकेट लिए और आखिरकार विपक्षी टीम को 120 रन पर ऑल आउट कर दिया।

बड़ौदा ने गोवा के खिलाफ़ बड़ी जीत हासिल की

भार्गव भट्ट के पांच विकेट और महेश पिठिया के चार विकेटों की बदौलत बड़ौदा ने पणजी में गोवा के खिलाफ़ एक पारी और 135 रनों से बड़ी जीत हासिल की और मैच से सात अंक बटोरे। फॉलो-ऑन मिलने के बाद दूसरी पारी में एक विकेट पर 35 रन से दिन की शुरुआत करने वाली गोवा की टीम 138 रनों पर सिमट गई। भट्ट और पिठिया ने मैच में कुल नौ-नौ विकेट लिए।

हरियाणा ने हिमाचल के खिलाफ़ जीत हासिल की

हरियाणा ने हिमाचल प्रदेश के खिलाफ़ सात विकेट से जीत हासिल की। दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 26 रन से करने के बाद, उन्होंने चौथे दिन 71 रनों का लक्ष्य 10 ओवर से भी कम समय में हासिल कर लिया। कनिष्क चौहान, जिन्होंने अर्धशतक लगाया और दो विकेट लिए, प्लेयर ऑफ़ द मैच चुने गए।

विजयवाड़ा में आंध्र के खिलाफ मैच ड्रॉ रहा

विजयवाड़ा में आंध्र के खिलाफ मैच ड्रॉ रहा, जिसमें मेज़बान टीम ने पहली पारी में बढ़त हासिल की थी। ऐसे में करुण नायर ने नाबाद 155 रन बनाकर कर्नाटक को मुश्किल से बचाया। कर्नाटक ने चौथे दिन की शुरुआत 6 विकेट पर 176 रन से की और जल्दी ही कुछ विकेट गंवा दिए। लेकिन करुण ने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ अच्छी बल्लेबाजी की और अपनी टीम को 9 विकेट पर 337 रन (पारी घोषित) तक पहुंचाया। जीत के लिए 194 रनों की ज़रूरत थी, लेकिन आंध्र ने 4 विकेट पर 104 रन बनाए और मैच ड्रॉ हो गया।

जम्मू-कश्मीर ने कड़े मुकाबले के बाद मैच ड्रॉ करा लिया

श्रीनगर में शुभम शर्मा ने शतक लगाया, जबकि आवेश खान और आर्यन पांडे ने तीन-तीन विकेट लिए। हालांकि, मध्य प्रदेश कोई नतीजा नहीं निकाल सका क्योंकि मेज़बान और मौजूदा चैंपियन जम्मू-कश्मीर ने कड़े मुकाबले के बाद मैच ड्रॉ करा लिया। कप्तान शुभम के नाबाद 106 रनों की बदौलत मध्य प्रदेश ने पांच विकेट पर 151 रन से दिन की शुरुआत करते हुए छह विकेट पर 249 रन (पारी घोषित) बनाए। जीत के लिए 326 रनों की ज़रूरत थी, लेकिन आवेश और आर्यन की घातक गेंदबाजी के आगे जेएडंके का स्कोर 5 विकेट पर 12 रन हो गया। निचले मध्य क्रम के बल्लेबाजों ने संघर्ष करने की कोशिश की लेकिन जेएंडके लगातार विकेट गंवाता रहा, जबकि बारिश और खराब रोशनी ने मध्य प्रदेश की चिंता बढ़ा दी। आखिरकार, आकिब नबी (नाबाद 30) और कन्हैया वधावन (नाबाद 27 - जो चोट के कारण रिटायर होने के बाद वापस आए थे) की संघर्षपूर्ण पारियों की बदौलत मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ और मेज़बान टीम ने 7 विकेट पर 88 रन बनाए।

सात्विक-चिराग और आयुष शेट्टी भी पहले राउंड में बाहर

ओपनहेगन (वार्ता)। डेनमार्क में भारत के बड़े खिलाड़ियों के जल्दी बाहर होने वालों की लिस्ट में सात्विक-चिराग भी शामिल हो गए हैं। उनसे पहले मंगलवार को पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन भी अपने शुरुआती मैच हार गए थे। बुधवार को डेनमार्क ओपन में भारत की टॉप पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा और वे पहले ही राउंड में बाहर हो गए। पुरुष डबल्स बैडमिंटन रैंकिंग में पांचवें स्थान पर मौजूद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को चीन के हे जिटिंग और रेन जियांगयु से 12-21, 21-15, 21-19 से हार मिली। मंगलवार को पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन भी सुपर 750 टूर्नामेंट के पहले राउंड में बाहर हो गए थे। सात्विक-चिराग ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की और पहले गेम में दबदबा बनाए रखा, लेकिन दूसरे गेम में बाजी पलट गई। हे जिटिंग और रेन जियांगयु ने इंटरवल तक 11-4 की बढ़त बना ली और मैच को निर्णायक गेम (डिसाइडर) तक ले गए। आखिरी गेम में काफी कड़ा मुकाबला रहा। चीनी जोड़ी ने इंटरवल तक 11-10 की मामूली बढ़त बनाई और फिर अपनी बढ़त को बनाए रखते हुए जीत हासिल की, जिससे भारतीय जोड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो गई। हे जिटिंग और रेन जियांगयु के खिलाफ चार मुकाबलों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की यह पहली हार थी। वहीं दूसरी ओर, पुरुष सिंगल्स में आयुष शेट्टी भी पहले राउंड में बाहर हो गए। उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 21-11, 13-21, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा। पहले गेम में आयुष शेट्टी की शुरुआत धीमी रही और जल्द ही वे 11-4 से पिछड़ गए, जबकि अल्वी फरहान ने बिना किसी परेशानी के पहला गेम जीत लिया। इसके बाद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने दूसरे गेम में वापसी की; इंटरवल तक वे 11-8 से आगे थे और उसके बाद सिर्फ़ पाँच पॉइंट गंवाकर मैच को निर्णायक गेम तक ले गए। हालाँकि, निर्णायक गेम भी पहले गेम जैसा ही रहा; आयुष शेट्टी इंटरवल तक 11-3 से पिछड़ गए और कभी वापसी नहीं कर पाए, जिससे अल्वी फरहान ने मैच जीत लिया और अगले दौर में अपनी जगह पक्की कर ली।

डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप आज दिल्ली गोल्फ क्लब में शुरू होगी

नई दिल्ली (वार्ता)। डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप 2026 गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के दिल्ली गोल्फ क्लब में शुरू होगी। 15 से 18 अक्टूबर तक चलने वाला यह आयोजन भारत के सबसे आकर्षक गोल्फ टूर्नामेंट का दूसरा संस्करण होगा। यह टूर्नामेंट 2026 रेस टू दुबई के बैक 9 प्रतिशत चरण में आठवां आयोजन है, जिसमें 144 खिलाड़ी नवंबर में डीपी वर्ल्ड टूर प्ले-ऑफ और सीज़न के अंत में डीपी वर्ल्ड टूर चैंपियनशिप से पहले महत्वपूर्ण अंक अर्जित करना चाहते हैं। ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोरी मैक्लरॉय टूर्नामेंट में लगातार दूसरी बार भाग लेने के लिए भारत लौटेंगे। नॉर्दन आयरिशमैन, जिन्होंने 2025 में मास्टर्स में अपना करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया, रिकॉर्ड-बराबर आठवें रेस टू दुबई खिताब के लिए

अपनी बोली मजबूत करना चाहेंगे। हालाँकि, वह वर्तमान में रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है और सीज़न के समापन के करीब आने पर उसे लीडर पैट्रिक रीड से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। गत चैंपियन टॉमी फ्लीटवुड, एक ओलंपिक पदक विजेता, पूर्व ओलंपिक चैंपियन जस्टिन रोज़ के साथ-साथ राइडर कप विजेता शेन लोरी और ल्यूक डोनाल्ड के साथ मैदान में उतरेंगे। मौजूदा ओपन चैंपियन रयान फॉक्स और साथी मेजर विजेता पैट्रिक रीड और आरोन राय स्टार-स्टडेड लाइन-अप में शामिल हैं। घरेलू चुनौती का नेतृत्व ओलंपियन शुभंकर शर्मा और 18 बार के वैश्विक विजेता अनिर्बान लाहिड़ी, करणदीप कोचर और शिव कपूर के साथ करेंगे। कुल 27 भारतीय गोल्फर मैदान में हैं। शुभंकर शर्मा पिछले हफ्ते कपिल देव इनविटेशनल टूर चैंपियनशिप में अपनी जीत के दम पर टूर्नामेंट में उतरे हैं, निर्बान लाहिड़ी सात सप्ताह के ब्रेक के बाद लौटे हैं। गगनजीत भुल्लर, जिन्होंने पिछले सप्ताह कृष्णा इंविटेशनल हैदराबाद में अपना पांचवां इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग खिताब और मौजूदा सीज़न का दूसरा खिताब जीता था।

एशियन गेम्स में पदक विजेता भारतीय हॉकी खिलाड़ी सम्मानित

नई दिल्ली (वार्ता)। शिवत्रिनेत्र ग्रुप ने एक खास सम्मान समारोह में एशियन गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय हॉकी प्लेयर्स और कोचेस को सम्मानित किया। इस मौके पर उनकी उपलब्धियों, कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण को मान्यता दी गई। समारोह के दौरान, ग्रुप ने भारतीय हॉकी में उनके योगदान के लिए सम्मानित प्लेयर्स और कोचेस को 51-51 हजार दिए गए। इंटरनेशनल लेवल पर अपने प्रदर्शन के ज़रिए, प्लेयर्स ने भारतीय हॉकी की शानदार विरासत को आगे बढ़ाया है। सम्मान समारोह में खेल जगत की जानी-मानी हस्तियां, कोच और बिज़नेस कम्युनिटी के प्रतिनिधि शामिल हुए। इवेंट का मकसद भारतीय हॉकी प्लेयर्स की उपलब्धियों को पहचान देना और देश भर में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने की अहमियत पर ज़ोर देना था।

श्रीलंका ने टी-20 सीरीज जीती फरहान ने तोड़ा अभिषेक का रिकॉर्ड

रावलपिंडी (वार्ता)। पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने दो फुल मेंबर देशों के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ा। हालांकि, रावलपिंडी में खेले गए तीसरे और आखिरी टी-20 मैच में उनकी टीम को श्रीलंका से आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। फरहान ने लगातार तीसरा अर्धशतक लगाया और सीरीज में अपने कुल रनों की संख्या 238 तक पहुंचाई। इसके बाद श्रीलंका ने रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के आठ विकेट पर 168 के स्कोर को 17 गेंदें बाकी रहते हुए हासिल कर लिया। पाकिस्तान के लिए इस हार से कोई खास फर्क नहीं पड़ा, क्योंकि वे पहले ही शुरुआती दो मैचों में शानदार प्रदर्शन करके घरेलू मैदान पर सीरीज़ जीत चुके थे। यह फरहान के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि थी। उन्होंने तीनों मैचों में पाकिस्तान की शानदार कप्तानी की और दो फुल मेंबर देशों के बीच पुरुषों की तीन मैचों की टी-20 सीरीज में सबसे ज़्यादा रन बनाने का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड अभिषेक के नाम था, जिन्होंने इसी साल की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ 229 रन बनाए थे। बुधवार को श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान फरहान ने भारतीय ओपनर के इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। सीरीज के आखिरी मैच में हार के बावजूद फरहान तीनों मैचों में अपनी टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट थे। मैच के बाद फरहान ने कहा, जिस तरह से हमने पहले दो मैचों में शानदार टारगेट सेट किया था, आज भी हमारी योजना वैसी ही थी, लेकिन यह क्रिकेट है, कुछ भी हो सकता है। कोशिश लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की होती है। जब मैं अच्छा खेलता हूँ, तो अगले मैच में भी अच्छा करने के लिए और ज़्यादा फोकस करता हूँ। यह क्रिकेट है, आप हमेशा फॉर्म में नहीं रहते। इसलिए मैं इस मौके का पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रहा हूं। सीरीज के आखिरी मैच में मात्र 47 गेंदों पर 87 रनों की तेज़-तर्रार पारी खेलने के लिए कुसल मेंडिस को प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया और श्रीलंका के कप्तान अपनी टीम के प्रदर्शन से खुश थे। मेंडिस ने कहा, आज हमने बीच के ओवरों में बहुत अच्छी गेंदबाजी की। फ़ील्डिंग भी बेहतर थी और बल्लेबाजी शानदार रही।

अल्जारी जोसेफ और शाई होप बंगलादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे

पोर्ट ऑफ स्पेन (वार्ता)। वेस्टइंडीज की टीम बंगलादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में अल्जारी जोसेफ और शाई होप के बिना खेलेगी। तेज गेंदबाज जोसेफ को उनके वर्कलोड को मैनेज करने के लिए टीम से बाहर रखा गया है, जबकि सफेद गेंद कप्तान होप को अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप क्वालीफायर से पहले आराम दिया गया है। जोसेफ का बाहर होना एक रूटीन मेडिकल जांच और विशेषज्ञों से सलाह के बाद तय किया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने तेज गेंदबाज के वर्कलोड को मैनेज करने का फैसला किया है, क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में शारीरिक मेहनत ज्यादा होती है और लगातार मैचों में तेज गति से गेंदबाजी करने से चोट लगने का खतरा रहता है।

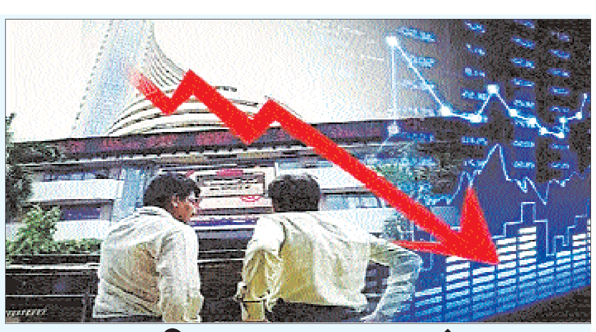

शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट में बंद हुए शेयर बाजार

मुंबई (वार्ता)। बैंकिंग, वित्त और ऑटो कंपनियों के दबाव में घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को बिकवाली देखी गई और शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 251.89 अंक (0.34 प्रतिशत) टूटकर 72,781.89 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। सेंसेक्स ऊपर 73,195 अंक और नीचे 72,579 अंक तक गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 99.25 अंक यानी 0.44 प्रतिशत गिरकर 22,622.70 अंक पर रहा। पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों प्रमुख सूचकांकों में डेढ़ फीसदी से अधिक की जबरदस्त तेजी रही थी। वृहत बाजार में अधिकतर सूचकांक लाल निशान में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.05 प्रतिशत ऊपर रहा। स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.29 प्रतिशत फिसल गया। बैंकिंग, वित्त, फार्मा, ऑटो, स्वास्थ्य, रियल्टी और सीमेंट समूहों में बिकवाली हावी रही। आईटी, एफएमसीजी, तेल एवं गैस और मीडिया समूहों में लिवाली का जोर रहा। एनएसई में कुल 3,667 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें से 2,023 के शेयरों में तेजी और 1,536 में गिरावट रही। अन्य 108 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 19 के शेयर लाल निशान में रहे। बजाज फाइनेंस का शेयर 2.55 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा का 2.24 प्रतिशत गिर गया। बजाज फिनसर्व में 1.99 फीसदी, इटरनल में 1.68, आईसीआईसीआई बैंक में 1.54, इंडिगो में 1.50, सन फार्मा में 1.14, एलएंडटी में 1.06 और अडानी पोर्ट्स में 0.96 प्रतिशत की गिरावट रही। टाइटन, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और पावरग्रिड के शेयर भी लाल निशान में रहे। इंफोसिस का शेयर 2.51 फीसदी और टेक महिंद्रा का 2.20 प्रतिशत चढ़ा। टीसीएस का शेयर 1.54 फीसदी, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.15 फीसदी की बढ़त में बंद हुआ। एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बीईएल और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी हरे निशान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में चीन का शंघाई कंपोजिट 0.88 प्रतिशत, हांगकांग का हैंग सेंग 0.13 प्रतिशत और जापान का निक्केई 0.05 प्रतिशत लुढ़क गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.48 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.29 प्रतिशत ऊपर था।

नवरात्र से दीपावली तक देश में सात लाख करोड़ से अधिक के कारोबार का अनुमान : कैट

नई दिल्ली (वार्ता)

अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) को इस साल नवरात्र से दीपावली तक देश भर में सात लाख करोड़ रुपये के अधिक के त्योहारी कारोबार का अनुमान है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से लोकसभा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि पिछले साल दीपावली के अवसर पर देश में लगभग 6.05 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड व्यापार हुआ था। इसमें लगभग 5.40 लाख करोड़ रुपये का वस्तु व्यापार और 65,000 करोड़ रुपये का सेवा व्यापार शामिल था। इस वर्ष त्योहारी गतिविधियों के और व्यापक होने के कारण 15-18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कारोबार के सात लाख करोड़ रुपये से ऊपर जाने की संभावना है। कैट की बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह प्रारंभिक अनुमान देश भर के विभिन्न राज्यों के प्रमुख व्यापारिक संगठनों एवं बाजारों से प्राप्त फीडबैक, उपभोक्ता मांग, त्योहारी खरीदारी के रुझान, ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी बाजारों की सक्रियता, स्थानीय उत्पादों की बढ़ती मांग तथा विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली व्यापक आर्थिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

कैट के आंकलन के अनुसार, नवरात्र से दीपावली तक अनुमानित त्योहारी कारोबार में किराना एवं एफएमसीजी बिक्री की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत रह सकती है। सोना, चांदी एवं आभूषण का योगदान 10 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल

उत्पादों का आठ प्रतिशत और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, सिले-सिलाये परिधानों तथा उपहारों का सात-सात प्रतिशत रहने का अनुमान है। होम डेकोर, फर्नीचर एवं फर्निशिंग और मिठाई एवं नमकीन का बिक्री में योगदान पांच-पांच प्रतिशत रहने की संभावना है। कपड़े एवं फैब्रिक्स का योगदान चार प्रतिशत, पूजा सामग्री, फल एवं ड्राई फ्रूट्स और बेकरी एवं कन्फेक्शनरी का तीन-तीन प्रतिशत, फुटवियर का योगदान दो प्रतिशत और अन्य वस्तुएं एवं संबंधित कारोबार का 19 फीसदी होने का अनुमान जताया गया है। श्री खंडेलवाल ने कहा कि इस वर्ष त्योहारी अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होगी। नवरात्र से दीपावली के दौरान परिवहन, लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स डिलीवरी, पैकेजिंग, वेयरहाउसिंग, होटल, रेस्तरां, पर्यटन, कैटरिंग, टेंट एवं डेकोरेशन, लाइटिंग, इवेंट मैनेजमेंट, कैब एवं स्थानीय परिवहन सहित अनेक सेवाओं में भारी मांग रहने की संभावना है। पिछले वर्ष सेवा क्षेत्र में लगभग 65,000 करोड़ रुपये के कारोबार के मुकाबले इस वर्ष सेवा क्षेत्र में 20-25 प्रतिशत तक वृद्धि का प्रारंभिक अनुमान है। इसके आधार पर त्योहारी अवधि में सेवा क्षेत्र का कारोबार लगभग 80,000 करोड़ से एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी त्योहारों के सीजन में अनेक पर्वों के दौरान देशभर में बड़ी संख्या में धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और व्यावसायिक आयोजन भी होंगे जिनमें मार्केट उत्सव, रामलीला, दुर्गा पूजा पंडाल, गरबा एवं डांडिया, दिवाली मिलन एवं मेले, प्रदर्शनी, स्थानीय बाजार कार्यक्रम, सोसायटी एवं सामुदायिक समारोह, कॉर्पोरेट कार्यक्रम तथा पारिवारिक आयोजन भी बड़ी संख्या में होंगे। इन आयोजनों का सीधा लाभ सजावट, लाइटिंग, फूल, वस्त्र, मिठाई, भोजन, कैटरिंग, परिवहन, होटल, पर्यटन, फोटोग्राफी, इवेंट मैनेजमेंट, सुरक्षा, पैकेजिंग और डिलीवरी जैसे अनेक क्षेत्रों को मिलेगा। इस प्रकार त्योहारी सीजन का प्रभाव केवल दुकानों और बाजारों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे माल एवं सेवा इकोसिस्टम में बड़ी मांग पैदा

एचपी ने भारत में पेश किया जेडबुक अल्ट्रा जीउए

नई दिल्ली (वार्ता)। पर्सनल कंप्यूटर बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एचपी ने बुधवार को भारत में 16 इंच का लैपटॉप जेडबुक अल्ट्रा जी3ए पेश करने की घोषणा की। कंपनी ने बताया कि यह एक थिन-एंड-लाइट मोबाइल वर्कस्टेशन है। इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अभियांत्रिकी, डिजाइन और कंटेंट क्रिएशन से जुड़े पेशेवरों के लिए तैयार किया गया है। इसकी कीमत 2,89,990 रुपये है, जिस पर कर का भुगतान अलग से करना होगा। इसमें एएमडी रायजेन एआई मैक्स प्लस प्रो प्रोसेसर है। वर्कस्टेशन जैसी परफॉर्मेंस, उच्च मेमोरी क्षमता और स्थानीय एआई क्षमता इसकी खूबियां हैं।

थोक महंगाई सितंबर में 11.39 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली (वार्ता)। विनिर्मित वस्तुओं, ईंधन और खाद्य पदार्थों के थोक दाम तेजी से बढ़ने के कारण गत सितंबर में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर 11.39 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। साल 2022-23 आधार वर्ष की नयी सीरीज में थोक महंगाई पहली बार दहाई अंक में पहुंची है। इससे पहले अगस्त 2026 में यह 9.92 फीसदी और सितंबर 2025 में शून्य से 0.2 प्रतिशत नीचे थी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि सितंबर में खाद्य थोक महंगाई 8.66 प्रतिशत पर रही। प्राथमिक वस्तुओं के वर्ग में महंगाई दर 8.67 प्रतिशत, ईंधन एवं बिजली वर्ग में 25.85 प्रतिशत और विनिर्मित उत्पादों के वर्ग में 9.76 प्रतिशत रही। प्राथमिक

वस्तुओं के वर्ग में खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर 8.14 प्रतिशत, गैर-खाद्य उत्पादों की 10.28 प्रतिशत और खनिजों की 9.51 प्रतिशत दर्ज की गई। ईंधन एवं बिजली वर्ग में एक साल पहले की तुलना में कच्चा तेल एवं प्राकृतिक गैस की कीमतों में सबसे तेज उछाल दर्ज की गई। महंगाई दर 57.32 प्रतिशत रही। खनिज तेलों की महंगाई दर 40 फीसदी और कोयला तथा लिग्नाइट की 9.31 प्रतिशत पर रही। वहीं, बिजली की कीमत में 0.43 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। विनिर्मित उत्पादों में साल-दर-साल आधार पर सामान्य धातु उत्पाद 16.96 प्रतिशत, रसायन एवं रासायनिक उत्पाद 16.74 प्रतिशत, कपड़े 13.85 प्रतिशत, रबर एवं प्लास्टिक के उत्पाद 13.47 प्रतिशत, तंबाकू उत्पाद 12.90 प्रतिशत और बिजली के उपकरण 11.93 प्रतिशत महंगे हुए हैं। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान औसत थोक मुद्रास्फीति की दर 9.85 प्रतिशत रही। इसमें ईंधन एवं बिजली वर्ग की महंगाई 25.31 प्रतिशत, प्राथमिक वस्तुओं की 6.89 प्रतिशत और विनिर्मित उत्पादों की 8.08 प्रतिशत रही है।

जियो प्लेटफार्म्स का आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेगा

मुंबई (वार्ता)। रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड (जेपीएल) का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 21 अक्टूबर को खुलेगा। जेपीएल ने बुधवार को गुजरात के अहमदाबाद स्थित रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के पास रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) फाइल किया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजारों को बताया कि आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेगा और 23 अक्टूबर को कारोबार की समाप्ति के साथ बंद होगा। इससे पहले 19 अक्टूबर को एंकर निवेशक बोली लगा सकेंगे। जियो प्लेटफॉर्म्स के पात्र कर्मचारी अधिकतम 500 करोड़ रुपये तक के शेयर खरीद सकेंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज के पात्र कर्मचारी 2,500 करोड़ रुपये तक के शेयर खरीद सकेंगे। आईपीओ में 10 रुपये अंकित मूल्य के 27 करोड़ नये शेयर जारी किए जाएंगे।

जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का बेहतर क्रियान्वयन और प्रभावी मूल्यांकन सुनिश्चित करेंगे : डॉ. यादव

'मुख्यमंत्री यंग प्रोफेशनल फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम' के अंतर्गत सुशासन संस्थान में आरंभ हुआ पांच दिवसीय प्रशिक्षण सत्र

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन और नवाचारी कार्यों से संपूर्ण विश्व प्रभावित है। हम सब के लिए यह गर्व का विषय है कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और हम विश्व को नेतृत्व प्रदान करने में सक्षम हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश विकास और जनकल्याण की दिशा में निरंतर नित्य नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्रदेश के युवा निडरता पूर्वक अपनी योग्यता और क्षमता से सभी क्षेत्रों में उपलब्धियां अर्जित कर रहे हैं। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन तथा उनके मूल्यांकन में भी युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री यंग प्रोफेशनल्स फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम के सभी युवा साथी प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। पचपन जिलों से चयनित युवा नई पचपन आशाओं का समुच्चय हैं। यह युवा केन्द्र और राज्य द्वारा संचालित योजनाओं तथा शासन/प्रशासन की इकाईयों द्वारा उनके क्रियान्वयन का प्रभावी मूल्यांकन सुनिश्चित करेंगे। इससे क्रियान्वयन की कमजोरियों को चिन्हित कर उनमें आवश्यक सुधार करने में मदद मिलेगी। राज्य में जनकल्याणकारी नीतियों को लागू करने में जिला प्रशासन, ग्राम

पंचायतों और निकायों के चुने गए जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी काफी अहम है। सभी यंग प्रोफेशनल्स, शासकीय व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन और उनमें जनभागीदारी की भूमिका का बारीकी से अवलोकन करते हुए जिला प्रशासन के लिए भी उपयोगी धरोहर बनें।

वर्ष 2027 में महत्वपूर्ण होगी युवाओं की भूमिका

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रत्येक वर्ष के लिए अलग-अलग लक्ष्य तय किया है। वर्ष 2025 को रोजगार और निवेश, वर्ष 2026 को किसान कल्याण और अब वर्ष 2027 को राज्य सरकार युवा वर्ष के रूप में मनाने जा रही हैं। इस वर्ष में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। युवाओं के लिए सालभर गतिविधियां संचालित की जाएगी। हमारे युवा प्रभावी नेतृत्व प्रदान करें वे अपने दायित्व को मात्र जॉब के रूप में न लें, बल्कि प्रदेश की बेहतरी और जनकल्याणकारी कार्यों का लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिए काम करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी का संबंध मध्यप्रदेश से भी है। एक राजनेता का जीवन कैसा होना चाहिए, यह अटल जी के व्यक्तित्व के विविध पक्षों से बड़ी सरलता से समझा जा सकता है।

बेहतर संवाद शैली है सफलता का आधार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के वक्तव्य यही समय है-सही समय है से प्रेरणा लेते हुए हम अपने कार्यों द्वारा समाज और देश के प्रति अपनी भूमिका सार्थक करें। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए सुशासन स्थापित कर उत्कृष्ट कार्य किए हैं। उनकी प्रशासनिक कार्य कुशलता की प्रसंशा पूरी दुनिया में हो रही है। पहले हम पश्चिमी देशों से अपनी तुलना करते थे, लेकिन अब प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में दृढ़ इच्छा शक्ति के बल पर भारत ने अनेक चुनौतियों का समाप्त करते हुए नए कीर्तिमान गढ़े हैं। अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्र में इसरो की उपलब्धियां इसका उत्कृष्ट उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने किया यंग प्रोफेशनल्स से संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर यंग प्रोफेशनल से संवाद भी किया। भोपाल की सुश्री प्राची गौर ने पूछा कि मैदानी स्तर पर आने वाली चुनौतियों का सामना कैसे किया जाए। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें । शांत चित्त और तनाव रहित रहते हुए जन सामान्य से सहज संवाद में रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं को नवाचार के लिए तत्पर रहने और परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की क्षमता विकसित करने तथा किताबी ज्ञान के साथ-साथ अनुभव को भी महत्व देने की सलाह दी।

प्रशासनिक संरचना और कार्यप्रणाली का दिया जाएगा प्रशिक्षण

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित ने कहा कि जीवन में प्रशिक्षण की विशेष महत्ता है। 'मुख्यमंत्री यंग प्रोफेशनल फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम' के अंतर्गत सीएम फेलोज का प्रशिक्षण भी इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए आयोजित किया जा रहा है। अलग-अलग प्रशिक्षण सत्रों में युवाओं को डाटा विश्लेषण, जिला स्तर पर प्रशासनिक संरचना और कार्यप्रणाली की जानकारियां प्रदान की जा रही हैं। प्रशिक्षण सत्र में राज्य के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, युवा साथियों को जमीनी स्तर की बारीकियां बता रहे हैं। इसके अंतर्गत जनजातीय कल्याण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, कृषि एवं कृषक कल्याण और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, विशेष रूप से शामिल हैं। प्रशिक्षण सत्र में देश के अन्य राज्यों से भी विशेषज्ञ अपना योगदान दे रहे हैं।

राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के 16 नवनियुक्त अधिकारियों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता से कार्य करें अधिकारी : मंत्री चौहान

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार अनुसूचित जाति वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। नवनियुक्त अधिकारी शासन की जनहितैषी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें। उन्हें शिक्षा, कौशल उन्नयन, रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएँ, जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

मंत्री श्री चौहान, मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के राजीव गांधी सभागार में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री चौहान ने चयनित अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवा केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि जनसेवा का पुनीत दायित्व है। अनुसूचित जाति कल्याण आयुक्त सत्येन्द्र सिंह ने विभागीय प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि अधिकारी मैदानी स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, हितग्राहियों की समस्याओं के समयबद्ध निराकरण और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करें। उन्होंने नवनियुक्त अधिकारियों से विभागीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्रिय योगदान देने का आह्वान भी किया। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा आयोजित संयुक्त भर्ती परीक्षा के माध्यम से मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम में 8 सहायक कार्यपालन अधिकारी और 8 क्षेत्राधिकारी सहित कुल 16 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जिन्हें विधिवत नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

डॉ. यादव ने नाव दुर्घटना पर दुःख जताया

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बिहार के वैशाली जिले में नाव पलटने की दुर्घटना में हुई जनहानि पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दुर्घटना में दिवंगतों को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिजन को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत नोहटा में शिविर कल

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत ग्राम नोहटा में शिविर आयोजित है जिसमें जनपद पंचायत जबेरा की कुल 37 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है। अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय योजनाओं एवं जनकल्याणकारी सेवाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने तथा नागरिकों की समस्याओं के निराकरण पर विशेष जोर दिया जाएगा। अभियान के तहत ग्राम पंचायत घटेरा, मनगुवां मानगढ़, बनवार, हरदुआ मानगढ़, लरगुवां, गोलापट्टी, परस्वाहा, झरौली, पटना मानगढ़, मनगुवां घाटए रौ?ए सग्राम, रीछई, इमलिया, माला, बम्होरी, चिलौद, मझगुवां मानगढ़, सिमरी जालमसिंह, डूमर, हरदुआ सुमेर, महुआखेड़ा, चौपरा, पट्टी महाराज सिंह, मौसीपुरा, कुलुवा, हिनौती, ठेंगापट्टी, साखा, घांघरी, नोहटा, बीजाडोगरी, गुड़ा, मुड़ारी, खमरिया मौजीलाल, बिजोरा, कटंगी एवं परासई को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य प्रशासन और आम नागरिकों के बीच संवाद को मजबूत करना है।

सैनिकों के पुनर्वास और कौशल विकास में क्रिस्प की भूमिका सराहनीय : सुकृति लिखी

भोपाल (स्वतंत्र मत)। सैनिकों के पुनर्वास और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टॉफ परफॉर्मेंस , भोपाल में बुधवार को रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग की सचिव सुकृति लिखी ने दौरा किया और डी.जी.आर प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव जाने। मुख्य अतिथि सुकृति लिखी ने डी.जी.आर के प्रशिक्षणार्थियों से बातचीत की और उनके प्रशिक्षण अनुभवों को जाना। उन्होंने क्रिस्प में संचालित प्रशिक्षण गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा, डी.जी.आर से जुड़े लोग इस संस्थान की तारीफ करते हैं। यहां आकर जब मैंने कार्यक्रमों का जायजा लिया, तो मैं भी प्रभावित हुई कि क्रिस्प वास्तव में इस क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महानिदेशक, पुनर्वास महानिदेशालय मेजर जनरल एसबीके सिंह, एसएम ने अपने लंबे अनुभव साझा करते हुए बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद भी पूर्व सैनिक विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मेहनत, अनुशासन और कौशल के बल पर बेहतर करियर बना सकते हैं और अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं।

मेधावी विद्यार्थियों की शिक्षा में बाधा ना बने आर्थिक अभाव : ए. श्रीजा

आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने पर हुआ मंथन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। आर्थिक अभाव के कारण किसी भी मेधावी विद्यार्थी की शिक्षा बाधित न हो, इस दिशा में राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसएस) देश में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की शैक्षिक निरंतरता के लिए एक बड़ा संबल है। यह बात भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की आर्थिक सलाहकार तथा भारतीय आर्थिक सेवा की अधिकारी श्रीमती ए. श्रीजा ने राजधानी भोपाल में कही। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार और राज्य शिक्षा केंद्र स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को एक निजी होटल में राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसएस) विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की आर्थिक सलाहकार तथा भारतीय आर्थिक सेवा की वरिष्ठ अधिकारी ए. श्रीजा ने कहा कि अक्सर कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों के बच्चे किशोरावस्था में ही पढ़ाई के स्थान पर आजीविका अर्जित करने की ओर ध्यान देने लगते हैं। इसके परिणामस्वरूप उनकी शिक्षा प्रभावित होती है। वहीं, छोटी-मोटी मेहनत-मजदूरी से वे न तो अपने परिवार की आर्थिक कठिनाइयों को दूर कर पाते हैं और न ही अपने भविष्य को बेहतर बना पाते हैं। ऐसे परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़े रखने और उनकी शैक्षणिक निरंतरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है।

राज्य शिक्षा केंद्र के संयुक्त संचालक प्राचीश जैन ने कहा कि राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति योजना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इसका प्रमुख उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को कक्षा 8 के बाद उन्हें माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक, निर्धारित पात्रता एवं नवीनीकरण संबंधी शर्तें पूरी करने पर, प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

गौ.अभ्यारण्य जरारूधाम में विद्यार्थियों ने कृषि व्यवसाय-गौपालन एवं पर्यावरण संरक्षण का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया

दमोह (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ व्यावसायिक कौशल, कृषि, गौपालन एवं पर्यावरण संरक्षण की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, किशुनगंज के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 63 विद्यार्थियों ने गौ अभ्यारण्य जरारूधाम का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विषय शिक्षकों के मार्गदर्शन में गौ अभ्यारण्य में संचालित विभिन्न प्रकल्पों का अवलोकन कर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने गौसेवा, जैविक खाद निर्माण संयंत्र, गोबर गैस संयंत्र, पौधरोपण, पौधशाला नर्सरी, जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही विद्यार्थियों को पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्निर्माण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा गाय से व्यवसाय की ओर विषय के अंतर्गत गौपालन को आजीविका एवं स्वरोजगार से जोड़ने की संभावनाओं से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकल्पों को देखकर जाना कि किस प्रकार गोबर एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग जैविक खाद, ऊर्जा उत्पादन और कृषि कार्यों में किया जा सकता है। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना तथा कृषि, पशुपालन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाओं के प्रति जागरूक करना रहा। भ्रमण में विद्यालय के शिक्षक दिनेश पटेल, सुरेंद्र विश्वकर्मा, रवि अहिरवार एवं पूजा अहिरवार उपस्थित रहे। भ्रमण के अंत में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने संस्थान की गतिविधियों की सराहना करते हुए नर्मदा खंड सेवा संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया।

फर्जी मुकदमे में फंसाने का आरोप, कार में मारपीट-धमकी देने का दावा

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले के जबेरा थाना क्षेत्र में कथित झूठे मुकदमे, मारपीट और धमकी देने के मामले में करणी सेना परिवार जीवन सिंह शेरपुर की ओर से पुलिस अधीक्षक दमोह को शिकायत सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता सुरेंद्र सिंह ने आरोप लगाया है कि 11 अक्टूबर को जबेरा थाने में उनके विरुद्ध झूठा, निराधार एवं मनगढ़ंत मामला दर्ज कराया गया। उनका दावा है कि इससे पहले 10 अक्टूबर को जबेरा थाना प्रभारी विकास चौहान के नेतृत्व में पुलिसकर्मी उन्हें पकड़कर थाने ले गए थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर, जबलपुर (म.प्र.)

द्वितीय निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट पर देखा जा सकता हैं।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2	3.	4	5	6
1.	PRO-667 Date: 14/10/26 2026_UAD 543054_1	पं. मदन मोहन मालवीय वार्ड अंतर्गत विभिन्न स्थानों में सीमेन्टीकरण कार्य	03 माह 2.48 लाख	2000/- 2481/-	28/10/2026
2.	PRO-667 Date: 14/10/26 2026_UAD 543054_2	संभाग क्रमांक 12 घंटाघर अंतर्गत तीनों वार्डो में सड़क मरम्मत, नाली मरम्मत एवं ड्रस्ट फिलिंग एवं सी.एम. हेल्पलाईन शिकायतों पर कार्य कराये जाने विषयक।	03 माह 4.23 लाख	2000/- 4237/-	28/10/2026

नोट-- निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन वेबसाइट पर ही किया जावेगा, प्रथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (लोककर्म)
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -05 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.05/26-27/25

दिनांक 16.6.2026

भवन नामांतरण

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राहुल तोतलानी पिता सन्मुख तोतलानी ने भवन क्रं. 320 का भाग वार्ड जवाहरगंज क्षेत्रफल 524 वर्गफुट भूतल 524 व.फु. व्या. प्रथम तल 644 व.फु. व्या. द्वितीय तल 980 व.फु. व्या. तृतीय तल 980 व्या. विक्रय पत्र माननीय न्यायालय के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 320 का भाग पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्री राकेश कु.ककनानी पिता स्व. वेद प्रकाश ककनानी पिन 1000391482/41601528 पर जिस किसी को भी उक्त मैं प्रमाण सहित आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-05
नगर निगम, जबलपुर

Change Of Name

Previously- I was known as Ashish Kumar Dubey I. Here after I will be known as Ashish Dubey son of late S.P. Dubey resident of 32/3 Laxmi colony hathital Jabalpur - 482002 (MP) the legal formalities are complete therefore thereafter in all government records and all my school college private records my correct name Ashish Dubey to be written/spoken called for all purpose,

Old name:
Ashish Kumar Dubey
New name:
Ashish Dubey

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जबलपुर

प्रकरण क्रमांक 152 / अपील/26-27
पक्षकार - मेसर्स आर.बी.ओवरसीज वि. रम्मू वगैहरा

इश्तहार

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय मे अपीलार्थी मेसर्स आर.बी. ओवरसीज प्रा.लि. द्वारा डायरेक्टर नारयण प्रसाद के द्वारा म.प्र. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 अंतर्गत न्यायालय नायब तहसीलदार पनागर के प्र.क्र. 1941/अ-6/24-25 मे पारित आदेश दिनॉक 16.09.2025 के विरुद्ध अपील पेश की गई है जिसमे निम्मलिखित को प्रतिअपीलार्थी पक्षकार बनाया गया है:- 1- रम्मू पिता बिरजू चमार 2- पददू उर्फ पदम पिता स्व. गोली गडारी 3- कंधी पिता धन्नजू उर्फ धनुआ चमार 4- धुल्लई पिता शोभा चभार 5- धुर्रा वल्द भदई चमार 6- इतवारी पिता स्व. लक्षिया उर्फ लक्ष्मन चमार 7- श्रीमती सरला पिता स्व. सुंदर गडारी 8- रमेश पिता जिठुआ उर्फ जेठू काछी 9- दयाराम उर्फ सुम्मेरा पिता स्व. खुन्ना कुम्हार 10-केशलाल पिता गिरानी चमार 11-सुशीला उर्फ विमला बवा लटोराबाई नाई 12-बैसाखू उर्फ सुम्मेरा पिता स्व. खुल्ला कुम्हार 13- मुन्ना पिता सुम्मेरा सोनी 14- धुन्नू पिता कल्लू चमार सभी निवासी ग्राम कटैया बरखेडा तहसील पनागर

मुख्त्यार - दीपक श्रीवास्तव पिता स्व.एस.के. श्रीवास्तव निवासी विवेक कालोनी आधारताल तहसील जबलपुर

उक्त अपील की सुनवाई इस न्यायालय में प्रचलित है एवं आगामी पेशी दिनॉक 02.11.2026 नियत है अतः प्रति अपीलार्थी अथवा अन्य हितबद्ध पक्षकार नियंत दिनॉक को इस न्यायालय में समय 3.00 बजे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकता है।

जारी दिनॉक 07.10.2026

सील

अनुविभागीय अधिकारी,
जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -05 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.05/26-27/73

दिनांक 14.10.2026

भवन नामांतरण

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मुकेश कुमार नामदेव /पिता गणेश प्रसाद नामदेव (2.) संजय नामदेव पिता गणेश प्रसाद नामदेव ने भवन क्रं. 194/1ए वार्ड महात्मा गांधी भूतल 616 आ. विक्रय पत्र माननीय न्यायालय के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 194/1 ए पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्री सुदेश कु. सेठी पिता बंशीराम सेठी पिन नं. 41000034/1000369545 पर पर जिस किसी को भी उक्त मैं प्रमाण सहित आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-05
नगर निगम, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर
म.प्र. पिन-482003

भवन हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पी.पी. कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक एल.आई.जी. - 35 श्रीमती रूपाली पिल्लई पति श्री शेखर पिल्लई के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 25.03.1994 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमती रूपाली पिल्लई पति श्री शेखर पिल्इ ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 25.09.2026 के माध्यम से श्री दिलीप हरजानी पिता श्री विजय हरजानी एर्व श्री मुकेश कुमार हरजानी पिता श्री विजय हरजानी को विक्रय किया है। श्री दिलीप हरजानी पिता श्री विजय हरजानी एवं श्री मुकेश कुमार हरजानी पिता श्री विजय हरजानी द्वारा उक्त भवन अपने नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर
म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित पुरवा कॉलोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक LIG- 50 श्री स्नेहलता बर्मन पति श्री सुख देव बर्मन को आंवटित है। आवंटी श्री स्नेहलता बर्मन पति श्री सुख देव बर्मन से प्राप्त आवेदन / संयुक्त शपथ पत्र एवं निर्धारित दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन श्रीमती मनीषा रजक पति श्री जितेन्द्र कुमार रजक के नाम हस्तांतरण कि कार्यवाही की जाना है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन हस्तांतरण बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में किसी भी प्रकार की आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर पुरवा कॉलोनी जबलपुर स्थित भवन क्र. LIG-50 श्रीमती मनीषा रजक पति श्री जितेन्द्र कुमार रजक के नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति /दावा मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर
म.प्र. पिन-482003

भवन लीजहस्तांतरण /नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक LIG- 322 श्री मनीष रजक पिता श्री दिनेश रजक एवं श्रीमति संध्या रजक पति श्री मनीष रजक के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 24.08.2019 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री मनीष रजक पिता श्री दिनेश रजक एवं श्रीमति संध्या रजक पति श्री मनीष रजक ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 17.09.2026 के माध्यम से श्री अनिल बड़गैया पिता श्री बी.डी. बड़गैया को विक्रय किया है। अतः श्री अनिल बड़गैया पिता श्री बी.डी. बड़गैया द्वारा उक्त भवन. उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर
म.प्र. पिन-482003

भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आनंद नगर जबलपुर स्थित भवन क्र. MIG-04 श्री सैयद दाऊद अली रिज़वी पिता श्री एस.जी. अली रिज़वी को आंवटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 16.01.1997 को निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री सैयद दाऊद अली रिज़वी की मृत्यु दिनांक 27.12.2025 को हो गयी है एवं उनकी पत्नि श्रीमती सैय्यदा इजहार फातमा रिज़वी कि भी मृत्यु दिनांक 21.04.2018 को हो गई है। आवंटी द्वारा पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 01.07.2024 के द्वारा उक्त भवन की वसीयत अपने पोते श्री जरगाम अली पिता श्री सैयद मोहम्मद अली रिज़वी के नाम की है, उक्त वसीयत के आधार पर श्री जरगाम अली पिता श्री सैयद मोहम्मद अली रिज़वी ने नामांतरण स्वयं के नाम से करने हेतु आवेदन/शपथ पत्र संलग्न दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाहीं इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रक्षेत्र जबलपुर

ट्रैफिक मैनेजमेंट सुधरेगा, कचरा कलेक्शन होगा शत-प्रतिशत

निगमायुक्त ने ली समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें शहर के ट्रैफिक मैनेजमेंट, आउटडोर मीडिया पॉलिसी, गार्वेज ट्रांसफर स्टेशन तथा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर विभागीय प्रमुखों से विस्तृत रूप से प्रगति की जानकारी ली। बैठक में निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि शहर के यातायात को सुगम बनाने के लिए ट्रैफिक मैनेजमेंट की व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए।

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ देखते हुए पमरे ने लिया फैसला

जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन के बीच चलेगा स्पेशल ट्रेन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेल प्रशासन द्वारा नवरात्रि, दीपावली और छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 01707/01708 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का 05-05 ट्रिप, कुल 10 सेवाओं के साथ संचालन करने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन वातानुकूलित, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी के कोचों के साथ संचालित होगी।

जनप्रतिनिधियों से की भेंट, भोपाल हुए रवाना

ट्रांजिट विजिट पर डुमना एयरपोर्ट पहुंचे सीएम डॉ. यादव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का बुधवार दोपहर 1.07 बजे ट्रांजिट विजिट पर भोपाल से वायुयान द्वारा डुमना एयरपोर्ट आगमन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ यादव डुमना एयरपोर्ट से दोपहर 1.15 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा उमरिया जिले की मानपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गुरुवाही प्रस्थान कर गुरुवाही में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शाम हेलीकाप्टर से वापस डुमना एयरपोर्ट पहुंचे तथा शाम 4.48 बजे वायुयान द्वारा भोपाल रवाना हुए।

हितकारिणी सभा और स्वतंत्र मत के गरबा नाइट में आज झूमेंगे प्रतिभागी

हितकारिणी महिला महाविद्यालय परिसर में शाम 6 से रात 10 बजे तक होगा आयोजन, स्कूल-कॉलेज के प्रतिभागियों ने की विशेष तैयारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संस्कारधानी की शैक्षणिक संस्था हितकारिणी सभा और लोकप्रिय समाचार पत्र स्वतंत्र मत के संयुक्त तत्वावधान में आज 15 अक्टूबर को गरबा नाइट का आयोजन किया जा रहा है। हितकारिणी महिला महाविद्यालय परिसर में शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में स्कूल एवं कॉलेज के प्रतिभागी अपनी नृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आयोजन को लेकर प्रतिभागियों में खासा उत्साह है और वे पिछले कई दिनों से गरबा की तैयारी में जुटे हुए हैं।

कई दिनों से चल रही है तैयारी

गरबा नाइट को यादगार बनाने के लिए प्रतिभागी हितकारिणी प्रशिक्षण महाविद्यालय में नियमित रूप से अभ्यास कर रहे हैं। पारंपरिक गरबा नृत्य की लय, ताल और आकर्षक प्रस्तुतियों को बेहतर बनाने के लिए स्टुडेंट्स विशेष मेहनत कर रहे हैं। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान और गरबा की मनमोहक धुनें आयोजन के आकर्षण को बढ़ाएंगी। प्रतिभागियों का प्रयास है कि वे अपनी प्रस्तुति के माध्यम से भारतीय संस्कृति और लोकपरंपरा की सुंदर झलक प्रस्तुत करें।

संस्कृति और उत्साह का संगम

विद्या परिषद के सचिव एड जयेश सिह राठौर ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य छात्र छात्राओं को अपनी कला और प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराने के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है। गरबा जैसे पारंपरिक नृत्य के माध्यम से युवा भारतीय लोकसंस्कृति से जुड़ते हैं और सामूहिक सहभागिता की भावना को मजबूत करते हैं। हितकारिणी सभा और स्वतंत्र मत के इस संयुक्त आयोजन को लेकर तैयारियाँ पूरी की गयी हैं। आज शाम होने वाली गरबा नाइट में प्रतिभागियों की प्रस्तुतियाँ, संगीत और उत्साह का माहौल कार्यक्रम को विशेष बनाएगा।

इनकी रहेगी उपस्थिति

गरबा नाइट में विशिष्ट अतिथि डीआईजी अतुल सिंह, एसपी संपत उपाध्याय, संयुक्त मुख्य महाप्रबंधक व्हीकल फैक्ट्री संजय कुमार, सीएसपी ओमती सोनू कुर्मी, हितकारिणी सभा के अध्यक्ष नित्यनिरंजन खंपरिया, सभापति सुनयना पटेरिया, उप सभापति द्वय एड अशोक गुप्ता, मुकुल खंपरिया, सचिव बाबू विश्वमोहन, संयुक्त सचिव नमन अग्रवाल, विद्या परिषद के अध्यक्ष समर सिंह गायकवाड, उपाध्यक्ष संजय बघेल, सचिव एड जयेश सिंह राठौर सहित हितकारिणी सभा के वरिष्ठ सदस्य और अधिकारीगण तथा हितकारिणी सभा द्वारा संचालित समस्त विद्यालय एवं महाविद्यालयों के शासी निकाय अध्यक्ष, प्राचार्य, स्टाफ एवं स्टुडेंट्स उपस्थित रहेंगे।

शहर को इकोनॉमी और इंडस्ट्री हब बनाने पर रहेगा जोर

जबलपुर के कलेक्टर बने अरुण विश्वकर्मा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र शासन ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए जबलपुर के कलेक्टर रहे राघवेन्द्र सिंह का तबादला करते हुए उन्हें मंडी बोर्ड का प्रबंध संचालक बना दिया है। वहीं जबलपुर की कमान अब कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा को सौंप दी है। संभवत: आज श्री विश्वकर्मा पदभार ग्रहण कर सकते हैं। नवागत कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने मीडिया से चर्चा कर कहा कि जबलपुर को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और यहां कंपनियों एवं उद्योगों को आकर्षित करने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। शहर को इकोनॉमी हब और इंडस्ट्री हब के रूप में विकसित करने पर जोर रहेगा, ताकि आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिले और विकास के नए अवसर तैयार हों। उन्होंने कहा कि मप्र सरकार जनहित के प्रति संवेदनशील है। सरकार की मंशा के अनुरूप आम जनता से जुड़ी समस्याओं का बेहतर तरीके से निराकरण कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। जनसमस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा ने जबलपुर के समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को आगे बढ़ाने के लिए भी कार्य किया जाएगा। इस दिशा में संभावनाओं को तलाशते हुए आवश्यक कदम उठाने पर जोर रहेगा।

सम्मेलन में होगी 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पिछड़ा वर्ग के 27 प्रतिशत आरक्षण, जातिगत जनगणना, एसआईआर के विरोध तथा ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग को लेकर शुक्रवार, 16 अक्टूबर को पिछड़ा वर्ग सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिला अध्यक्ष एवं कार्यक्रम आयोजक नेकराम पटेल ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक न्याय, आरक्षण एवं लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करना तथा विभिन्न सामाजिक वर्गों एवं संगठनों को एक मंच पर लाना है। सम्मेलन में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने, जातिगत जनगणना कराने, स्ढ्ढक्र के विरोध तथा चुनाव में ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर की व्यवस्था लागू करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

टिकट चेकिंग अभियान से पमरे ने कमाया 8.64 करोड़ का राजस्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल द्वारा बिना टिकट, अनियमित टिकट एवं बिना बुक किए गए लगेज के साथ यात्रा करने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे टिकट जांच अभियानों के परिणामस्वरूप सितम्बर 2026 में कुल 8.64 करोड़ का राजस्व अर्जित किया गया। यह गत वर्ष 2025 सितम्बर की तुलना में 44.72 प्रतिशत अधिक है। साथ ही, रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित 7.16 करोड़ के लक्ष्य से 20.61 प्रतिशत अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है। प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मंडलों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारियों के नेतृत्व में यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर टिकट जांच अभियान चलाए गए। रेलवे मजिस्ट्रेट चेकिंग के अंतर्गत भी जांच की गई। इन अभियानों के दौरान बिना टिकट, अनियमित टिकट पर यात्रा तथा बिना बुक किए गए लगेज से संबंधित कुल 1 लाख 1 हजार मामले पकड़े गए, जिनसे अतिरिक्त किराए एवं जुर्माने सहित 8 करोड़ 64 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ। गत वर्ष सितम्बर माह में इन मामलों से 5.97 करोड़ का राजस्व अर्जित किया गया था।

एमडीआर शुल्क स्थगित करने के निर्णय का कैट ने किया स्वागत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क को स्थगित करने के सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति व्यापारियों की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया है। कैट ने कहा कि त्योहारी एवं विवाह सीजन के दौरान यह निर्णय समयानुकूल और व्यावहारिक है। इस अवधि में देशभर के लाखों व्यापारी और स्स्न्स्थ अपने कारोबार की बड़ी उम्मीदें रखते हैं। ऐसे समय में अतिरिक्त लेनदेन शुल्क से सीमित लाभ पर काम करने वाले व्यापारियों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ सकता था और डिजिटल भुगतान को अपनाने की गति भी प्रभावित हो सकती थी।

डॉ. नीलेश पाण्डेय को मिला 'एक्सीलेंस ऑफ एजुकेशन अवार्ड-2026'

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी महिला महाविद्यालय एवं हितकारिणी देवताल महाविद्यालय के प्राचार्य अतिरिक्त प्रभार डॉ. नीलेश पाण्डेय को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आत्मनिर्भरता और भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से जोड़ने के लिए मप्र के प्रतिष्ठित 'एक्सीलेंस ऑफ एजुकेशन अवार्ड-2026' से सम्मानित किया गया।

भोपाल में आयोजित समारोह में प्रदेश के सहकारिता मंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। डॉ. पाण्डेय की इस उपलब्धि पर हितकारिणी महिला महाविद्यालय के अध्यक्ष हर्ष जैन देवताल महाविद्यालय के अध्यक्ष शिवदत्त मिश्रा सहित हितकारिणी सभा के सभासदों की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

उल्लेखनीय है कि हितकारिणी महिला महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1933 में हुई थी। यह मप्र के प्राचीनतम महिला महाविद्यालयों में से एक है और शिक्षा के क्षेत्र में इसका गौरवशाली इतिहास रहा है। महाविद्यालय ने लंबे समय से महिला शिक्षा को प्रोत्साहित करने तथा छात्राओं को शिक्षा के साथ आत्मविश्वास, स्वावलंबन, सांस्कृतिक मूल्यों और संस्कारों से समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राम... कहते-कहते दशरथ ने त्यागे प्राण, भाव-विभोर हुए दर्शक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

श्री रामलीला समिति गढ़ा जबालीपुरम के सिद्ध मंच पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की मानव लीला के अंतर्गत महाराज दशरथ मरण, भरत आगमन एवं चित्रकूट प्रसंग का भावपूर्ण मंचन किया गया। पिता-पुत्र के असीम प्रेम, भ्रातृभक्ति और त्याग से ओतप्रोत इन प्रसंगों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम शुभारंभ भगवान श्रीराम की आरती एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। समिति संचालक पं अशोक मनोध्याय, अध्यक्ष एवं निर्देशक राजेश मिश्रा, महामंत्री एड अरुण दीक्षित सहित सीताराम दुबे, मथुरा प्रसाद जैन 'उत्साही', नूतन जैन, गुड्डा त्रिपाठी, विकास गौतम आदि ने भगवान का माल्यार्पण कर भोग अर्पित किया तथा आरती की।

रावण के व्यंग्य को समझ श्रद्धालु हुए चकित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संसार में साधू होना कठिन है, पर साधू बनना सरल है, कोई भी व्यक्ति कुछ क्षणों में ही साधू बन सकता है, लेकिन साधु होने में जनम-जनम लग जाते हैं। ये बात गोविंदगंज रामलीला में रावण ने मारीच से कही। रावण के इस व्यंग्य को समझदार दर्शक समझ गए। बहरहाल लीला प्रसंग के तहत मारीच मायामृग बना, और रावण ने सीता का हरण कर लिया। सीता हरण की लीला देख दर्शक भाव विहल हो गए। सीता विलाप और फिर उन्हें ढूंढने निकले श्रीराम का विलाम दर्शकों को दुखी कर गया।

चीफ जस्टिस के बंगले के सामने युवक से लूट की कोशिश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के बंगले के ठीक सामने 5 बदमाशों ने मिलकर एक युवक को रोककर लूटने की कोशिश की। युवक ने बदमाशों का सामना करते हुए उन्हें पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों के चाकू लेकर उसकी ओर बढ़ने पर उसे जान बचाकर भागना पड़ा। इस घटना के बाद पीड़ित सिविल लाइन थाने पहुंचा और पुलिस को पूरी जानकारी दी। वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, रांझी निवासी वैभव दुबे निजी कंपनी में नौकरी करता है। विगत देर रात वह एक्टिवा से अपने घर लौट रहा था। जैसे ही वह सिविल लाइन चौराहे पर पहुंचा, 2 एक्टिवा पर सवार 5 युवकों ने उसे रोक लिया। इसी दौरान एक युवक अपनी गाड़ी से उतरकर वैभव के करीब पहुंचा। वैभव ने हिम्मत दिखाते हुए उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन इसके बाद आरोपी मौके से भागने लगे। सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि भागने के बाद आरोपी कुछ दूरी पर रुकते हैं और फिर चाकू लेकर वैभव की ओर बढ़ते हैं। खतरा भांपकर वैभव वहां से दौड़ लगा देता है। सीसीटीवी में आरोपी एक्टिवा पर सवार होकर तेज रफ्तार से इंद्रा मार्केट की ओर भागते नजर आ रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल लाइन थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

गरबा महोत्सव में जमकर थिरके प्रतिभागी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रॉयल लेडीज क्लब त्रिमूर्ति नगर गरबा आयोजन दो सत्रों में किया गया सर्वप्रथम गरबा कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रोफेसर द्वय माता गुजरी कॉलेज सुनीता सोनी एवं कल्पना मिश्रा के विशिष्टातिथ्य में एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रीति मिश्रा कोषाध्यक्ष रॉयल लेडीज क्लब त्रिमूर्ति नगर की उपस्थिति में संपन्न हुआ। गरबा आयोजन के द्वितीय सत्र में पुरस्कारों की घोषणा की गई है जो पांच स्तर पर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में नलिनकांत वाजपेई, डॉ प्रदीप दुबे, प्रेम शंकर तिवारी, उज्जवल शुक्ला, अनुरोध पटेरिया, मयंक तिवारी आदि के द्वारा किया जाएगा। गरबा आयोजन के सफल कार्यक्रम के लिए त्रमूर्ति नगर व्यापारी संघ के अध्यक्ष संजय उपाध्याय, अमर भूषण मिश्रा का रॉयल लेडिस क्लब ने श्रीरामचरित मानस पुष्प कुछ देकर सम्मान किया। रॉयल गरबा कार्यक्रम में रॉयल लेडीज क्लब के प्रीति मिश्रा, कीर्ति निगम ,रितु उपाध्याय, सुनीता त्रिवेदी, कीर्ति खरे, प्रतिभा शर्मा, शुभम मिश्रा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पुल की रेलिंग से लटका मिला युवक का शव, मचा हड़कंप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। चरगवां थाना क्षेत्र के ग्राम चरगवां में बुधवार सुबह अहमदपुर निवासी 40 वर्षीय लेखराम गौंड का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पुल की रेलिंग से फंदे पर लटका मिला। ग्रामीणों द्वारा घटना की जानकारी दिए जाने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच और पूछताछ में सामने आया कि लेखराम उर्फ लिखा शराब पीने का आदी था। वह बीते दिन शाम से ही घर से गायब था। परिजनों के मुताबिक, उसका अचानक घर से लापता होना और अगले दिन संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलना कई सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य साजिश है, इसका पता लगाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

हाईकोर्ट ने रिश्वत लेने के आरोपी की दोषमुक्ति रखी बरकरार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र हाईकोर्ट ने हरदा जिले में बिजली कनेक्शन दिलाने के नाम पर 11 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेने के मामले में आरोपी धर्मेंद्र सांखला की दोषमुक्ति बरकरार रखी है। न्यायमूर्ति संजीव एस. कालगांवकर की एकलपीठ ने शिकायतकर्ता सवाईराम गुर्जर की अपील खारिज कर दी। वहीं लोकायुक्त की अपील को भी स्वीकार करने से इनकार कर दिया। दरअसल राजधानी भोपाल निवासी सवाईराम गुर्जर ने अपने खेत में पांच हार्स पावर की मोटर के लिए स्थायी बिजली कनेक्शन का आवेदन किया था। अभियोजन का आरोप था कि बिजली विभाग में कार्यरत लाइनमैन धर्मेंद्र सांखला और सब-इंजीनियर घनश्याम तिवारी ने कनेक्शन दिलाने के बदले रिश्वत की मांग की थी। शिकायत के आधार पर लोकायुक्त ने जाल बिछाकर कार्यवाही की। इस दौरान धर्मेंद्र सांखला के पास से पाउडर लगे 11 हजार रुपये के नोट बरामद किए गए। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि अभियोजन पक्ष रिश्वत की मांग और राशि को रिश्वत के रूप में स्वीकार किए जाने की बात विश्वसनीय साक्ष्यों से साबित नहीं कर सका। बातचीत के साक्ष्यों से यह संभावना भी सामने आई कि संबंधित राशि बिजली कनेक्शन की आधिकारिक फीस के रूप में दी गई थी। मप्र हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि रिश्वत के लिए चिह्नित नोटों की बरामदगी मात्र दोषसिद्धि का आधार नहीं बन सकती। इसके लिए रिश्वत की मांग और राशि को रिश्वत के रूप में स्वीकार किए जाने के विश्वसनीय प्रमाण आवश्यक हैं।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**